खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 02 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-242

ढाका में भारतीय उच्चायोग पर हमले की खतरनाक साजिश नाकाम

अफसरों को बंधक बना कर फिरौती में हसीना को वापस मांगते

ढाका के बारीधारा राजनयिक क्षेत्र में स्थित भारतीय उच्चायोग पर बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के हमले की एक भयानक तैयारी का पर्दाफाश हुआ है। अमेरिकी डीप स्टेट और अमेरिकी पिट्ठू मोहम्मद यूनुस द्वारा बुने गए षडयंत्र में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भी शामिल है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग (हाईकमीशन) पर सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा हमला कर वरिष्ठ राजनयिकों को बंधक बनाने और फिरौती में नई दिल्ली में शरण लेकर रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण कराने की खतरनाक तैयारी थी।

भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) को इस साजिश की भनक मिल गई। रॉ ने बांग्लादेश की खुफिया एजेंसी के साथ-साथ रूस, चीन, इजराइल समेत कई देशों को आधिकारिक तौर पर इसकी सूचना दे दी, जिससे यह खतरनाक षडयंत्र फिलहाल नाकाम हो गया। इस साजिश में शामिल एक चरमपंथी संगठन के ऐसे ठोस सबूत खुफिया एजेंसियों को हाथ लग गए, जिसे कोई नकार नहीं पाया। इस खुलासे से घबराकर, अमेरिकी खुफिया समुदाय के कुछ वरिष्ठ

शुभ-लाभ विशेष

अधिकारियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से एक कवर स्टोरी गढ़ने की कोशिश की। उन्होंने एक अनजानी, कम जानी-पहचानी वेबसाइट के जरिए यह कहानी फैलाई कि चरमपंथियों का असली निशाना ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास था और

'रॉ' की सतर्कता से फ्लॉप हुई अमेरिकी डीप स्टेट की साजिश

साजिश में शामिल थी आईएसआई और अमेरिका की सीआईए

साजिश उजागर होते ही सीआईए फैलाने लगी मनगढ़ंत कहानी

खिलाड़ी बनकर आतंकियों ने की थी भारतीय दूतावास की रेकी

हमलावर दूतावास में एक खास धर्म के चुनिंदा स्थानीय कर्मचारियों की हत्या करना चाहते थे। लेकिन इस कहानी की कलई जल्दी ही खुल गई। इस कहानी में गंभीर विसंगतियां मिलीं जिसकी गहन जांच की गई और अंततः कहीं ज्यादा विस्फोटक सच्चाई यह सामने आई कि आतंकवादियों का निशाना भारतीय उच्चायोग था, अमेरिकी दूतावास नहीं।

घटना के अमेरिकी प्रायोजित संस्करण के अनुसार, बांग्लादेशी अधिकारियों को ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास में काम करने वाले एक हिंदू कर्मचारी के अपहरण और उसकी हत्या की योजना के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकवादियों में जमातुल अंसार फिल हिंदल शर्किया (जेएए-चएस) और भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा

▶10 पर

शांति प्रयासों के लिए भारत की पहल सराहनीय : पुतिन

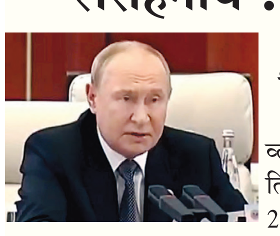

तियानजिन, 01 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तियानजिन में आयोजित 25वें एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की। पुतिन ने व्हाइट हाउस के सलाहकार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक शीर्ष सहयोगी पीटर नवारो के इस दावे का खंडन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि यूक्रेन मोदी का युद्ध है। पुतिन ने इस संघर्ष की जड़ों के लिए नाटो और पश्चिमी हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया।

चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एस-सीओ) के सदस्यों के सत्र को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के साथ जारी रूस के संघर्ष के दौरान शांति प्रयासों के लिए भारत और चीन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं यूक्रेन संकट को सुलझाने के लिए चीन और भारत के प्रयासों की सराहना करता हूं। पुतिन ने कहा, मैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी अलास्का बैठक के विवरण द्विपक्षीय बैठकों के दौरान नेताओं को बताऊंगा। उन्होंने मॉस्को के इस रुख को दोहराया कि यूक्रेन में संकट किसी आक्रमण के कारण नहीं, बल्कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की ओर से समर्थित कीव में तख्तापलट के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन में हुई सहमति यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सहयोगी पीटर नवारो ने भारत पर सस्ते तेल खरीद के जरिए रूस के युद्ध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। नवारो ने कहा था कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देता है तो उसे अमेरिकी टैरिफ में सीधे 25 प्रतिशत की छूट मिल जाएगी। व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी ने यह भी कहा था कि यूक्रेन में शांति का

▶10 पर

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

एससीओ के साझा घोषणा-पत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र

पहलगाम आतंकी हमले की सभी देशों ने की निंदा

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के तियानजिन में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। सभी देशों ने एक सुर से पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने संबोधन में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया था। एससीओ देशों ने प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन किया और आतंकवाद पर एक साझा बयान जारी किया गया। यह महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में चीन की धरती पर यह समवेत निंदा का प्रस्ताव जारी हुआ है। शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के सदस्य देशों ने तियानजिन घोषणा-पत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और दोषियों को सजा देने की मांग की। उन्होंने

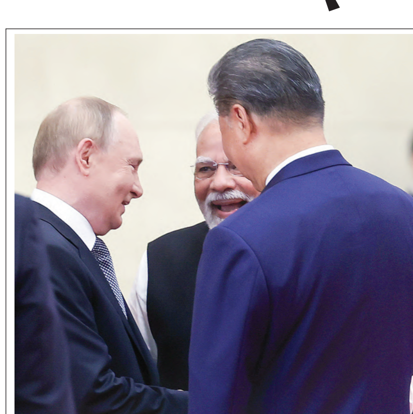

आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई और दोहरे मापदंडों को खारिज किया। साझा घोषणा पत्र में कहा गया कि सभी देश 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कठोर शब्दों में निंदा करते हैं। मृतकों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदना है। ऐसे हमलों के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना

आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं होगा

पाकिस्तानी पीएम के सामने ही जारी हुआ निंदा प्रस्ताव

चाहिए। इससे पहले पीएम मोदी ने एससीओ बैठक में बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा और आतंकवाद पर काफी खरी-खरी सुनाई। पीएम मोदी ने कहा था कि इस वर्ष भारत ने ज्वाइंट इन्फॉर्मेशन ऑपरेशंस को लीड करते हुए आतंकी संगठनों से लड़ने की पहल की है। टेरर फाइनेंसिंग के खिलाफ आवाज उठाई है। इसपर मेरे समर्थन के लिए सभी देशों का मैं आभार व्यक्त करता हूं। भारत पिछले चार दशक से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितने ही बच्चे खोए और कितने ही बच्चे अनाथ हो गए। अभी हाल ही में पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा है। इस दुख की घड़ी में जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम हमला मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश और व्यक्ति के समक्ष खुली चुनौती था। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को खुला समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है? हमें स्पष्ट रूप से और एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं होगा।

तियानजिन घोषणा में एस-सीओ सदस्य देशों ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया और इस बात

▶10 पर

दादागीरी और ताकत की राजनीति बर्दाश्त नहीं : जिनपिंग

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के शिखर सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में दादागीरी वाले व्यवहार की आलोचना की और निष्पक्ष, न्यायपूर्ण तथा बहुपक्षीय व्यवस्था की मांग की। उन्होंने सभी देशों से सहयोग, विविधता का सम्मान और साझा विकास को बढ़ावा देने की अपील की। जिनपिंग ने मतभेदों के बावजूद एकता बनाए रखने पर जोर दिया। जिनपिंग की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी निंदा हो रही है।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने यह बात 20 से ज्यादा देशों के नेताओं के सामने कही, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल थे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कुछ शक्तिशाली देशों पर हठधर्मिता और शक्ति की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक ऐसी विश्व व्यवस्था की मांग की जो न्याय और समानात पर आधारित हो और जिसमें सभी को भागीदारी का अधिकार हो। जिनपिंग ने कहा, लगभग 24 साल पहले जब इस संगठन की स्थापना हुई थी, तब हमने शंघाई भावना की नींव रखी थी। यह भावना आपसी विश्वास, आपसी लाभ, समानता, सलाह-मशविरा, सभ्यताओं की विविधता का सम्मान और साझा विकास की कोशिशों पर आधारित है। हमने अपनी सीमाओं पर सैन्य विश्वास बढ़ाने की व्यवस्था सबसे पहले की, जिससे हमारी लंबी सीमाएं दोस्ती, विश्वास और सहयोग का सेतु बन गईं। हमने सबसे पहले आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन ताकतों के खिलाफ मिलकर

▶10 पर

भारत जैसे देश को कमतर आंकना, समझदारी नहीं: विशेषज्ञ

बीजिंग, 01 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के भू-राजनीति मामलों के विशेषज्ञ एइनार टैंगन ने कहा कि तियानजिन में पीएम मोदी और शी जिनपिंग की बैठक, अमेरिका के लिए एक कड़ा संदेश है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जैसे देश को कमतर आंकना अमेरिकी की समझदारी नहीं है। यग पूरी तरह साफ हो गया है कि अमेरिका, भारत या अन्य देशों पर धौंस नहीं जमा सकता। ताइहे इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ फेलो एइनार टैंगन ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत को मजबूर करना चाहते थे,

▶10 पर

वायरल हो रही मोदी, पुतिन और जिनपिंग की अंतरंग तस्वीरें

दुनिया ने देखी एक मंच पर एक साथ तीन महाशक्तियां

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। पूरी दुनिया ने एक मंच पर एक साथ तीन महाशक्तियों को बेहद अंतरंग होते हुए देखा। कूटनीतिक जगत के साथ-साथ सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अंतरंग तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। वह तस्वीर भी खूब चर्चा में है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन एक ही कार से रवाना हो रहे हैं। जबकि प्रोटोकॉल के मुताबिक अन्य राष्ट्राध्यक्षों के लिए अलग-अलग कारों की व्यवस्था थी। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने अपने संबंधों के बीच में प्रोटोकॉल की बाधा नहीं आने दी और दुनिया को संदेश भी दे डाला। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जिनपिंग की एक साथ हो रही बातचीत और मोदी एवं पुतिन का गले मिलना

सुर्खियों में है।

समिट में पीएम मोदी, शी जिनपिंग और पुतिन की केमिस्ट्री लोगों का ध्यान खींच रही है। सामने आई तस्वीरों में तीनों को एक-दूसरे के साथ हंस-हंसकर बातें करते हुए देखा जा सकता है। एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन सोमवार को चीन के तियानजिन में शुरू हुआ। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, तियानजिन में बातचीत जारी है। बैठक से पहले पीएम मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जिनपिंग की अंतरंग बातचीत और एक किनारे पर गुमसुम खड़े पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तस्वीरें दुनियाभर में चर्चा में हैं। इन तस्वीरों ने एक ओर अमेरिका के मनमाने टैरिफ के रवैये को आईना दिखाया तो दूसरी ओर दुनिया को बताया कि भारत के पास डोनाल्ड ट्रंप की हर रणनीति का काट है। प्रधानमंत्री मोदी की पुतिन के साथ मित्रता साफ-साफ दिखाई दे रही थी। दोनों ने प्रसन्नता के भाव से गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने पुतिन का अभिवादन करते और उन्हें गले लगाते हुए अपनी दो तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। तीनों ही नेता हसंते और ठहाके लगाते नजर आए। पीएम मोदी ने पुतिन का हाथ पकड़ रखा था और जिनपिंग दोनों से बातें कर रहे थे। इस दौरान तीनों ही नेता ठहाके लगाकर हंसते दिखाई दिए। एससीओ शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र से पहले तीनों राष्ट्र प्रमुखों ने कुछ हल्की-फुल्की टिप्पणियों का भी आदान-प्रदान किया, जिसके बाद वे एससीओ सदस्यों की तस्वीर के लिए मंच की ओर बढ़े। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच यह बातचीत उनकी द्विपक्षीय बैठक से पहले हुई, जो पूर्ण सत्र के बाद होने वाली है।

एक ही कार से रवाना हुए पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन

त्रिमूर्ति की राजनीतिक केमिस्ट्री पर चारों तरफ हो रही चर्चा

▶10 पर

कई राष्ट्राध्यक्षों से मिले पीएम मोदी, अहम मसलों पर चर्चा हुई

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससीओ समिट में आए कई राष्ट्राध्यक्षों से अलग-अलग मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी नेपाल, मालदीव, मिस्र, बेलारूस, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, वियतनाम, म्यांमार, लाओस, तुर्कमेनिस्तान और आर्मेनिया के राष्ट्राध्यक्षों से व्यक्तिगत रूप से मिले और उन सबसे व्यापार से लेकर सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

▶10 पर

ईरान में गृह युद्ध जैसे हालात बने इसके चलते हिजाब कानून ठंडे बस्ते में डाला

तेहरान,01 सितंबर (एजेंसियां) ।

ईरान में हिजाब को लेकर बनाए गए कानून को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। इसकी वजह ये है कि सरकार को लगा कि कहीं कोई हालात बिगड़ न जाएं इसलिए सावधानी बरती जा रही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि उन्होंने देश में सख्त हिजाब कानून लागू किया होता, तो समाज के भीतर एक युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। उन्होंने माना कि यह कानून लागू करना समाज को टकराव की ओर धकेल देता और हालात राष्ट्रीय विवाद में बदल जाते। राष्ट्रपति ने साफ कहा कि हिजाब पर उनका निजी विश्वास है। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार की महिलाएं हिजाब पहनती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जो महिला हिजाब नहीं पहनती, वह बुरी इंसान है।

2022 में महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ईरान भर में भड़के प्रदर्शनों ने हिजाब कानून को लेकर गहरी बहस छेड़ दी थी। लाखों महिलाएं और युवा सड़कों पर उतरे थे। इसी माहौल को देखते हुए 2023 में संसद द्वारा पास किए गए कठोर हिजाब कानून को राष्ट्रपति ने लागू करने से रोक दिया। नए कानून के तहत बिना हिजाब दिखने वाली महिलाओं पर भारी जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान था। इतना ही नहीं, उन दुकानदारों या संस्थानों पर भी कार्रवाई होनी थी जो बिना हिजाब महिलाओं को सेवा देते। लेकिन राष्ट्रपति पेजेश्कियान का मानना है कि इस कानून को लागू करने से समाज में फूट और अशांति और बढ़ जाती।

अपने इंटरव्यू में राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि विरोधी ताकतें, खासकर इजरायल, उम्मीद कर रहे थे कि हिजाब कानून लागू होते ही लोग तीसरे दिन सड़कों पर आ जाएंगे और शासन को गिरा देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और हालात नियंत्रण में रहे। राष्ट्रपति के बयान के बाद ईरान में एक बार फिर महिलाओं की स्वतंत्रता और परंपरा को लेकर बहस तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय जगत भी इस पर नजर गड़ाए हुए है कि क्या ईरान भविष्य में कानून को फिर से लागू करेगा या महिला अधिकारों को प्राथमिकता देगा।

न्यूज ब्रीफ

अटॉर्नी जनरल ने हाई कोर्ट से कहा - बर्खास्तगी की प्रक्रिया 'पूरी तरह अवैध'

नई दिल्ली। इजराइल की अटॉर्नी जनरल गली बहारीव-मियारा ने हाई कोर्ट में दायर याचिकाओं के

जवाब में कहा है कि सरकार द्वारा उन्हें पद से हटाने की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह अवैध है। बहाराव-मियारा ने अपने बयान में कहा, सरकार ने अटॉर्नी जनरल का कार्यकाल समाप्त करने के नियमों में बदलाव किया, और यह बदलाव तब किया जब बर्खास्तगी की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी। यह सिर्फ परिणाम सुनिश्चित करने के लिए किया गया। उनके अनुसार, सरकार ने मौजूदा कानूनी प्रक्रिया को छोड़कर एक नया रास्ता अपनाते हुए एक मंत्रिस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया, ताकि वही समिति बर्खास्तगी की सिफारिश कर सके। हाई कोर्ट इस मामले पर इस सप्ताह के अंत में सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि अदालत ने सरकार के मतदान के तुरंत बाद बहाराव-मियारा की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी थी।

दुनिया की पहली फ्लाइंग कार तैयार मिल चुके है हजारों आर्डर

वाशिंगटन। अमेरिका की स्टार्टअप कंपनी अलेफ ने दुनिया की पहली फ्लाइंग कार तैयार कर ली है,

जिसे लेकर दुनिया भर में उत्साह का माहौल है। कंपनी को लॉन्च से पहले ही हजारों प्री-ऑर्डर मिल चुके हैं। आने वाले वर्षों में यह कार परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह बदल सकती है। कंपनी पिछले एक दशक से इस मिशन पर काम कर रही है। अब उसका पहला लक्ष्य मॉडल जीरो अल्ट्रालाइट लॉन्च करना है। इसके बाद क्रमशः अन्य मॉडल्स पेश किए जाएंगे और अंततः कमर्शियल उपयोग के लिए मॉडल ए को बाजार में उतारा जाएगा। कार की टेस्टिंग के लिए कंपनी ने सिलिकॉन वैली के दो प्रमुख एयरपोर्ट्स हॉलिस्टर और हाफ मून बे से समझौता किया है। यहां इसकी उड़ान की सुरक्षा और क्षमता का परीक्षण किया जाएगा। कंपनी ने पहले एक प्रमोशनल वीडियो जारी किया था, जिसमें इसकी झलक दिखाई गई। अब अल्ट्रालाइट मॉडल को वास्तविक उड़ानों के बीच टेस्ट किया जाएगा ताकि पता लगाया जा सके कि यह हवा में मौजूद अन्य एयरक्राफ्ट्स के साथ कितनी सुरक्षित और प्रभावी तरीके से तालमेल बैठा सकता है। अलेफ की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, मॉडल ए सबसे पहले बाजार में उतारा जाएगा। यह सड़क पर चलने के साथ-साथ हवा में उड़ने की क्षमता रखता है। यह अल्ट्रालाइट श्रेणी में आता है, जिसका अर्थ है कि इसे उड़ाने के लिए किसी विशेष कानूनी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, कुछ शर्तें लागू होंगी जैसे इसे केवल दिन में उड़ाया जा सकता है और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के ऊपर उड़ान की अनुमति नहीं होगी। यह कार पूरी तरह इलेक्ट्रिक होगी और आधुनिक बैटरी तकनीक से लैस होगी। कंपनी का दावा है कि इसकी ड्राइविंग रेंज 320 किलोमीटर और उड़ने की रेंज 177 किलोमीटर होगी। 2022 में इसका प्रोटोटाइप सामने आने के बाद से ही यह चर्चा का विषय बनी हुई है। कंपनी का कहना है कि यह कार पारंपरिक इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करेगी, यहां तक कि टेस्ला से भी।

ऑस्ट्रेलिया में भी भारत के खिलाफ प्रदर्शन, अमेरिका के बाद, ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीयों के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

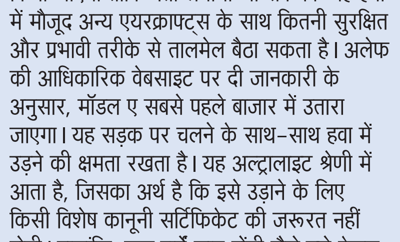

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों के खिलाफ वहां के कट्टर पंथी संगठनों द्वारा हिंसक प्रदर्शन किये जा रहे हैं। जिसके कारण भारतीय समुदाय भयाक्रांत है। यूरोप के देशों में भी अब इसी तरह की घटनाएं देखने को मिलने लगी हैं। जो भारतीय समुदाय के लिए चिंता का कारण बन गई हैं। सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, कैनबरा, एडिलेड, पर्थ और होबार्ट में लगातार भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया नामक समूह द्वारा इमीग्रेशन विरोधी रैलियां आयोजित की जा रही है। इस समूह का कहना है, पिछले 5 साल में जितने भारतीय ऑस्ट्रेलिया में आए हैं। उतने 100 साल में नहीं आए थे। यह प्रदर्शनकारी जगह-जगह पर हिंसक प्रदर्शन करते हैं। मेलबर्न में पिछले दिनों जो हिंसा भडकी थी। पुलिस ने वहां 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेटन का भी इस्तेमाल पुलिस को करना पड़ा था। एडिलेड,ब्रिस्बेन में भी कई बार इसी तरह की झड़पें हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरकार प्रदर्शन और विरोध को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई कर रही है। गृहमंत्री टोनी वर्क ने कहा है समाज को बांटने वालों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। अमेरिका में जिस तरह से कट्टरपंथी समूह हैं। ऑस्ट्रेलिया के कट्टरपंथी समूह भारतीयों के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में माहौल बना रहे हैं।

इमरान के खिलाफ मुनीर ने पार की साजिशों की इंतहा, क्या जेल में रची जा रही एड्स वाली साजिश?

पाकिस्तान,01 सितंबर (एजेंसियां) ।

अड़ियाला जेल ही बीते कई महीनों से इमरान खान के टॉर्चर की अलग अलग खबरें सामने आ रही हैं। वहीं अब उसी जेल में बहुत बड़ी तादाद में एचआईवी कैदियों की खबर ने पूरे पाकिस्तान में सनसनी मचा कर रख दी है।

भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान दुनिया का एकलौता ऐसा देश है, जहां कदम कदम पर साजिशों, फरेब और षड़यंत्रों की फसल उगाई जाती है। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर मुनीर की साजिशों ने तो इंतहा ही पार कर दी। पाकिस्तान की अड़ियाला जेल में बंद हैं। वहीं अड़ियाला जेल में एचआईवी कैदियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। इन बढ़े आंकड़ों ने पाकिस्तान में कोहराम मचा कर रख दिया है। इसके साथ ही ये आशंका भी जाहिर होने लगी है अड़ियाला में एचआईवी की घुसपैठ मुनीर की साजिश का हिस्सा तो नहीं। अड़ियाला जेल ही बीते कई महीनों से इमरान खान के टॉर्चर की अलग अलग खबरें सामने आ रही हैं। वहीं अब उसी जेल में बहुत बड़ी तादाद में एचआईवी कैदियों की खबर ने पूरे पाकिस्तान में सनसनी मचा कर रख दी है।

अड़ियाला में एड्स पीड़ित कैदियों के हालात और खुलासे के बाद एक बार फिर इमरान खान के खिलाफ साजिश की आवाज उठने लगी है। दुनिया जानती है कि इमरान खान के खिलाफ आसिम मुनीर की साजिश किस हद तक जा पहुंची है। यहां तक की जेल में इमरान खान जिन किताबों को पढ़ रहे हैं। उन किताबों का जिक्र करके इमरान खान को मुल्क में आतंकी करार देने की कोशिश तक हो रही है। इमरान खान पर जिस जलाउद्दीन अयूबी को पढ़ने का इल्जाम लगाया जा रहा है। वो एक वक्त तुर्किए का खलीफा हुआ करता था। यहूदियों से बेहद नफरत करता था।

खिलाफत आंदोलन चलाकर उसने आधी दुनिया को फतह किया। साथ ही मस्जिद अल अक्सा को फतह करने के लिए उसने 16 जंगे लड़ी। दावा किया जा रहा है कि मुनर एंड कंपनी अब इमरान खान पर आरोप लगा रही है कि वो आगे जलकर जलाउद्दीन अयूबी की तरह यहूदियों के लिए खतरा पैदा कर देंगे।

अब पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार रावलपिंडी की केंद्रीय जेल, जिसे आमतौर पर अदियाला जेल के नाम से जाना जाता है, में एचआईवी पॉजिटिव मामलों का एक बड़ा प्रकोप सामने आया है, जहाँ 148 कैदी संक्रमित पाए गए हैं – जो अब तक प्रांत की किसी भी जेल में दर्ज की गई सबसे बड़ी संख्या है। इस चिंताजनक स्थिति ने कारागार विभाग और पंजाब एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (पीएसीपी) की गंभीर खामियों को उजागर किया है। अदियाला हाल ही में सुर्खियों में रहा है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भी वहीं कैद हैं। हालाँकि, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि श्री खान को अलग-थलग रखा गया है और उन्हें अन्य कैदियों से मिलने-जुलने की अनुमति नहीं है। इस समय जेल में क्षमता से अधिक कैदी हैं, जहाँ 1,994 कैदियों की अधिकृत क्षमता के मुकाबले 4,337 कैदी बंद हैं।

काजू आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत : रिपोर्ट

वाशिंगटन,01 सितंबर (एजेंसियां) ।

दुनिया में हर पांच में से दो महिलाएं और हर पांच में से एक बच्चा एनीमिया या खून की कमी समस्या से जूझ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका सबसे बड़ा कारण पोषण की कमी और आयरन से रहित खानपान है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हीमोग्लोबिन शरीर में ऑक्सीजन ले जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है। आयरन की कमी होने पर हीमोग्लोबिन घटता है और एनीमिया की स्थिति उत्पन्न होती है। हालांकि, खानपान में कुछ विशेष चीजें शामिल करके इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। काजू आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के अनुसार, काजू में मौजूद आयरन शरीर में आसानी से अवशोषित हो जाता है, जिससे खून बनने की प्रक्रिया बेहतर होती है। रोजाना कुछ मात्रा में काजू का सेवन शरीर को ताकत देने के साथ खून की कमी दूर करता है। गुड़ का उपयोग लंबे समय से एनीमिया की समस्या में किया जा रहा है। इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो न केवल हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाते हैं बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गुड़ का नियमित सेवन भी प्रचलित है और कई शोध इसे लाभकारी बताते हैं। हरी मटर भी खून की कमी से लड़ने में सहायक है। इसमें आयरन और प्रोटीन दोनों की अच्छी मात्रा होती है। साथ ही मटर में मौजूद विटामिन सी आयरन के अवशोषण को और बेहतर करता है। नियमित रूप से हरी मटर का सेवन शरीर की ऊर्जा और ताकत में वृद्धि करता है। काला चना भी आयरन से भरपूर आहार है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने में कारगर माना जाता है। इसके अलावा इसमें फाइबर भी होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, काला चना आरबीसी की संख्या बढ़ाने और खून की कमी को दूर करने में मददगार साबित होता है। अनार को पोषक तत्वों का खजाना कहा जाता है। इसमें आयरन, विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो खून की गुणवत्ता सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। नियमित रूप से अनार या उसका रस पीने से एनीमिया के मरीजों को लाभ मिलता है। बता दें कि एनीमिया या खून की कमी के समय की सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, जो विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्रभावित करती है।

सहकर्मी के आंखें तरेरने से आया पैनिक अटैक, कोर्ट ने नर्स दिखाई 30 लाख की राहत राशि

लंदन। मामला स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग का है। यहां 64 वर्षीय मॉरीन हाउईसन नाम की डेंटल नर्स ने अपने सहकर्मी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। हाउईसन पिछले 40 साल से दंत चिकित्सा के क्षेत्र में काम कर रही थीं। हाउईसन ने बताया कि नई नियुक्त डेंटल थैरेपिस्ट जिसना इकबाल के आने के बाद से माहौल तनावपूर्ण हो गया। इकबाल मूल रूप से भारत से हैं और डेंटिस्ट की पढ़ाई की हुई है। लेकिन यूके में प्रैक्टिस की अनुमति नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने नर्स की पुरानी रिसेप्शन ड्यूटी अपने हाथ में ले ली। हाउईसन का आरोप था कि इकबाल अक्सर उन्हें रूड और डिसरिस्पेक्टफुल तरीके से ट्रीट करती थीं। जब भी वह कुछ बोलतीं, इकबाल आंखें घुमा देतीं और उन्हें नजरअंदाज करतीं। एडिनबर्ग एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल ने इस केस की सुनवाई करते हुए माना कि हाउईसन सच बोल रही हैं और उनके साथ लगातार रूड, आइसोलेटिंग, बुलींग और बिलिटलिंग व्यवहार किया गया। कोर्ट ने कहा कि आंखें घुमाना भी कार्यस्थल पर बुलींग की श्रेणी में आ सकता है और इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर रूप से पड़ता है।

बार-बार आंखें मलना हो सकता है बेहद खतरनाक

वाशिंगटन,01 सितंबर (एजेंसियां) ।

जब हम थकते हैं, नींद से भरे होते हैं या आंखों में जलन और खुजली महसूस करते हैं, तो अक्सर उन्हें मलने लगते हैं। यह आदत उस समय थोड़ी राहत जरूर देती है, लेकिन लंबे समय में आंखों की सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार आंखें मलना कई खतरनाक बीमारियों की वजह बन सकता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिसर्च बताती है कि बिना हाथ धोए आंख मलने से संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दिनभर में हाथों पर बैक्टीरिया जमा होते हैं, जो आंखों तक पहुंच जाते हैं। इससे कंजक्टिवाइटिस, जलन, लालिमा और लगातार पानी आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह आदत आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर देती है। आंखों की सतह यानी कॉर्निया पर भी इस आदत का नकारात्मक असर पड़ता है।

कॉर्निया बेहद नाजुक होती है और बार-बार रगड़ने से उस पर खरोंच या छोटे घाव हो सकते हैं, जिसे 'कॉर्नियल एब्रेशन' कहा जाता है। इससे धुंधला दिखना, तेज दर्द और रोशनी में परेशानी जैसी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। अगर इलाज न मिले तो यह संक्रमण का रूप भी ले सकती है। इसके अलावा, बार-बार आंख मलने से ग्लूकोमा का खतरा भी बढ़ता है। इस बीमारी में आंख की ऑप्टिक नर्व धीरे-धीरे खराब होती जाती है। लगातार दबाव बढ़ने से समय रहते इलाज न होने पर इंसान अपनी रोशनी हमेशा के लिए खो सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं, आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा पर भी बुरा असर पड़ता है।

लगातार रगड़ने से रक्त नलिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे डार्क सर्कल गहरे हो जाते हैं और समय से पहले झुर्रियां दिखने लगती हैं। यह आदत न सिर्फ आंखों की सेहत बल्कि चेहरे की सुंदरता को भी नुकसान पहुंचाती है। जिन लोगों को पहले से चश्मा है या आंखों की कोई दिक्कत है, उनके लिए यह आदत और ज्यादा हानिकारक साबित हो सकती है। कॉर्निया का आकार बिगड़ सकता है और चश्मे का नंबर तेजी से बढ़ सकता है। कई मामलों में यह कराटोकोनस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है, जिसमें कॉर्निया पतला और शंक्वाकार हो जाता है और व्यक्ति को हर चीज धुंधली नजर आने लगती है।

अफगानिस्तान में भूकंप ने मचाई तबाही, 250 से अधिक की मौत, 500 से ज्यादा घायल

काबुल,01 सितंबर (एजेंसियां) ।

बीती रात अफगानिस्तान के कई इलाकों में भीषण भूकंप आया है। इससे कई घरों और भवनों को नुकसान हुआ है। इस मलबे में दबकर 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई जबकि 500 से ज्यादा घायल हुए है। ये शुरुआती आंकड़ा है, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

रिक्टर स्कैल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से केवल 8 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके कारण भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में मलबे में दबे घरों और घायलों को बाहर निकालने की कोशिश करते लोगों की तस्वीरें देखी जा सकती हैं। एक तस्वीर में एक व्यक्ति मलबे के बीच रोते हुए नजर आ रहा है, जो इस दुखद घटना की

गंभीरता को दर्शाता है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि भूकंप का केंद्र कुनर प्रांत के हिंदू कुश क्षेत्र में था, जिसने नूरगल, सूकी, वतपुर, मानोगी और चपे-दरे जैसे दूरदराज के इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्थानीय अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई गांवों तक राहत और बचाव कार्यों की पहुंच अभी तक नहीं हो पाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंदू कुश क्षेत्र का भूकृतिकीय रूप से सक्रिय होना इस तरह की आपदाओं का कारण है जहां यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं। मौजूदा स्थिति में चिकित्सा शिविरों की स्थापना और भोजन-पानी की आपूर्ति की मांग बढ़ गई है, क्योंकि कई परिवार बेघर हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस संकट पर चिंता जताई है और राहत सामग्री भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। संयुक्त राष्ट्र के आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि वे प्रभावित क्षेत्रों का आकलन करने के लिए जल्द ही अपनी टीम भेजेंगे। तालिबान सरकार के पास सीमित संसाधन हैं और वे संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवीय संगठनों से तत्काल मदद की उम्मीद कर रहे हैं। इस भूकंप ने अफगानिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य ढांचे को और चुनौती दी है। पिछले कुछ वर्षों में आए भूकंपों ने पहले भी इस देश को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन 2023 का 6.3 मैग्निट्यूड का भूकंप सबसे घातक माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहायता की मांग

स्थानीय निवासियों का कहना है कि भूकंप के बाद कई झोपड़ियों और पक्के मकानों में दरारें आ गईं, जबकि कुछ पूरी तरह ढह गए। तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और टूटी सड़कों के कारण टीमों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हेलिकॉप्टर और चिकित्सा सहायता मुहैया कराने की अपील की है, क्योंकि कई प्रभावित क्षेत्रों तक सड़क मार्ग से पहुंचना असंभव हो गया है।

राजस्थान में जबरन धर्मांतरण करवाने पर होगी उम्रकैद

विधानसभा में बिल पेश करेगी भाजपा सरकार

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लव जेहाद, जबरन निकाह, जबरन धर्मांतरण और नाबालिग लड़कियों संग अवैध व्यापार जैसे अपराधों में पकड़े जाने पर 20 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा सुनाई जा सकती है। इसके साथ 30 लाख रुपए का जुर्माना भी देना होगा।

राजस्थान सरकार धर्म परिवर्तन के खिलाफ विधानसभा में विधेयक पेश करने जा रही है। इस राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 में जबरन धर्मांतरण करवाने पर उम्रकैद की सजा के प्रावधान हैं। वहीं विधेयक में घर-वापसी को धर्मांतरण नहीं माना गया है।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि यह विधेयक प्रलोभन, बल, कपट या अन्य अनुचित तरीकों से कराए जाने वाले धर्मान्तरण को रोकने के लिए लाया गया है। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी भी दे दी है। अब सरकार विधानसभा सत्र में विधेयक पेश करेगी।

मंत्री ने कहा कि राज्य में अवैध रूप से धर्मान्तरण को रोकने के संबंध में कोई विशिष्ट कानून नहीं थे इसीलिए राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 को पिछले सत्र (फरवरी 2025) में विधानसभा में लाया गया था।

अब कठोर प्रावधान करते हुए विधेयक का नया प्रारूप विधानसभा के आगामी सत्र (सितंबर 2025) में पेश किया जाएगा। विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 के तहत जबरन धर्मांतरण करवाने पर उम्रकैद की सजा होगी। साथ ही 50 लाख रुपए का जुर्माना भी भरना होगा। इसके अलावा भी धर्मांतरण को अपराध की अलग-अलग श्रेणी में सजा का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

इसमें अवैध धर्मांतरण करवाते पकड़े जाने पर 7 से 14 साल तक की सजा और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना देना होगा। नाबालिग, दिव्यांग, महिला, एससी, एसटी वर्ग पर धर्मांतरण का दबाव बनाने पर 10 से 20 साल की सजा और 10 लाख रुपए का जुर्माना होगा। वहीं, सामूहिक धर्मांतरण करवाने पर 20 साल से उम्रकैद तक की सजा हो सकती है और साथ में 25 लाख रुपए तक का जुर्माना भी देना होगा। धर्मांतरण करवाने के लिए फंडिंग के सबूत मिलने पर 10 से 20 साल की सजा और 20 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा।

सरकार ने विधेयक में यह भी प्रावधान रखा है कि अवैध धर्मांतरण में लिप्त संस्था का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही संस्थान को मिलने वाली सरकारी अनुदान भी बंद कर दी जाएगी। जिस संपत्ति पर अवैध धर्मांतरण हुआ है, उसकी जांच कर जब्ती और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी जाएगी। विधेयक में प्रस्तावित कानून में सबूत का भार उस व्यक्ति पर होगा, जिसने धर्मांतरण करवाया है। फरवरी 2025 में पेश किए गए विधेयक में अधिकतम 10 वर्ष की सजा का प्रावधान था, जिसे अब संशोधित कर आजीवन कारावास तक बढ़ा दिया गया है।

राजस्थान में अलग-अलग हथकंडे अपनाकर धर्म परिवर्तन के जाल में हिंदुओं को फंसाया जा रहा है। परंतु अब तक इसके विरुद्ध कानून लागू ना होने पर ये अपराधी खुले में धर्मांतरण का खेल रच रहे हैं। राजस्थान के झुंझुनू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, भरतपुर समेत इलाकों में गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। यहां धर्मांतरण गैंग हिंदू ग्रामीण महिलाओं को प्रार्थना सभाओं में बुलाते हैं। यहां महिलाओं का ब्रेनवॉश किया जाता है। उनके माथे से बिंदी, सिंदूर और गले से मंगलसूत्र हटा दिए जाते हैं। इसकी जगह उनके गले में क्रॉस लटका देते हैं। इन महिलाओं को घर के बाकी सदस्यों का धर्मांतरण करवाने के लिए 8 लाख रुपए तक ऑफर किए जाते हैं।

इस लालच में फंसकर गरीब लोग धर्मांतरण कर रहे हैं। ऐसे लोगों को ईसाई बनाने के नाम पर पैसे, घर, कपड़े और राशन देने का लालच भी दिया जाता है।

बांसवाड़ा के जनजातीय समुदाय के इलाके में ईसाइयों ने लोगों को लालच दिया कि अगर वे 10 लोगों को ईसाई बनवाएंगे तो उन्हें हर महीने वेतन, राशन और कपड़े दिए जाएंगे। इसके अलावा ईसाई बनने पर 1 लाख रुपए भी दिए जाएंगे। राजस्थान सरकार इन्हीं अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए विधेयक को नए संशोधनों के साथ आगामी विधानसभा सत्र में पेश करने जा रही है।

जम्मू कश्मीर के स्कूलों, धर्मशाला और होटलों की होगी ऑडिट

जम्मू, 01 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में सैकड़ों स्कूल, दर्जनों होटलों और धर्मशालाओं की सुरक्षा ऑडिट का निर्देश जारी हुई है। स्कूलों से कहा गया है कि इमारतों का सुरक्षा आडिट हुए बिना कोई बच्चा कक्षाओं में नहीं जाएगा। होटलों और धर्मशालाओं में भी सुरक्षा आडिट के बिना लोगों को प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

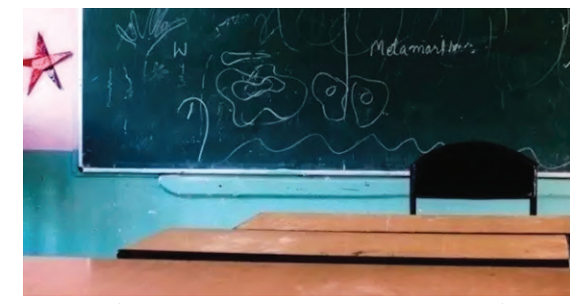

लगातार हो रही भारी वर्षा और भूस्खलन को देखते हुए माता वैष्णो देवी के आधार शिविर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दर्जनों होटल, धर्मशालाएं खाली कराने का आदेश जारी किया गया है। सड़क धंसने की आशंका के साथ ही बाणगंगा मार्ग से जुड़े क्षेत्र में भूस्खलन जारी रहने के चलते प्रशासन ने यह कदम कई सालों के बाद उठाया है। यही नहीं भारी बारिश व जगह-जगह हो रहे भूस्खलन के चलते स्कूलों की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। बारिश के बीच इन स्कूलों में कक्षाएं लगाना बच्चों के लिए खतरा साबित हो सकता है और इसे देखते हुए अब शिक्षा निदेशालय ने जम्मू संभाग के सभी स्कूलों का सुरक्षा ऑडिट करवाने का फैसला किया है।

कटड़ा के एसडीएम पियूष धोत्रा ने यह निर्णय हाल ही में बालिनी पुल और शानी मंदिर (कड़माल) क्षेत्र में बड़े भूस्खलन और सड़क धंसने के मद्देनजर लिया है। इस क्षेत्र में 20 से 30 होटल, धर्मशालाएं, गेस्ट हाउस, 80 से 100 दुकानें और कई प्रशासनिक कार्यालय हैं। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि इन प्रतिष्ठानों को तब तक संचालित नहीं किया जाएगा, जब तक लोक निर्माण विभाग कटड़ा के कार्यकारी अभियंता सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी नहीं करते। याद रहे 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग अर्द्धकुमारी क्षेत्र में भूस्खलन से 34 श्रद्धालुओं की मौत के बाद यात्रा स्थगित है।

जबकि वर्तमान में कटड़ा में लगभग 3000 श्रद्धालु यात्रा बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं। भूस्खलन के कारण रास्ते जगह-जगह अवरुद्ध हैं और ट्रैक की मरम्मत जारी है।

इस बीच शिक्षा निदेशक जम्मू डॉ. नसीम जावेद चौधरी ने संभाग के सभी जिलों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों, स्कूलों के प्रिंसिपल व हेडमास्टर को निर्देश दिए हैं कि वे स्कूलों का सुरक्षा आडिट करवाएं। स्कूलों की इमारतों की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग से संपर्क किया जाए और विभाग से प्रमाणपत्र प्राप्त करें। लोक निर्माण विभाग से मिले प्रमाणपत्र के आधार पर स्कूलों में कक्षाएं लगाई जाएं। अगर किसी स्कूल को लोक निर्माण विभाग असुरक्षित घोषित करता है तो वहां कक्षाएं लगाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इस समय बारिश के चलते कई स्कूलों को ढांचागत नुकसान हुआ है। स्कूलों के भीतर पानी भर चुका है। और लोक निर्माण विभाग की परेशानी यह है कि वह इतने स्कूलों, धर्मशालाओं और होटलों का सुरक्षा आडिट करने के लिए स्टाफ कहां से लाए।

10 माह में 13 लाख निर्धन परिवार शून्य-गरीबी से जुड़े

3 लाख 72 हजार परिवारों को दिया जा रहा अभियान का लाभ

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने महज दस माह में प्रदेश के 13 लाख से अधिक निर्धनतम परिवार को गरीब से मुक्त करने के लिए शून्य गरीबी अभियान के लिए चिन्हित किया है, जो योगी सरकार के गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में एक नई मिसाल बन गई है। इतना ही नहीं सीएम योगी की मंशा के अनुरूप महज दस माह में 3 लाख 72 हजार से अधिक परिवारों को अभियान का लाभ प्रदान किया जा चुका है। योगी सरकार की यह उपलब्धि गरीब कल्याण के संकल्प को दर्शाती है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 अगस्त-24 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में 'शून्य गरीबी अभियान' का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रदेश के ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें गरीबी की रेखा से ऊपर लाना है, जो अब भी बुनियादी जरूरतों और सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं। अभियान के तहत हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवार को चिन्हित करने का लक्ष्य रखा गया था। ऐसे में अभियान के जरिये प्रत्येक चिन्हित परिवार को बहुआयामी सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें रोजगार, आजीविका, आवास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता शामिल है।

शून्य गरीबी अभियान के तहत अगस्त-25 तक प्रदेश में 13,32,634 परिवारों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से 3,72,000 परिवारों को योजना का लाभ भी दिया गया है। अभियान के तहत सबसे अधिक निर्धन परिवारों की पहचान आजमगढ़ में हुई, जहां 42,082 परिवार चिन्हित किए गए। इसके बाद जौनपुर में 39,374 परिवार, सीतापुर में 36,571 परिवार, हरदोई में 30,050 परिवार और प्रयागराज में 28,935 परिवार चिन्हित किए गए। ऐसे में अभियान में निर्धन परिवारों को चिन्हित करने में आजमगढ़ पहले, जौनपुर दूसरे, सीतापुर तीसरे, हरदोई चौथे और प्रयागराज पांचवें स्थान पर है। इन जिलों में चलाए गए विशेष अभियान, पंचायतों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से अधिक से अधिक परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न मंचों से कहा है कि योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन-स्तर सुधारना है। हमारा लक्ष्य केवल गरीबी कम करना नहीं, बल्कि इसे समाप्त करना है। शून्य गरीबी अभियान उत्तर प्रदेश को गरीबी-मुक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

प्राकृतिक से ज्यादा मानव निर्मित हैं जम्मू कश्मीर की आपदाएं

जम्मू, 01 सितंबर (ब्यूरो)। पर्यावरण नीति समूह (ईपीजी) ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और व्यापक तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त की है और इस बात पर जोर दिया है कि ये आपदाएं प्राकृतिक से ज्यादा मानव निर्मित हैं। चिशोती और वैष्णो देवी में जान-माल, कृषि और व्यवसायों को हुए नुकसान पर शोक व्यक्त करते हुए, समूह ने कहा कि घाटी हल्की बारिश में भी खतरनाक रूप से असुरक्षित बनी हुई है, और झेलम नदी पहले ही बाढ़ घोषित क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है।

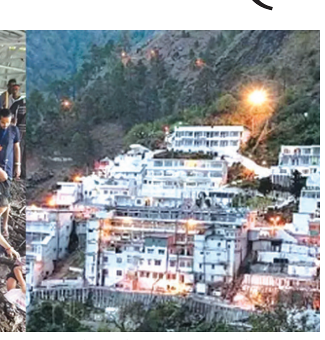

ईपीजी, जो एक दशक से भी ज्यादा समय से बाढ़ के खतरों पर चिंता जताता रहा है, ने याद दिलाया कि 2014 की विनाशकारी बाढ़ ने कश्मीर के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और शासन की विफलताओं को उजागर कर दिया था। बार-बार की चेतावनियों और न्यायिक निर्देशों के बावजूद, समूह ने कहा कि झेलम की जल-धारण क्षमता को बहाल करने या उन वेटलैंडों को पुनर्जीवित करने के लिए बहुत कम किया गया है जो कभी प्राकृतिक बाढ़ अवरोधक के रूप में काम करती थीं। समूह ने 16 सरकारी विभागों को शामिल करते हुए, ईपीजी बनाम भारत संघ और अन्य के मामले में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की है, जिसमें सार्थक सुधारात्मक उपायों का आग्रह किया गया है। इसने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि एक के बाद एक आने वाली सरकारों ने बाढ़ को अस्थायी संकट माना है, जिसमें ड्रेजिंग परियोजनाएं, तटबंधों की मरम्मत और जल निकासी सुधार या तो बीच में ही छोड़ दिए गए या भ्रष्टाचार निर-ोधक ब्यूरो जैसी एजेंसियों के पास लंबित छोड़ दिए गए।

ईपीजी ने कहा कि वर्तमान संकट केवल प्राकृतिक शक्तियों का परिणाम नहीं है, बल्कि दशकों से मानव-जनित क्षरण का परिणाम है। ईपीजी ने इस संकट के प्राथमिक कारणों के रूप में पेड़ों की अवैध कटाई, वेटलैंडों और नदी तटों पर अतिक्रमण और अनियंत्रित शहरीकरण का हवाला दिया। इसने उल्लेख किया कि वुल्लर झील ने गाद जमाव के कारण अपनी बाढ़ अवशोषण क्षमता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा खो दिया है, जबकि होकरसर, शैलबुग, मिरगुंड और नरकारा जैसे वेटलैंड अतिक्रमण और कचरा डंपिंग के कारण लगातार सिकुड़ रही हैं।

समूह ने रेखांकित किया कि सबसे जरूरी कार्य उपग्रह इमेजिंग और तलछट प्रवाह अध्ययनों द्वारा समर्थित झेलम का वैज्ञानिक ड्रेजिंग है।

इसने व्यापक बाढ़ प्रबंधन का आह्वान किया, जिसमें उपेक्षित बाढ़ रिसाव चैनल का पुनरुद्धार, तटबंधों को मजबूत करना, आर्द्रभूमि और झीलों का जीर्णोद्धार और वनरोपण एवं मृदा संरक्षण के माध्यम से जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन शामिल है। समूह ने चेतावनी दी कि बाढ़ की याद तभी आती है जब पानी बढ़ जाता है। बारिश बीत जाने के बाद, इसकी गंभीरता गायब हो जाती है। अगर कश्मीर को एक और आपदा से बचाना है, तो लापरवाही का यह चक्र खत्म होना चाहिए।

ईपीजी ने सरकार से बाढ़ पुनर्प्राप्ति और रोकथाम विजन योजना में तेजी लाने, लंबित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी देने और जवाबदेही के लिए आर्द्रभूमि और नदी प्रणालियों की उपग्रह-आधारित निगरानी को संस्थागत बनाने का आग्रह किया। इसने जोर देकर कहा कि बाढ़ प्रबंधन को प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताओं के समकक्ष रखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका जीवन, आजीविका और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था से सीधा संबंध है। समूह ने चेतावनी देते हुए कहा कि घाटी एक और 2014 का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि झेलम बेसिन की सुरक्षा और आर्द्रभूमि को पुनर्जीवित करना न केवल एक पर्यावरणीय दायित्व है, बल्कि कश्मीर के लिए एक अस्तित्वगत आवश्यकता भी है।

संस्कार फ्यूज़न : परोपकार महोत्सव के तीसरे और चौथे दिन भव्य आयोजन

श्रद्धा, भक्ति और संस्कारों का संगम : अभय दान आयुष दान और महागणपति होमम की तैयारियां

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संस्कार फ्यूज़न के परोपकार महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न पंडालों में अभय दान और आयुष दान के अंतर्गत भव्य आयोजन संपन्न हुए। इस अवसर पर 80,000 से अधिक बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ, जिसमें स्कूलों, वेद पाठशालाओं, कॉलेजों और अपार्टमेंट पंडालों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो उठा, और समाज के लोगों ने आशीर्वाद और ज्ञान से भरे संदेशों को आत्मसात किया।

इस आयोजन ने न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया, बल्कि समाज में सकारात्मकता और एकता का संदेश भी प्रसारित किया।

आयोजन के दौरान संस्था के प्रमुख सहयोगियों-रोहन जी अग्रवाल (अर्बन सीटिंग), जिनेंद्र जी बोहरा (एक्वा टेक), और अभिषेक जी अग्रवाल (येति) का विशेष सम्मान किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए, जिससे उनके उत्साह और समर्पण को और बल मिला।

संस्कार फ्यूज़न के अध्यक्ष भारत चंदा ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा: हमारा उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कार और सकारात्मक सोच का दीप जलाना है। जब युवा पीढ़ी भक्ति, ज्ञान और परोपकार से जुड़ेगी, तो आने वाला कल और अधिक उज्ज्वल, सशक्त और संस्कारित बनेगा। उनके इस कथन ने आयोजन के लक्ष्य को और स्पष्ट किया, जिसमें युवा शक्ति को संस्कारों के साथ जोड़ने का संकल्प झलकता है।

संस्कार फ्यूज़न के उपाध्यक्ष निखिल बहेती ने क्लासिक गार्डन में आयोजित होने वाले महागणपति होमम और 1008 लड्डू वितरण की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियाँ सौंपी, जिससे आयोजन की भव्यता को और बढ़ावा मिलेगा। इस आयोजन की तैयारियों ने सभी सदस्यों में उत्साह का संचार किया।

संस्था के कोषाध्यक्ष पूजन अग्रवाल ने कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी सदस्यों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे: राकेश व्यास, नितिन लखोटिया, राजेश थानवी, धनराज थानवी, विनोद राठी,नवीन चांडक, बबीता फ्लोरे, हितेश अग्रवाल, अर्जुन थानवी, अदेश बोहरा,करण काला, अनिल व्यास, आनंद बोहरा, सचिन जी उपस्थित थे।इन सभी की उपस्थिति ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

इस भव्य आयोजन ने समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया। संस्कार फ्यूज़न आज परोपकार, संस्कार और सामाजिक एकता की बुलंद आवाज़ बन चुका है। यह मंच न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देता है, बल्कि युवा पीढ़ी को समाज सेवा और सकारात्मकता के लिए प्रेरित करता है।युवा शक्ति के संग, संस्कारों की गूंज हर कोने तक!

बिहार विधानसभा चुनाव: पीएम मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया में देंगे सौगात

सीमांचल की 30 सीटों पर एनडीए की नजर

पूर्णिया , 01 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सीमांचल को सौगात देने 15 सितंबर को पूर्णिया आ रहे हैं। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस दौरान पीएम जनसभा को भी संबोधित करेंगे। एनएच 57 स्थित कसबा गुलाब बाग रोड के पास शीशा बाड़ी में सीमा सुरक्षा बल के कैंप स्थित मैदान का पीएम की सभा के लिए चयन किया गया है। पहले शहर के बीचों बीच रंगभूमि मैदान में सभा होनी थी। पूर्णिया दौरे पर प्रधानमंत्री पूर्णिया एयरपोर्ट समेत कई योजनाओं की सौगात देंगे।

इसके मद्देनजर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने सभास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर डीएम भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार, जिलाधिकारी अंशुल कुमार सहित तमाम प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद थे। नेपाल के बॉर्डर इलाका को देखते हुए पीएम की सभा को लेकर सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लाखों लोगों के जनसभा में पहुंचने की उम्मीद है।

इस यात्रा के जरिये एनडीए वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है। कटिहार,पूर्णिया,अररिया और किशनगंज में कुल तीस सीटों पर एनडीए की नजर है। विशेषकर अल्पसंख्यक मतदाताओं को अपनी ओर मोड़ने की हर संभव कोशिश की जा रही है। प्रत्याशी की हार जीत के अंतर में मुस्लिम वोटरों की अहम भूमिका है।

पूर्णिया जिले में कुल सात विधानसभा सीटें हैं जिसमें तीन पर एनडीए का कब्जा जबकि दो सीटें महागठबंधन के पास है। अन्य दो सीटों में रूपौली विधानसभा में निर्दलीय शंकर सिंह और अमौर सीट पर एआईएमआईएम अख्तरुल इमान ने कब्जा कर रखा है। एनडीए इस बार सातों सीटों पर जीतने की जद्दोजहद कर रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री की पूर्णिया में प्रस्तावित जनसभा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां से पीएम कोसी सीमांचल दोनों प्रमंडल के वोटरों को रिझाने का पूरा प्रयास करेंगे।

शाहरुख ने रानी मुखर्जी ने मिलकर बांटी खुशी, किंग खान बोले

अधूरी ख्वाहिश हुई पूरी

अभिनेता शाहरुख खान और रानी मुखर्जी को इस साल घोषित किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला था। सोमवार को दोनों ने मिलकर इसका जश्न मनाया।

इसका एक वीडियो शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में दोनों को साथ देख आपको 90 के दशक की याद आ जाएगी जब दोनों साथ काम किया करते थे। रानी और शाहरुख ने 'चलते-चलते', 'कुछ-कुछ होता है', 'वीर जारा' और 'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित दोनों कलाकारों ने शाहरुख के बेटे आर्यन खान की आगामी डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के मशहूर गाने 'तू पहली तू आ-खिरी' पर एक शानदार रील बनाई है।

वीडियो के अंत में शाहरुख और रानी मुखर्जी ने रोमांटिक पोज भी दिया है। इसमें गाने की स्टारकास्ट की झलक भी दिखती है। इसे शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा, राष्ट्रीय पुरस्कार पाने की हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी, आप सचमुच में एक रानी हैं, मैं हमेशा आपको प्यार करता रहूंगा।

आपको बता दें कि इस साल 1 अगस्त को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान हुआ था। इनमें शाहरुख को फिल्म 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म में नयनतारा, दीपिका पादुकोण और विजय सेतुपति भी थे।

वहीं रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था।

आर्यन खान की सीरीज का गाना 'तू पहली तू आखिरी' लोगों को पसंद आ रहा है। इस गाने का संगीत शाश्वत सचदेव ने दिया है। इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने इसे अपनी आवाज दी है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बंबा, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुयाल, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार हैं। यह 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें सलमान खान सहित कई बॉलीवुड स्टार्स का कैमियो भी है। सीरीज में फिल्म

सोहा अली खान ने फिटनेस पर दिया जोर साझा किया पुल-अप्स का सफर

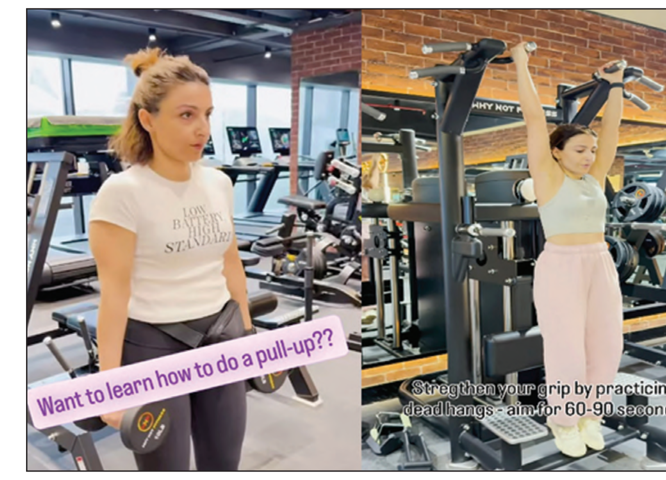

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फिटनेस के प्रति अपने जुनून को साझा किया और पुल-अप्स जैसी मुश्किल एक्सरसाइज को आसान बनाने का तरीका बताया।

सोहा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में वॉर्म-अप, लैट पुल-डाउन और अन्य व्यायाम करती नजर आईं। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, पुल-अप्स बहुत मुश्किल होते हैं! मैं लंबे समय से कोशिश कर रही थी, लेकिन नहीं कर पाती थी। यह सबसे कठिन, लेकिन सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। उन्होंने बताया कि पुल-अप्स पीठ, बाजू, कंधे और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। सोहा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया से इस एक्सरसाइज को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने प्रशंसकों को चार आसान स्टेप्स बताए। पहला, मांसपेशियों को वॉर्म-अप करें, जैसे कंधे, कलाई और पीठ को हल्की एक्सरसाइज से तैयार करें। इसमें आर्म सर्कल्स और स्कैपुलर पुल-अप्स शामिल हैं। दूसरा, जरूरी मांसपेशियों को मजबूत करें, जैसे लैट पुल-डाउन, डंबेल बाइसेप कर्ल्स और प्लैंक। तीसरा, असिस्टेड पुल-अप्स करें, जिसमें वेट्स या रेजिस्टेंस बैंड्स का इस्तेमाल हो। आखिर में, धीरे-धीरे फुल पुल-अप्स की प्रैक्टिस करें।

सोहा आगे कहती हैं, चौथा, फुल पुल-अप्स पर जाएं। बात ये है कि फिटनेस एक बहुत पर्सनल जर्नी है, तो हर स्टेप को सेलिब्रेट करें-पहले हैंग से लेकर पहला बिना मदद का रैप तक। मैं यहां अपना पहला बिना मदद का रैप सेलिब्रेट कर रही हूं; मेरा गोल 8 रैप्स का है और फिर शायद कुछ वेट ऐड करना भी है? अभिनेत्री का यह पोस्ट प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने वाला है। लोग उन्हें रियल मोटिवेटर बता रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने हाल ही में अपना पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' शुरू किया है, जो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसमें अचीवर्स की जर्नी शेयर की गई है।

सई मांजरेकर ने गणेशोत्सव से जुड़ी मीठी याद की साझा, बताया कैसे मंजीरे के लिए छिड़ती थी घर में जंग

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की धूम है। बॉलीवुड इंडस्ट्री के फैंस की नजर उन सितारों पर होती है जो अपने घर बप्पा को बड़े मान के साथ लाते हैं। किस्से और कहानियां भी खूब मन से सुने और कहे जाते हैं। बप्पा को लेकर अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा सुनाया। सई ने सलमान खान की दबंग-3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वो मशहूर फिल्म निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर की बेटी हैं।

उन्होंने बचपन की प्यारी सी कहानी बताई। कहा, गणेशोत्सव से जुड़ी बहुत सारी यादें हैं। हमारे घर में 'मंजीरे' थे, मराठी में इसे 'जंजे' कहते हैं। इसे आरती के दौरान बजाया जाता है। हम 8-9 भाई-बहन थे, लेकिन मंजीरे सिर्फ 5 थे, इसलिए हम हमेशा उनके लिए लड़ते थे। और जिन तीन को यह नहीं मिलता था, उन्हें ताली बजानी पड़ती थी। इसलिए हम खूब लड़ते थे।

सई मांजरेकर ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मैं साल में सबसे अधिक गणेश चतुर्थी के 10 दिनों के लिए उत्साहित रहती हूं, क्योंकि मेरा पूरा परिवार आता है। घर में हमेशा लोग होते हैं। हम हंसते हैं, खेलते हैं, और स्वादिष्ट भोजन बनाते हैं। आरती के समय, हम खूब मस्ती करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि बचपन से लेकर अब तक गणेश चतुर्थी की सारी यादें मुझे बहुत पसंद हैं।

सई मांजरेकर ने इससे पहले एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था। साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे।

अभिनेत्री हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थीं। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं। अभी एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है।

तारा सुतारिया पर छाया उत्सव का खुमार, साड़ी में दिखीं तो वीर पहाड़िया ने पेश किया दिल

छोटे पर्दे से मनोरंजन जगत में कदम रखने वाली स्टार तारा सुतारिया ने शनिवार को कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें से चार में वो अकेली हैं, तो पांचवीं में उनके साथ वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। ये दोनों के रिश्ते पर मुहर लगाती हैं, जिनकी चर्चा फिजाओं में महीनों से थी।

दरअसल, इन तस्वीरों में चार चांद वो शब्द लगा रहे हैं जो तारा ने लिखे हैं। उन्होंने बेहद सामान्य भाषा में लिखा है- भक्ति, विश्वास और उत्सव...गणपति बप्पा मोरया।तस्वीरों की पूरी शृंखला बेहद आकर्षक है। पहली चार में तो छोटी बिंदी और साड़ी पहने अभिनेत्री दिख रही हैं, लेकिन पांचवीं में उनके साथ खास दोस्त वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। वो भी ट्रेडिशनल वियर में हैं।

तारा की यह पोस्ट प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रही है। वे इसमें कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये लड़की अपनी लुक्स से कभी निराश नहीं करती, तो दूसरे यूजर ने लिखा, सुंदरी, एक और यूजर ने लिखा, कोई भी आपसे ज्यादा सुंदर नहीं है।

वीर भी खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पाए और उन्होंने लाल दिल पेश कर दिया। इसके साथ ही इविल आई इमोजी भी पोस्ट किया, जिसका मतलब साफ है कि वो नहीं चाहते कि उनकी जोड़ी को किसी की बुरी नजर लगे। फैंस इस जोड़े की बलाएं लेते दिख रहे हैं। कुछ ने लिखा, 'पांचवीं तस्वीर में सब कुछ है।' तो किसी ने लिखा, 'तारा और वीर'। अभिनेत्री ने गायिका और टेलीविजन कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। वह साल 2010 में डिज्नी चैनल के शो 'बिग बडा बूम' में नजर आईं थी। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' (2019) से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा, जिसके लिए फिल्मफेयर ने उन्हें बेस्ट डेब्युटेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्होंने 'मरजावां', 'तड़प', 'हीरोपंती 2', और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है और 'अपूर्वा' (2023) में टाइटल रोल अदा किया।

जुनून, जज्बे और महिला सशक्तिकरण की मिसाल 'सुनिधि चौहान'

सुनिधि चौहान भारत की बेहतरीन गायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने कई भारतीय भाषाओं में गाने गाए हैं। पार्टी नंबर हो या रोमांटिक ट्रैक, उनकी आवाज हर जॉनर में बेमिसाल है।

उनके कुछ यादगार गाने हैं 'कमली', 'मेरे हाथ में तेरा हाथ हो', 'बुमरो', 'ए वतन', 'इश्क सूफियाना', आदि। 14 अगस्त 1983 को जन्मी सुनिधि गायकी के क्षेत्र में अपने शानदार योगदान के लिए 3 फिल्मफेयर अवॉर्ड और एक साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड सहित कई सम्मान हासिल कर चुकी हैं। कम उम्र से ही संगीत की दुनिया में कदम रखने वाली सुनिधि, आज प्लेबैक से लेकर लाइव शो तक अपनी अनूठी पहचान बना चुकी हैं। मंच पर उनका आत्मविश्वास और ऊर्जा वर्ल्ड फेमस पॉप सिंगर्स को टक्कर देता है।वो बहुत ही सशक्त महिला हैं और चाहती हैं कि दूसरी महिलाएं भी उतनी ही सशक्त बनें। उनके अब तक के सफर पर नजर डालें तो ये साफ दिखता है।कॉस्मोपॉलिटन को दिए एक इंटरव्यू में सुनिधि ने अपने जीवन के बारे में खुलकर बात की थी।इतनी उम्र में भी लाइव परफॉर्मेंस करने पर सुनिधि चौहान ने कहा था कि ''अब वो इसकी आदी हो गई हैं। ये चैलेंज उन्होंने खुद ही विदेशी कलाकारों को देखकर लिया था।''सुनिधि कहती हैं, ''लाइव शो में अब मैं 'कैप्टन ऑफ द शिप' हूं, सब मेरे कंट्रोल में है। यह जिम्मेदारी भी है और रोमांच भी।''सुनिधि को महिलाओं की क्षमता पर विश्वास है। इस पर उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा था कि महिलाएं सब कुछ कर सकती हैं।सुनिधि ने कहा था कि अगर महिलाएं तय कर लें कि वो क्या चाहती हैं तो कुछ भी असंभव नहीं। बस समय के साथ चलें, सब आसान हो जाएगा।सुनिधि एक बच्चे की मां भी हैं। उन्होंने अपने मातृत्व के अनुभव के बारे में भी फैंस को बताया था। उन्होंने कहा था, मातृत्व सिखाता है कि आप में कितना प्यार है और आप जीवन से कैसे निपट सकते हैं। यह धैर्य, जिम्मेदारी और अच्छे पलों का आनंद लेना सिखाता है।इस अनुभव को उन्होंने जीवन का सबसे अच्छा अनुभव बताया था। सुनिधि का कहना है कि वो वर्तमान में जीती हैं और हर पल को महसूस करने में विश्वास करती हैं। गाना उनके लिए कभी काम नहीं रहा, ये उनके लिए एक जुनून है। उनकी लाइव परफॉर्मेंस को देखकर इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आज बाबा रामदेव की दशमी

खम्मा-खम्मा हो म्हारा रुणिचै रा धनियां...!!

रा जस्थान में अनेक ऐसे महापुरूष हुए जिन्होंने मानव देह धारण कर अपने कर्म और तप से यहां के लोक जीवन को आलोकित किया। उनके चरित्र, कर्म और वचनबद्धता से उन्हें जनमानस में लोकदेवता की पदवी मिली और वे जनजन में पूजे जाने लगे। ऐसे ही लोकदेवताओं में बाबा रामदेव जिनका प्रमुख मंदिर जैसलमेर जिले के रामदेवरा में है, सद्भावना की जीती जागती मिसाल हैं। हिन्दू समाज में वे बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि बाबा रामदेव को कृष्ण भगवान का अवतार माना जाता है। उनकी अवतरण तिथि भाद्र माह के शुक्ल पक्ष दितीय को रामदेवरा मेला 25अगस्त से शुरू होता है। यह मेला एक महीने से अधिक चलता है। वैसे बहुत से श्रद्धालु भाद्र माह की दशमी यानी 2 सितंबर को रामदेव जयंती पर रामदेवरा अवश्य पहुँचना चाहते हैं। म्हारो हेलो सुनो जी रामा पीर.., घणी-घणी खम्मा बाबा रामदेव जी नै..., पिछम धरां स्यूं म्हारा पीर जी पधारिया..., घर अजमल अवतार लियो, खम्मा-खम्मा हो म्हारा रुणिचै रा धनियां ...जैसे भजनों पर झूमते-नाचते हुए श्रद्धालु रामदेवरा पहुचते है। राजस्थान में पोकरण से क़रीब 12 किलोमीटर दूर रामदेवरा में मध्यकालीन लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन करने आते हैं।

वर्ष में दो बार रामदेवरा में भव्य मेलों का आयोजन किया जाता है। शुक्ल पक्ष में तथा भादवा और माघ

हिन्दू समाज में बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय

में दूज से लेकर दशमीं तक मेला भरता है। भादवा के महिने में राजस्थान के किसी सड़क मार्ग पर निकल जायें, सफेद रंग की या पचरंगी ध्वजा को हाथ में लेकर सैंकड़ों जत्थे रामदेवरा की ओर जाते नजर आते हैं। इन जत्थों में सभी आयु वर्ग के नौजवान, बुजुर्ग, स्त्रीपुरूष और बच्चे पूरे उत्साह से बिना थके अनवरत चलते रहते हैं। बाबा रामदेव के जयकारे गुंजायमान करते हुए यह जत्थे मीलों लम्बी यात्रा कर बाबा के दरबार में हाजरी लगाते हैं। साथ लेकर गये ध्वजाओं को मुख्य मंदिर में चढ़ा देते हैं। भादवा के मेले में महाप्रसाद बनाया जाता है। यात्री भोजन भी करते हैं और चन्दा भी चढ़ाते हैं। यहां आने वालों के लिए बड़ी संख्या में धर्मशालाएं और विश्राम स्थल बनाये गये हैं। सरकार की ओर से मेले में व्यापक प्रबंध किये जाते है। रात्रि को जागरणों के दौरान रामदेवजी के भोपे रामदेवजी की थांवला एवं फड़ बांचते हैं।

सांप्रदायिक सदभाव के प्रतीक माने जाने वाले लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन के लिए विभिन्न धर्मों को मानने वाले, ख़ास तौर पर आदिवासी श्रद्धालु देश भर से इस सालाना मेले में आते हैं। मेले के दौरान बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए चार से पांच किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं और जिला प्रशासन के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठन दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए निःस्वार्थ भोजन, पानी और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं। लोकदेवता बाबा रामदेव जी

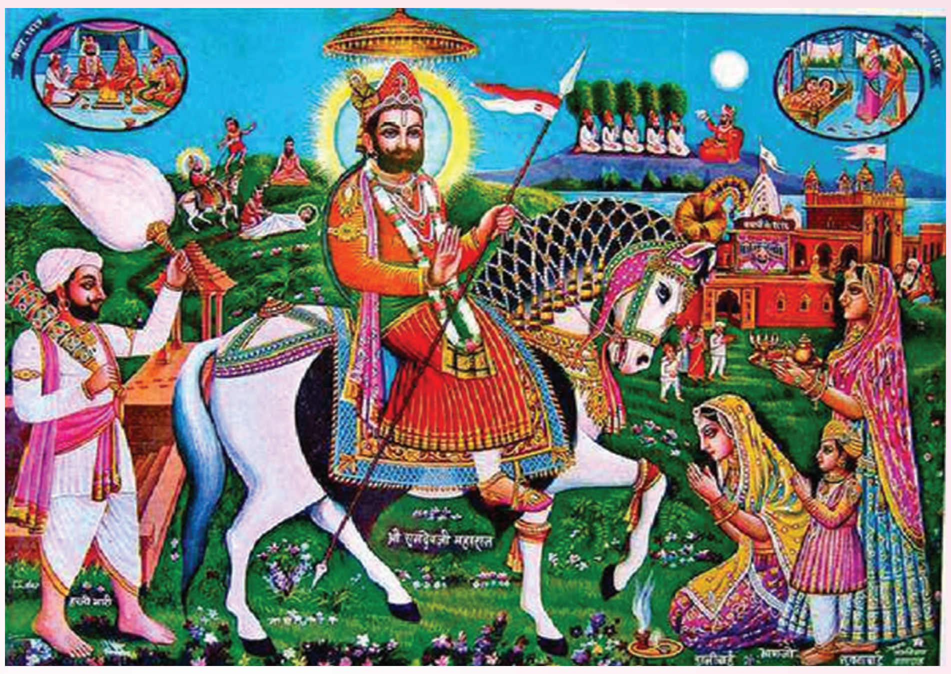

के मेले में देश के कोने कोने से लाखों श्रद्धालु सर्वप्रथम जोधपुर में मसूरिया पहाड़ी पर स्थित बाबा रामदेव जी के गुरु बाबा बालीनाथ जी की समाधि के दर्शन के बाद रूणिचा धाम बाबा रामदेव जी के दर्शन करने के लिए पैदलयात्रा के साथ साथ विभिन्न साधनों का प्रयोग करके बाबा रामदेव जी के प्रति अटूट श्रद्धा और आस्था का परिचय दे रहे हैं। इन श्रद्धालुओं के स्वागत व मान मनुहार और पैदल यात्रियों की सेवा के लिए जोधपुर में अनेकों सेवा शिविर आयोजित किए जाते हैं। लेकिन कोरोना महामारी के चलते मेला नहीं लगेगा।

श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार व्यक्तिगत, सामुदायिक, सामूहिक और संघीय समितियों के बेनर तले लगाये जाने वाले इन विभिन्न शिविरों में जातरूओं के लिए चाय, दूध, कॉफी, जूस, बिस्किट, फल, नाश्ता से लेकर पूर्ण भोजन की व्यवस्था के साथ साथ पैदल यात्रियों के पांवों में पड़े छालों पर मरहम पट्टी बांधकर, मालिश करके उनके विश्राम, नहाने धोने व नित्य कर्म करने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। कई शिविरों में बड़े अनुशासित ढंग से स्वच्छता और सुचिता के साथ उच्च कोटि की सुविधाओं से जातरुओं की सेवा की जाती है। एक और मान्यता है कि अगर कोई व्यक्ति ईश्वर के दर्शन करने के लिए यात्रा करने जाता है तो उसकी यात्रा को सुगम बनाने में अगर आप सहयोग देते हैं तो आपको भी ईश्वर के साक्षात दर्शन करने का पुण्य लाभ मिलता है। रुणिचा में बाबा ने जिस स्थान पर समाधि ली, उस स्थान पर बीकानेर के राजा गंगासिंह ने भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। इस मंदिर में बाबा की समाधि के अलावा उनके परिवार वालों की समाधियां भी स्थित हैं। मंदिर परिसर में बाबा की मुंहबोली बहन डाली बाई की समाधि, डालीबाई का कंगन एवं राम झरोखा भी स्थित हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बाबा रामदेव जी की जन्मकथा

राजा अजमल जी द्वारिकानाथ के परमभक्त होते हुए भी उनको दुःख था उनके कोई पुत्र नहीं था। दूसरा दुःख था कि उनके ही राज्य में पड़ने वाले पोकरण से 3 मील उत्तर दिशा में भैरव राक्षस ने परेशान कर रखा था।

राजा अजमल जी पुत्र प्राप्ति के लिये दान पुण्य करते, साधू सन्तों को भोजन कराते, यज्ञ कराते, नित्य ही द्वारिकानाथ की पूजा करते थे। भैरव राक्षस को मारने का उपाय सोचते हुए राजा अजमल जी द्वारका जी पहुंचे। जहां अजमल जी को भगवान के साक्षात दर्शन हुए, राजा के आखों में आंसू देखकर भगवान में अपने पिताम्बर से आंसू पोछकर कहा, हे भक्तराज रो मत मैं तुम्हारा सारा दुःख जानता हूँ। मैं तेरी भक्ति देखकर बहुत प्रसन्न हूँ।

भगवान की असीम कृपा प्राप्त कर राजा अजमल जी बोले हे प्रभु अगर आप मेरी भक्ति से प्रसन्न हैं तो मुझे आपके समान पुत्र चाहिये, आपको मेरे घर पुत्र बनकर आना पड़ेगा और राक्षस को मारकर धर्म की स्थापना करनी पड़ेगी।

भगवान श्रीकृष्ण ने इस पर उन्हें आश्वस्त किया कि वे स्वयं उनके घर अवतार लेंगे। बाबा रामदेव के रूप में जन्मे श्रीकृष्ण संवत् 1409 में भाद्र मास की दूज को पालने में खेलते अवतरित हुए और अपने चमत्कारों से लोगों की आस्था का केंद्र बनते गए। इसीलिए बाबा रामदेव को कृष्ण (द्वारिकानाथ) का अवतार माना जाता है।

बाबा रामदेव जी की परचा (चमत्कार)

बाबा रामदेव के पिता और राजा अजमलजी को द्वारकाद्धीश श्रीकृष्ण ने ये वरदान दिया था कि वो स्वंय उनके घर अवतरित होंगे। उन्होंने बचपन में ही अपनी लीलाएं दिखानी शुरू कर दीं। माता के आंचल से दूध खुद ही उनके मुहं में चला जाता था। पांच साल की उम्र में उन्होंने लकड़ी और कपड़े का घोड़ा आकाश में उड़ाया और आदू राक्षस को मार गिराया। बाद में भैरव राक्षस का भी वध किया। बोहिता राजसेठ की नाव को समुद्र के तूफान से निकालकर किनारे लगाया। स्वारकीया सखा को सांप ने डस लिया और वह मर गया, तब रामदेव जी ने उसका नाम पुकारा और वो जिंदा हो गया। पीर रामदेव ने अंधों को आंखें दी, कोढियों का कोढ़ ठीक किया, लंगड़ों को चलाया। बाद में उन्होंने पोखरण राज्य अपनी बहन को दहेज में दे दिया और रूणिचा के राजा बने।

रामापीर बनने का रहस्य

बाबा रामदेवजी के चमत्कार की परीक्षा लेने मुल्तान से 5 पीर रुणिचा पहुंचे। इस दौरान रामदेवजी ने पीरों का जोरदार आवभगत की और 'अतिथि देवो भव:' की भावना से उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया। जब भोजन कराने के लिए बाबा ने पीरों के लिए जाजम लगाई तो पीरों ने कहा कि वे केवल अपने स्वयं के बर्तनों में ही भोजन करते हैं। दूसरों के बर्तनों में भोजन नहीं करते हैं यह उनका प्रण है। लेकिन सारे बर्तन मुल्तान में छोड़ आए हैं। आप यदि मुल्तान से वे कटोरे मंगवा सकते हैं तो मंगवा दीजिए, वर्ना हम आपके यहां भोजन नहीं कर सकते।

तब बाबा रामदेव ने उन्हें विनयपूर्वक कहा कि उनका भी प्रण है कि घर आए अतिथि को बिना भोजन कराए नहीं जाने देते। यदि आप अपने बर्तनों में ही खाना चाहते हैं तो ऐसा ही होगा। इस पर रामदेवजी ने अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए उनके बर्तनों को उनके सामने रखकर चमत्कार कर दिया। इस चमत्कार (परचा) से वे पीर सकते में रह गए। तब उन पीरों ने कहा कि आप तो पीरों के पीर हैं। इसे देखकर पांचों पीरों ने उन्हें दुनिया में रामशापीर, रामापीर, रामपुरी, हिंदवपीर के नाम से पहचाने जाने का आशिर्वाद दिया। इस तरह से पीरों ने भोजन किया और श्रीरामदेवजी को 'पीर' की पदवी मिली और रामदेवजी, रामापीर कहलाए।

समाधि के अंतिम वक़्त रामापीर ने दिया था ये उपदेश

श्रद्धालुओं में मान्यता है कि भाद्रपद शुक्ल दशमी को बाबा रामदेव ने जीवित समाधि ली थी। बताया जाता है कि रामदेव जी ने अपने हाथ से श्रीफल लेकर सब बड़े बुजुर्गों को प्रणाम किया और श्रद्धा से अन्तिम पूजन किया था। साथ ही रामदेव जी ने समाधी में खड़े होकर अन्तिम उपदेश देते हुए कहा कि प्रति माह की शुक्ल पक्ष की दूज को पूजा पाठ, भजन कीर्तन करके पर्वोत्सव मनाना, रात्रि जागरण करना। बाबा ने जाते-जाते अपने ग्रामीणों को कहा कि इस युग में न तो कोई ऊँचा हैं, और न ही कोई नीचा, सभी जन एक समान हैं। सभी को एक समान ही समझना और उनमे किसी भी प्रकार का भेद न करना। मेरे जन्मोत्सव पर समाधि स्थल पर मेला लगेगा। मेरे समाधि पूजन में भ्रान्ति व भेद भाव मत रखना। मैं सदैव अपने भक्तों के साथ रहुंगा।

तकदीर बदलने वाला गुप्त और विलक्षण महापर्व सुरैया

16 दिनों की साधना से चमक सकती है किस्मत

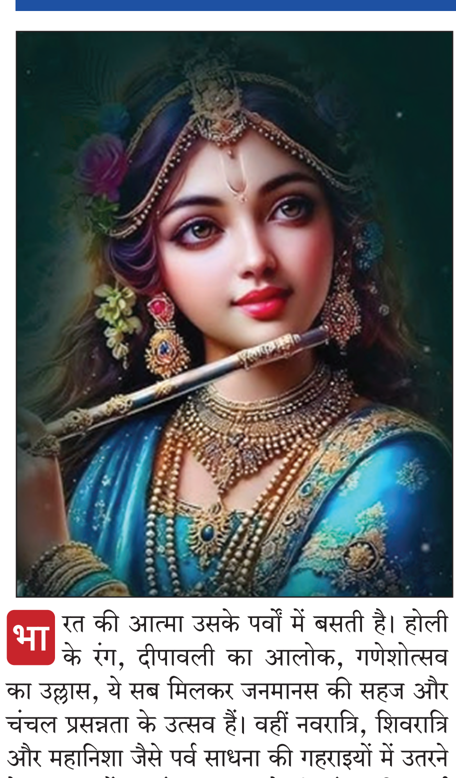

भा रत की आत्मा उसके पर्वों में बसती है। होली के रंग, दीपावली का आलोक, गणेशोत्सव का उल्लास, ये सब मिलकर जनमानस की सहज और चंचल प्रसन्नता के उत्सव हैं। वहीं नवरात्रि, शिवरात्रि और महानिशा जैसे पर्व साधना की गहराइयों में उतरने के अवसर हैं, जहाँ मनुष्य अपने ही अंतर की ऊर्जा से आमने-सामने होता है। परंतु इस भूमि की थाती में कुछ ऐसे महापर्व भी छिपे हैं, जो समय के साथ जनजीवन से ओझल हो गए। कभी वे उतने ही प्रचलित थे जितने आज के पर्व हैं, पर अब वे साधकों और सिद्धों की गुप्त परंपरा में जीवित हैं। इन्हीं में से एक है, आज से आरम्भ होने वाला सोहरैया या सुरैया महापर्व, उत्तर और पूर्व भारत का एक विलक्षण पर्व, जिसे लोक में कम और साधना-पथिकों में अधिक आदर मिला।

सोहरैया/सुरैया महापर्व का काल और रहस्य

भाद्रपद शुक्ल अष्टमी, जिसे राधाअष्टमी कहते हैं, से लेकर कृष्णपक्ष अष्टमी तक का सोलह दिवस का काल सोहरैया/सुरैया कहलाता है। सुरैयाअर्थात् वह कालखंड जो जीवन को सुर में ढाल दे, आत्मा को उसके मूल संगीत से जोड़ दे। किंवदंतियाँ कहती हैं कि इस महापर्व की साधना राम, परशुराम, दुर्वासा, विश्वामित्र, बुद्ध, महावीर और आचार्य चाणक्य जैसे महापुरुषों ने की थी। उस समय उत्तर भारत से नेपाल तक की आध्यात्मिक और वैज्ञानिक उन्नति का रहस्य इन्हीं सोलह दिनों में निहित था। यह वही काल है जिसने भारत को सोने की चिड़िया बनाया; वही समयखंड जिसने यांत्रिक और तांत्रिक प्रयोगों से लेकर आत्मिक जागरण तक के सभी द्वार खोल दिए।

लक्ष्मी साधना और यक्षिणी परंपरा

समय के साथ आत्मजागरण की यह गुप्त साधना लोक में लक्ष्मी उपासना के रूप में जानी जाने लगी। मान्यता है कि यक्ष-यक्षिणी स्थूल समृद्धि के नियंता हैं; कुबेर यक्षराज और लक्ष्मी यक्षिणी। इसीलिए कहा गया कि लक्ष्मी की सच्ची साधना दीपावली में नहीं, बल्कि इन षोडश रात्रियों में अपनी चरम सिद्धि को प्राप्त करती है। इन दिनों साधक यक्ष, यक्षिणी, योगिनी और दैविक ऊर्जाओं का आह्वान करता है। ऐंकार, सौःकार, श्रींकार, ह्रींकार, क्लींकार जैसे बीज मंत्रों का जप इन रात्रियों को अद्भुत शक्ति से मंडित कर देता है। साधना का यह काल धन की चाह रखने वालों से लेकर आत्मजागरण के पथिकों तक के लिए अमूल्य निधि है।

राधाअष्टमी का अध्यात्म

राधाअष्टमी स्वयं में एक महापर्व है। शास्त्र कहते हैं, इस दिन राधा वृषभानु की यज्ञभूमि से प्रकट हुई। पर अध्यात्म इसकी व्याख्या और गहराई से करता है। यह वही क्षण था जब आत्माओं की एक दिव्य धारा निचले लोकों में उतरी और इस जड़ जगत को चेतना का स्पर्श मिला। उस धारा के विपरीत प्रवाहित होकर परम तत्व तक पहुँचना, यही राधा का सच्चा रहस्य है। सोहरैया/सुरैया साधारण उत्सव नहीं,बल्कि भाग्य-परिवर्तन की एक गुप्त कुंजी है। यहाँ भौतिक वैभव और आत्मिक उत्कर्ष दोनों एक ही दीपक की लौ की तरह एक-दूसरे को आलोकित करते हैं।

इस कार्य को करने से सफलता का रास्ता कोई भी ग्रह नहीं रोक सकता

स फलता की मंजिल तक पहुंचने के लिए व्यक्ति को अपनी कमजोरी और दोषों को दूर करना अनिवार्य है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए यह अनिवार्य है कि हम समय-समय पर अपनी कमियों का मूल्यांकन करते रहें। आत्मविश्लेषण हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारी असफलताओं का कारण वास्तव में कहां छिपा है। एक युवक ने ज्योतिषी से पूछा, 'मुझे जीवन में सफलता क्यों नहीं मिल रही' ज्योतिषी ने उसकी जन्मकुंडली देखकर कहा, 'तुम्हारे ग्रह सफलता के लिए अवसर दे रहे हैं, लेकिन तुम अपनी आदतों पर ध्यान दो, तुम्हारा आलस्य और गुस्सा ही तुम्हें पीछे धकेल रहा है।'

युवक ने अपनी आदतें बदलीं, परिश्रम और संयम को अपनाया, परिणाम यह हुआ कि कुछ वर्षों में वही युवक ज्योतिषीय उपाय और आत्म नियंत्रण के कारण सफलता और सम्मान की ऊंचाइयों पर पहुंच गया। कभी-कभी ज्योतिषियों के पास आने वाले लोग केवल ज्योतिषीय उपाय तो कर लेते हैं, परन्तु स्वयं का आत्मविश्लेषण और अपनी कमियों को दूर नहीं कर पाते हैं, जिसके कारण ज्योतिषीय उपाय आधा ही लाभ दे पाते हैं। जब व्यक्ति अपनी स्वयं की कमजोरी, आलस्य, दोष, अवगुण आदि कारणों से अनेक विद्वानों द्वारा राह दिखाने के बाद भी असफल होता रहता है, तो उसे लगता है कि ज्योतिषीय उपाय ने काम नहीं किया। सफलता उन्हीं को मिलती है, जो ज्योतिषी द्वारा बताई गई ग्रहों की चेतावनी को समझकर स्वयं को सुधारते हैं।

एक ज्योतिषी ने आपको बताया कि आपकी जन्मकुंडली में धन योग है और आपको व्यापार में सफलता मिलेगी। आप खुश होकर कार्य शुरू करते हैं, लेकिन अगर आप आलस्य के कारण मेहनत नहीं करते हैं, हर काम को कल पर टालते हैं और ग्राहकों से अहंकार से बात करते हैं, तो क्या आपको सफलता मिलेगी? ज्योतिष से दिशा मिल सकती है, पर मंज़िल तक पहुंचने के लिए अपनी कमजोरी और दोषों को दूर करना अनिवार्य है। कभी-कभी दोष ग्रहों का नहीं बल्कि आदतों का होता है। जब हम अपनी कमियों को सुधार लेते हैं, तो सफलता का रास्ता कोई भी ग्रह नहीं रोक सकता।

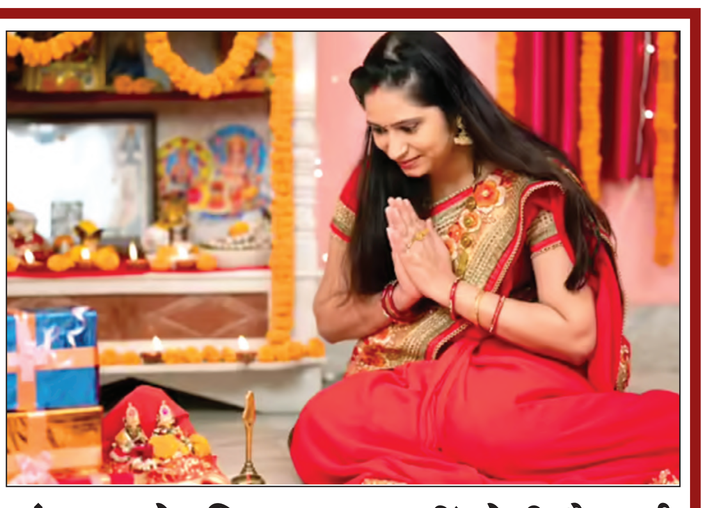

संकल्प के बिना पूजा नहीं होती है पूर्ण पूजा की पूर्णता और मनोकामना सिद्धि का द्वार है दृढ़ संकल्प

शा स्त्रों के अनुसार संकल्प लेने का अर्थ यह है कि हम इष्टदेव और स्वयं को साक्षी मानकर संकल्प लें कि यह पूजन कर्म विभिन्न इच्छाओं की कामना पूर्ति के लिए कर रहे हैं और इस पूजन को पूर्ण अवश्य करेंगे। संकल्प लेते समय हाथ में जल, कुशा, अक्षत, दक्षिणा, फल, फूल रखा जाता है। अग्नि, पृथ्वी, आकाश, वायु और जल, इस पूरी सृष्टि के पंच महाभूतों में भगवान का अस्तित्व है, कामना पूर्ति के लिए प्रथम पूज्य गणेश जी का स्मरण कर गणेश जी के सनमुख अथवा गुरु एवं इष्ट के सनमुख संकल्प लिया जाता है।

जब भी कोई पूजन का विचार अथवा शुभ कर्म प्रारम्भ किया जाता है, तो उसमें विघ्न आने की संभावनाएं सर्वाधिक होती हैं, क्योंकि मन चलायमान है, इसलिए एक बार पूजा कराने का विचार आने पर फिर मन बदल न जाए इसलिए जब भी शुभ कर्म का विचार आए तो संकल्प द्वारा मन को स्थिर करने से मनोकामना पूर्ति एवं सिद्धियों की प्राप्ति होती है। श्रीगणेश की कृपा से पूजन कर्म बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाते हैं। एक बार पूजन का संकल्प लेने के बाद उस पूजा को पूरा करना अति आवश्यक होता है। इससे हमारी संकल्प शक्ति मजबूत होती है। व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का साहस प्राप्त होता है।

संकल्प धारण करने से मन की चंचलता शान्त होती है। साथ ही बुद्धि पर जो अनिष्ट ग्रहों का प्रभाव होता है, उसका भी शमन होता है। जैसे-जैसे व्यक्ति की बुद्धि संकल्प पर दृढ़ होने लगती है, वैसे-वैसे मन में भी स्थिरता आने लगती है। जैसे-जैसे मन स्थिर होने लगता है वैसे-वैसे व्यक्ति भगवान की कृपा पात्रता प्राप्त होने का अधिकार प्राप्त होने लगता है। जैसे-जैसे आप भक्ति मार्ग अथवा अपनी सफलता के मार्ग पर बढ़ने लगते हैं, वैसे-वैसे आपको आपकी मनचाही वस्तु, चाहें वह भगवत प्राप्ति हो अथवा भौतिक सुख-सुविधा, सब कुछ प्राप्त होने लगता है। संकल्प के दृढ़ प्रभाव को ध्यान में रखकर ही कहा गया है, 'जो इच्छा करिहहुं मन माही, प्रभु प्रताप कछु दुर्लभ नाही।'

संपादकीय

विरोधियों की महाशक्ति

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की अपरिपक्वता, खीझ और टैरिफवाद ने उन शक्तियों को एकजुट करा दिया, जो अभी तक बिखरी हुई थीं। आपस में साझापन और सामंजस्य नहीं था। आपसी एकजुटता और लामबंदी का मूल्यांकन नहीं किया गया था। बल्कि शत्रुता के भाव ज्यादा थे। कुछ हमलावर घटनाएं भी हुई थीं। भारत के लिए 1962 का युद्ध विस्मृत-सा अतीत है, क्योंकि उसके बाद भारत और चीन विश्व की महाशक्तियां बन चुकी हैं। इस बार 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के बैनर तले 26 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने जिस शिखर सम्मेलन का आगाज किया है, वे देश विश्व की नई महाशक्ति बन सकते हैं। वे देश नई वैश्विक व्यवस्था भी तैयार कर सकते हैं। एससीओ के इन 26 देशों की कुल जीडीपी 106 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। दुनिया की 40 फीसदी से अधिक आबादी इन देशों में बसती है, जो इन देशों की बुनियादी लाभांश है। यह आबादी एक सामूहिक शक्ति है। इन देशों का कुल तेल रिजर्व दुनिया के 20 फीसदी के बराबर है। इन देशों के पास 5200 से अधिक परमाणु अस्त्र हैं, हालांकि अधिकतर देश परमाणु सम्पन्न नहीं हैं। रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर धारक देश हैं। दूसरी तरफ अमरीका के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देश भी नहीं हैं। ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे वीटो पॉवर देश भी पूर्णतः अमरीका के पक्ष में नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद ने 'विरोधियों की महाशक्ति' के उभरने का मौका दिया है, जबकि अमरीका की फेडरल अपीलीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफवाद को 'अवैध' करार दिया है। अदालत का मानना है कि राष्ट्रपति के पास ऐसे आपातकालीन, असीमित अधिकार नहीं हैं। सिर्फ अमरीकी कांग्रेस (संसद) ही ऐसे व्यापक टैरिफ को स्वीकृति दे सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप के पास 14 अक्तूबर तक का समय है कि वह इस अदालती फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकते हैं। बहरहाल एससीओ के विमर्श का अकेला मुद्दा टैरिफवाद नहीं है। दरअसल अब अमरीका के एकाधिकारवाद के खिलाफ देश लामबंद हो रहे हैं। भारत, चीन, रूस सरीखी शक्तियां, अन्य देशों के पूर्ण समर्थन के साथ, अपने पुराने मतभेदों को हाशिए पर रखकर लामबंद हो रही हैं, तो इसमें अमरीकी राष्ट्रपति की 'दादागीरी' की भूमिका अत्यधिक है। सात लंबे सालों के बाद प्रधानमंत्री मोदी न केवल चीन प्रवास पर हैं, बल्कि रविवार, 31 अगस्त, 2025 की सुबह 9.35 बजे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ करीब एक घंटा द्विपक्षीय बातचीत भी हुई है। यह मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण है। साझा संवाद के मुद्दे बाद में सार्वजनिक हुए, लेकिन भारत-चीन की यह एकजुटता ही 'महाशक्ति' का सूत्रपात करती है। दोनों देशों ने सीमा-विवाद सुलझाने का एक रोडमैप और कार्यबल भी तय कर लिए हैं। हालांकि यह एक लंबी और पेचीदा प्रक्रिया है। मोदी, जिनपिंग के साथ रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी इस मंच पर मौजूद हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन का द्विपक्षीय संवाद भी सोमवार को संभव है। 'विरोधियों की महाशक्ति' के निर्माण में जापान भी शामिल है, जो 'क्वाड' में भारत, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया के साथ सदस्य है। 'क्वाड' की अक्तूबर-नवंबर में भारत में होने वाली शिखर बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप के शिरकत के आसार नगण्य हैं। बहरहाल जापान ने भारत में 6 लाख करोड़ रुपए के निवेश का समझौता प्रधानमंत्री मोदी के हालिया प्रवास के दौरान किया है। सुजुकी कॉरपोरेशन ने भी 70,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। हालांकि अमरीका ने जापान पर सिर्फ 15 फीसदी का टैरिफ लगाया है, लेकिन जब व्यापक स्तर पर महाशक्तियों का ध्रुवीकरण हो रहा है, तो जापान भी उसमें शामिल हो रहा है। बहरहाल आने वाले दिनों में वैश्विक समीकरण बदलेंगे, तो ऐसा नहीं है कि भारत-अमरीका के रणनीतिक साझेदारी वाले संबंध एकदम समाप्त हो जाएंगे। इस संदर्भ में अब अमरीका को लचीलापन दिखाना होगा, क्योंकि भारत ने 40 देशों के साथ निर्यात बढ़ाने का बुनियादी फैसला ले लिया है। चीन की पेशकश बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुर्लभ खनिज के लिए अमरीका में भी मारा-मारी हो रही है। इस संदर्भ में चीन की एकाधिकार वाली स्थिति है।

'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के बैनर तले 26 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने जिस शिखर सम्मेलन का आगाज किया है, वे देश विश्व की नई महाशक्ति बन सकते हैं। वे देश नई वैश्विक व्यवस्था भी तैयार कर सकते हैं। एससीओ के इन 26 देशों की कुल जीडीपी 106 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। दुनिया की 40 फीसदी से अधिक आबादी इन देशों में बसती है, जो इन देशों की बुनियादी लाभांश है। यह आबादी एक सामूहिक शक्ति है। इन देशों का कुल तेल रिजर्व दुनिया के 20 फीसदी के बराबर है। इन देशों के पास 5200 से अधिक परमाणु अस्त्र हैं, हालांकि अधिकतर देश परमाणु सम्पन्न नहीं हैं। रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर धारक देश हैं। दूसरी तरफ अमरीका के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देश भी नहीं हैं। ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे वीटो पॉवर देश भी पूर्णत: अमरीका के पक्ष में नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद ने 'विरोधियों की महाशक्ति' के उभरने का मौका दिया है, जबकि अमरीका की फेडरल अपीलीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफवाद को 'अवैध' करार दिया है। अदालत का मानना है कि राष्ट्रपति के पास ऐसे आपातकालीन, असीमित अधिकार नहीं हैं।

50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा

ट्रंप को जवाब देती भारत की आर्थिकी

डा. जयंती लाल भंडारी

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमरीका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमरीका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमरीका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए है और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है। 29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

यकीनन इन दिनों पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि जब अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमरीका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमरीका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमरीका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए है और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है। 29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा 27 अगस्त से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पडने वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। 29 अगस्त को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार टैरिफ चुनौती के मद्देनजर कई उपायों की तैयारी कर रही है। चूंकि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ से अमरीका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फीसदी यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अपने कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा यानी करीब 86.5 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का अमरीका को निर्यात किया था। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने कुछ चुनौतियां खड़ी होती हुई दिखाई दे रही हैं। इसमें भी कोई दो मत नहीं है कि अमरीका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का असर इस वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निजी निवेश पर पड़ सकता है। भारत और अमरीका के बीच व्यापार करार नहीं होने की स्थिति में कुछ क्षेत्रों को कुछ प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में अमरीकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि अमरीका के द्वारा भारत पर 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ लगाने से भारत की आर्थिक तरक्की पर कोई खास असर नहीं होगा और भारत की अर्थव्यवस्था बढने की प्रवृत्ति बनाए रखेगी। भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' का नजरिया अभी भी सकारात्मक बना रहेगा। चूंकि भारत एक निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है, ऐसे में भारत को टैरिफ संबंधी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। इसी तरह मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि भारत की घरेलू मांग मजबूत होने के कारण अमरीका के द्वारा भारत से निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर पर आधा फीसदी से भी अधिक असर होगा। ऐसे में भारत के द्वारा ट्रंप टैरिफ के मुकाबले के लिए छह सूत्रीय रणनीति जरूरी दिखाई दे रही है। एक, नए निर्यात बाजार में कदम रखे जाएं। दो, तेज बढ़ते घरेलू बाजार व अनुकूल आर्थिक परिदृश्य से विकास दर बढ़ाई जाए। तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। चार, स्वदेशी अपनाएं। पांच, सेवा निर्यात बढ़ाएं और छह, अमरीका के साथ व्यापार संवाद लगातार कायम रखा जाए। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। सरकार अमरीका से इतर अन्य देशों से मित्रता मजबूत कर रही है। 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के साथ मैत्री का अध्याय मजबूत किया और टोक्यो में ऐलान किया कि जापानी तकनीक और भारतीय टेलेंट दुनिया को बदल देंगे। भारत के द्वारा चीन और रूस के साथ भी विदेश व्यापार के नए अध्याय आगे बढ़ाए जा रहे हैं। ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए ऐसे उपायों के साथ-साथ भारत ने सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत घरेलू खपत बढ़ाकर कुछ हद तक अमरीकी व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई कर सकता है। वैश्विक व्यापार में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच भारत को बचाने में भारत की घरेलू खपत अहम भूमिका निभा रही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत का खुदरा बाजार 1060 अरब डॉलर का था, यह सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 2030 तक 1930 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ईएफटीए, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूके के साथ किए गए एफटीए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत को यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए से मजबूत लाभ हुआ है। यूएई के साथ, पिछले चार-पांच वर्षों में सेवाओं का निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने राज्यसभा में बताया कि भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच शीघ्र ही एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और इस वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इससे भारत के लिए दुनिया का एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार खुल जाएगा। विगत 10 जुलाई को भारत में स्विटजरलैंड की राजदूत माया तिस्साफी ने कहा कि भारत और 4 सदस्य देशों आइसलैंड, स्विटजरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपिटन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत के द्वारा कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे कदम बढ़ाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से अब नई रणनीति के तहत घरेलू खपत बढ़ाने हेतु स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित किया जाना जरूरी होगा। साथ ही पूरी दुनिया में भारत के सेवा निर्यात को तेज रफ्तार से बढ़ाना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 385 अरब डॉलर का सेवा निर्यात किया गया, अब इस वर्ष भारत को 450 अरब डॉलर का लक्ष्य पाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत और अमरीका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) और अंतरिम व्यापार समझौते के लिए संवाद बनाए रखना होगा। 27 अगस्त को नया टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत-अमरीका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ी है।

देश दुनिया से

ड्रैगन और हाथी की मुलाक़ात से वैश्विक राजनीति में बड़ी हलचल हो गयी है

तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाक़ात को सिर्फ़ औपचारिक कूटनीतिक शिष्टाचार मान लेना भूल होगी। यह दरअसल उन जटिल और उलझे रिश्तों को नया आकार देने का प्रयास था, जिन्हें पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ ने गहरी चोट पहुँचाई थी। सीमा पर खून बहने के बाद अब बीजिंग नरमी दिखा रहा है, तो यह उसकी मज़बूरी है— भारत की नहीं। भारत ने यह बार-बार साफ किया है कि रिश्ते तभी आगे बढ़ेंगे जब सीमा पर शांति होगी। मोदी ने तियानजिन में यही संदेश दोहराया कि "सीमा स्थिर रहेगी तभी भरोसा टिकेगा।" देखा जाये तो चीन की पंचशील वाली बात भारत के लिए खोखले आश्वासन से ज्यादा मायने नहीं रखती क्योंकि पिछले वर्षों का अनुभव यही कहता है कि बीजिंग के शब्द और ज़मीन पर उसका व्यवहार मेल नहीं खाते। असली सवाल अब यही है कि क्या बीजिंग अपने वादों को ज़मीन पर उतारेगा, या फिर एक बार फिर "हाथ मिलाओ और पीछे से वार करो" वाली नीति अपनाएगा? फिलहाल तस्वीरें चमकीली हैं, लेकिन भारत ने बहुत स्पष्ट कर दिया है कि रिश्तों की असली परीक्षा सीमा पर होगी, कूटनीतिक भोज या लाल कालीन पर नहीं। देखा जाये तो भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंध शुरू से ही जटिल रहे हैं। यह 1949 से कभी गहरे मतभेदों तो कभी सीमित सामंजस्य के उतार-चढ़ाव से गुज़रे हैं। पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ से शुरू हुई कठिनाइयों के बाद अब विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ भारत और चीन, अपने संबंधों को पटरी पर लाने के इच्छुक दिख रही हैं। कज़ान (रूस) में पिछले वर्ष आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी जिसे तिआनजिन में आगे बढ़ाया गया है। देखा जाये तो भारत हमेशा से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की 'मेरा कहना मानो वरना टैरिफ झेलो' वाली नीतियों ने इस सिद्धांत की सबसे बड़ी परीक्षा ली। मोदी ने न ट्रंप की 'नोबेल पुरस्कार' वाली हठधर्मिता को महत्व दिया, न ही उनकी टीम की उकसावे भरी बातों पर प्रतिक्रिया दी। भारत ने रूसी तेल खरीदने का निर्णय भी जारी रखा और पीछे नहीं हटा। तिआनजिन में शी जिनपिंग के साथ बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही था कि भारत अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेगा और किसी तीसरे देश की इच्छा से प्रभावित नहीं होगा। हम

आपको यह भी बता दें कि चीन की 'वुल्फ वॉरियर डिप्लोमेसी' अब नरम पड़ती दिखाई दे रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे- चीन की धीमी होती अर्थव्यवस्था, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की समस्याएँ और बढ़ती युवा बेरोज़गारी, जिसने 'नकली काम' करने वाली कंपनियों तक को जन्म दिया है। हालाँकि, चीनी राजनीति में फिर से अतिराष्ट्रवाद लौट सकता है। भारत इस संभावना को समझता है और इसी कारण एलएसी पर अपनी रक्षा क्षमता मज़बूत करते हुए चीन के साथ रिश्तों को नए सिरे से संतुलित कर रहा है। देखा जाये तो ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक व्यापार के नियम बदल दिए हैं। ऐसे में भारत को नए बाज़ारों की तलाश है। नई दिल्ली चाहती है कि बीजिंग भारतीय निर्यात को निष्पक्ष पहुँच दे। यह सच है कि इससे अमेरिका के बाज़ार में हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होगी, लेकिन व्यापार असंतुलन को चीनी निवेश से संतुलित किया जा सकता है। यदि चीन भारतीय उद्योग के लिए रेयर अर्थ मैग्नेट जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की आपूर्ति फिर शुरू करता है, तो भारत दूरसंचार, रक्षा, सेमीकंडक्टर और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों जैसी निगेटिव लिस्ट को छोड़कर बाकी क्षेत्रों में धीरे-धीरे चीनी एफडीआई की अनुमति दे सकता है। दूसरी ओर, ट्रंप-युग की उथल-पुथल में चीन को भी आर्थिक अवसरों की ज़रूरत है। ऐसे में वह भारत के करीब आना चाह रहा है लेकिन भारत के लिए आगे बढ़ने के दौरान सतर्कता बरतना भी जरूरी है। वैसे कुल मिलाकर देखें तो तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भेंट ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के गलियारों में गहरी हलचल पैदा कर दी है। यह सिर्फ दो पड़ोसी देशों के बीच एक औपचारिक मुलाक़ात नहीं थी, बल्कि वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच एक महत्वपूर्ण संकेत भी थी। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत की विदेश नीति किसी तीसरे देश की नज़र से नहीं देखी जानी चाहिए। मोदी ने स्पष्ट कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता रिश्तों के लिए बीमा पॉलिसी जैसी है। दोनों पक्षों ने पिछले साल की सफल डिसएंगेजमेंट प्रक्रिया पर संतोष जताया और सीमा विवाद का ₹न्यायपूर्ण, तर्कसंगत और स्वीकार्य समाधान₹ निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई। हालाँकि, चीनी बयान ने पंचशील सिद्धांतों का हवाला देते हुए यह कहा कि सीमा विवाद पूरे रिश्तों को परिभाषित नहीं करना चाहिए। यह भारतीय दृष्टिकोण से थोड़ा भिन्न था।हम आपको बता दें कि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि भारत-चीन निकटता से भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं। परंतु यह दृष्टिकोण सतही है क्योंकि भारत कोई लेन-देन वाली शक्ति नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत शक्ति है जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से संबंध बनाती है। लोकतांत्रिक मूल्य, बहुलतावादी समाज और मुक्त हिंद-प्रशांत के साझा हित भारत-अमेरिका साझेदारी की नींव हैं। यह साझेदारी अस्थायी मतभेदों को झेल सकती है। तियानजिन में मोदी-शी मुलाक़ात भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक हितों की सुरक्षा और वैश्विक संतुलन बनाने के प्रयासों का हिस्सा भी है। भारत अब यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि वह अमेरिका और चीन दोनों के साथ संबंध रख सकता है— लेकिन अपनी शर्तों पर, अपने हितों के आधार पर। भारत-चीन संबंधों की दिशा आगे इस बात पर निर्भर करेगी कि बीजिंग अपने आश्वासनों को ठोस कार्यवाही में बदल पाता है या नहीं। तब तक यह यात्रा अभी शुरुआती चरण में ही मानी जाएगी। वैसे यह मुलाकात बताती है कि 21वीं सदी की भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र में भारत और चीन की भूमिका निर्णायक होगी। हम आपको यह भी बता दें कि राजीव गांधी से लेकर नरेंद्र मोदी तक, यानि तबसे लेकर अब तक हर भारतीय प्रधानमंत्री ने चीन के साथ स्थिर संबंध बनाने की कोशिश की है। वर्तमान सरकार भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही थी लेकिन 2020 में पूर्वी लद्दाख, विशेषकर गलवान घाटी में चीनी सैन्य कार्रवाई ने इस प्रक्रिया को गहरी चोट पहुँचाई।

कुछ अलग

ना जाने किस रूप में नारायण मिल जाए

हरिहर एक सीधा-साधा किसान था। वह दिन भर खेतों में मेहनत से काम करता और शाम को प्रभु का गुणगान करता। उसके मन की एक ही साध थी। वह उडुपि के भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करना चाहता था। उडुपि दक्षिण कन्नड़ जिले का प्रमुख तीर्थ था। प्रतिवर्ष जब तीर्थयात्री वहां जाने को तैयार होते तो हरिहर का मन भी मचल जाता किंतु धन की कमी के कारण उसका जाना न हो पाता। इसी तरह कुछ वर्ष बीत गए। हरिहर ने कुछ पैसे जमा कर लिए। घर से निकलते समय उसकी पत्नी ने बहुत-सा खाने-पीने का सामान बाँध दिया। उन दिनों यातायात के साधनों का अभाव था। तीर्थयात्री पैदल ही जाया करते। रास्ते में हरिहर की भेंट एक बूढ़े व्यक्ति से हुई। बूढ़े के कपड़े फटे-पुराने थे और पाँव में जूते तक न थे। अन्य तीर्थयात्री उससे कतराकर निकल गए किंतु हरिहर से न रहा गया। उसने बूढ़े से पूछा- 'बाबा, क्या आप भी उडुपि जा रहे हैं?' बूढ़े की आँखों में आँसू आ गए। उसने रुँधे स्वर में उत्तर दिया- 'मैं भला तीर्थ कैसे कर सकता हूँ? एक बच्चा तो बीमार है और दूसरे बेटे ने तीन दिन से कुछ नहीं खाया।' हरिहर भला व्यक्ति था। उसका मन पसीज गया। उसने निश्चय किया कि वह उडुपि जाने से पहले बूढ़े के घर जाएगा। बूढ़े के घर पहुँचते ही हरिहर ने सबको भोजन खिलाया। बीमार बच्चे को दवा दी। बूढ़े के खेत, बीजों के अभाव में खाली पड़े थे। लौटते-लौटते हरिहर ने उसे बीजों के लिए भी धन दे दिया। जब वह उडुपि जाने लगा तो उसने पाया कि सारा धन तो खत्म हो गया था। वह चुपचाप अपने घर लौट आया।

आप का नजरिया

आपदा के बीच कौन

आपदा के बीच इस बार पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार आ गए। वह ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना के समय और आकार पर प्रश्न उठाते हैं। कुल 140 सदस्यों का बोर्ड अपने तरीके से नपा तुला ही होगा। वैसे हम राजनीति की शब्दावली में हर क्षण को अपने बयानों या प्रदर्शनों का पूरक बना देते हैं। विधानसभा के मानसून सत्र को ही लें तो चर्चाओं का सारा ज्ञान और पक्ष-विपक्ष में बंटा संज्ञान वह तो नहीं, जो हर दम आपदा-आपदा कह रहा हो, बल्कि हिमाचल की राजनीति पुनः केंद्र के सामने हल्की हो गई। बेशक सियासी फिजूलखर्ची पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन यहां तो सियासत को टिकाए रखने का सवाल है। सियासत न होती तो शांता जी के बयान की अहमियत न होती। किसी वरिष्ठ अधिकारी या अपने क्षेत्र में सफल रहे प्रोफेशनल के विचारों को कौन लिख पाता। यहां कहा और सुना नहीं जाता, बल्कि कहा सुनी का मजा है। कहने को आपदा के हर लम्हे में किसे निर्दोष मानें। किस यात्रा किस सफर को $फिरदौश मानें। नरक सी परिस्थितियों में उबाल आ रहा है, यहां उसके और मेरे लबादे का सवाल आ रहा है। इस ब्राह्मण बोर्ड की स्थापना के तार, बेतार नहीं होंगे, वहां कुछ मेरे कुछ तुम्हारे यार होंगे। आपदा के बीच वीआईपी चले होंगे और जनसमूह के बीच किसी मंत्री पर प्रहार चले होंगे। आपदा तो व्यवस्था के ढांचे में है जहां हर फैसला राजनीतिक पतवार है। ऐसे में एक सहमति तो शांता कुमार से बनती है कि सारे बोर्ड और राजनीतिक ओहदेदारियां निरस्त कर दी जाएं। विकास की फाइल से राहत की उम्मीद बिछा दी जाए। हम समुद्र हो जाएं-पानी हो जाएं, भाजपा और कांग्रेस को इस आफत में मिला दिया जाए, लेकिन क्या ऐसा होगा। फिजूलखर्चियों ने हिमाचल पर लगभग एक लाख करोड़ का कर्ज चढ़ा दिया है, लेकिन इस ग्रहण को हर बार 'राजतिलक' स्वीकार करेगा। धर्मशाला के कचहरी क्षेत्र में एक पुल बना है, लेकिन इसके ऊपर से न कोई गुजरा और न ही कोई गुजर सकता है। करीब पैंतालीस लाख रुपए खर्च हुए, मगर परियोजना बिना काम के श्रीमान बनी हुई है। ऐसे कई किस्से-कई कहानियां, कई दस्तूर-कई मशहूर, कई कार्यकर्ता-कई नेता मिल जाएंगे, जो हर बार सरकार के उपहार में खुद को प्रासंगिक बना देते हैं। अब तो हर विधायक के अपने ठेकेदार, अपने कर्मचारी, अपने अधिकारी, अपने पर्यवेक्षक और अपने निवेशक मिल जाएंगे। पार्टी संगठनों में बंटते पद अंततः सत्तारूढ़ होने की निशानियों में शामिल होकर सफल होते हैं। प्रदेश में राजनीति ही शाहूकार है, राज्य पर कर्ज चढ़ाती और अपनों का कर्ज उतारती रहती है। आज देश के लिए राजनीति और राजनीतिक सोच सबसे बड़ी आपदा है। यही सोच पूरे हिमाचल को विपक्षी मान कर राहत में अछूत बना देता है। आपदा में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की सदस्यता एक अवसर है या निरंतर आपदा में धंसे हिमाचल को आपदा में भी घेर लेना अवसर है। कभी तो राजनीति प्रायश्चित करे कि गलत नीतियों ने आज जिस मुहाने में फंसा दिया, वहां पूर्व के भी कुटुंब गलत थे। आपदा को कोरे कागज या कोरे बयान में उतारने के बजाय क्षमा मांगने के अवसर की तरह देखा जाए। जैन समाज साल में एक बार इस अवधि में अभिव्यक्त शब्दों, क्रोध की संज्ञाओं-कारणों या जाने-अनजाने में पहुंचाए गए कष्ट के लिए एक दूसरे से माफी मांगता है। इसी तरह के पर्यूषण पर्व की जरूरत आज राजनीति की बिरादरियों को भी है। क्या हिमाचल के तमाम नेता एक दूसरे पर बरसने के बजाय आकाश से बरसी आपदा पर अपनी-अपनी गलतियों की माफी मांगेंगे।

विधानसभा के मानसून सत्र को ही लें तो चर्चाओं का सारा ज्ञान और पक्ष-विपक्ष में बंटा संज्ञान वह तो नहीं, जो हर दम आपदा-आपदा कह रहा हो, बल्कि हिमाचल की राजनीति पुन: केंद्र के सामने हल्की हो गई। बेशक सियासी फिजूलखर्ची पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन यहां तो सियासत को टिकाए रखने का सवाल है। सियासत न होती तो शांता जी के बयान की अहमियत न होती। किसी वरिष्ठ अधिकारी या अपने क्षेत्र में सफल रहे प्रोफेशनल के विचारों को कौन लिख पाता। यहां कहा और सुना नहीं जाता, बल्कि कहा सुनी का मजा है। कहने को आपदा के हर लम्हे में किसे निर्दोष मानें। किस यात्रा किस सफर को $फिरदौश मानें। नरक सी परिस्थितियों में उबाल आ रहा है, यहां उसके और मेरे लबादे का सवाल आ रहा है। इस ब्राह्मण बोर्ड की स्थापना के तार, बेतार नहीं होंगे, वहां कुछ मेरे कुछ तुम्हारे यार होंगे। आपदा के बीच वीआईपी चले होंगे और जनसमूह के बीच किसी मंत्री पर प्रहार चले होंगे। आपदा तो व्यवस्था के ढांचे में है जहां हर फैसला राजनीतिक पतवार है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में छात्र संघ चुनाव का औचित्य

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और राज्य के अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्र संघ चुनावों का इतिहास संघर्षों और विवादों से भरा रहा है। छात्र राजनीति ने न केवल नेताओं को जन्म दिया, बल्कि यह लोकतंत्र, समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता और समझ भी उत्पन्न करने का एक सशक्त माध्यम रही है। छात्र जब कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ता है, तो उसका दृष्टिकोण केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। वह समाज, लोकतंत्र और अपने अधिकारों को समझने लगता है। छात्र संघ और विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने से उसे नेतृत्व, जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता का अनुभव मिलता है। यही वह समय है जब छात्र भविष्य के नागरिक और नेता के रूप में परिपक्व होते हैं। छात्र संघ चुनावों पर पहली बार 1985 में रोक लगाई गई थी। इसके बाद 1988 में नासिर खान की हत्या के बाद चुनावों पर पुनः रोक लगाई गई। 1995 में कुलदीप पठानिया की हत्या के बाद भी चुनावों पर प्रतिबंध रहा। 2000 में यह प्रतिबंध हटाया गया, लेकिन 2014 में कुलपति पर हमले और बढ़ते तनाव के कारण चुनावों पर स्थायी रोक लगा दी गई। इन घटनाओं ने प्रशासन को चुनावों पर रोक लगाने के लिए मजबूर किया। छात्र संघ चुनावों के दौरान हिंसा की घटनाएं आम हो गई थीं, जिसके कारण न केवल छात्रों की जानें गईं, बल्कि विश्वविद्यालय की संपत्ति को भी भारी नुकसान हुआ। 2010 में विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न छात्र संगठनों के बीच हुई झड़पों में कई कमरे, पुस्तकालय और उपकरण क्षतिग्रस्त हुए। इन घटनाओं ने चुनावों पर रोक लगाने को अपरिहार्य बना दिया। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालयों में हिंसा और अव्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण आदेश दिए हैं। 2012 में हुई हिंसा के बाद उच्च न्यायालय ने शिमला के पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट तलब की कि क्या विश्वविद्यालय के छात्रावासों में केवल छात्र ही रह रहे हैं या बाहरी लोग भी शामिल हैं। अदालत ने यह भी पूछा कि ऐसे बाहरी लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई और परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित की गई। देश के अन्य शिक्षण संस्थानों में स्थिति अलग है। राजस्थान में इस सत्र छात्र संघ चुनाव नहीं होंगे, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। पश्चिम बंगाल में 2017 से अब तक छात्र संघ चुनाव नहीं हुए हैं। झारखंड (रांची विश्वविद्यालय) में पिछले पांच वर्षों से चुनाव नहीं हो रहे हैं। पांडिचेरी विश्वविद्यालय में छात्र चुनाव 2019 के बाद स्थगित हैं। पटना विश्वविद्यालय ने हाल ही की हिंसा और माहौल की चिंता के चलते छात्र संघ चुनाव 'शांत स्थिति आने पर' ही संभव होने की बात कही। जेएनयू में 2008-2012 तक चुनाव बंद रहे, अब वहां चुनाव पुनः शुरू हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में कई नेता छात्र राजनीति से उभरे हैं। इनमें प्रमुख हैं: सतपाल सत्ती, कामरेड राकेश सिंघा, केवल सिंह पठानिया, और भी। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के छात्र नेता बने आशीष चौहान (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री), निगम भंडारी (भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ) और विक्रम सिंह (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) शामिल हैं। ये नेता न केवल छात्र राजनीति में सक्रिय रहे, बल्कि बाद में राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समझ का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि, छात्र संघ चुनावों पर रोक के बावजूद, 2025 के मानसून सत्र में विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। 22 अगस्त 2025 को भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार ने छात्र संघ चुनावों की बहाली की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि छात्र संघ चुनाव भविष्य के नेताओं को तैयार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसके जवाब में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में छात्र संघ चुनाव बहाल नहीं किए जाएंगे, क्योंकि चुनावों के दौरान हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, उन्होंने भविष्य में इस मुद्दे पर विचार करने की बात भी कही। छात्र राजनीति न केवल नेताओं को जन्म देती है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता और समझ भी उत्पन्न करती है। चुनावों में हिंसा की घटनाएं चिंता का विषय हैं, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी से युवाओं में जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का विकास होता है। अतः यह आवश्यक है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल किया जाए, साथ ही साथ हिंसा और संपत्ति को हुए नुकसान को रोकने के लिए ठोस उपाय किए जाएं। छात्र जब विश्वविद्यालय में पढ़ता है, तो उसके विचार, समझ और जिम्मेदारी का निर्माण छात्र राजनीति के अनुभवों से होता है। नेतृत्व क्षमता, समाज के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जागरूकता छात्र इसी समय सीखते हैं। यही कारण है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल करना न केवल युवाओं के लिए आवश्यक है, बल्कि यह लोकतंत्र और समाज की मजबूती के लिए भी जरूरी है। सियासी गतिविधियों में भाग लेकर छात्रों में नेतृत्व के गुण पैदा होते हैं। यहीं से निकली पौध आगे चलकर देश को अच्छा नेतृत्व दे सकती है। इस दृष्टि से छात्र संघ चुनाव होने ही चाहिएं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है– इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दि–नचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

आज का पंचांग

दिनांक : 02 सितंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 03:54 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 09:52 तक
योग : प्रीति सायं 04:39 तक
करण : तैतिल सायं 03:24 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रामदेवजी दशमी ,
महालक्ष्मी व्रत पूर्ण, दशावतार ,
गण्डमूल रात्रि 09:52 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मानसून सत्र के पहले ही दिन हंगामा

राजस्थान विधानसभा में वोट चोरी बनाम गालीबाज की जंग

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र पहले ही दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। कांग्रेस विधायकों ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए, तो भाजपा ने पलटवार में गालीबाज राहुल गांधी के नारे बुलंद किए। स्पीकर की बार–बार की समझाइश भी नाकाम रही और सदन का माहौल गरमाता चला गया। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने राहुल गांधी की भाषा शैली को मुद्दा बनाया। हंगामे के बीच झालावाड़ हादसे पर श्रद्धांजलि को लेकर विपक्ष ने सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए, वहीं खेजड़ी संरक्षण कानून और एसआई भर्ती जैसे मुद्दे भी गूंजते रहे।

पहले ही दिन कांग्रेस विधायकों ने तख्तियां लहराईं और नारे लगाए – वोट चोर, गद्दी छोड़। यह नारा महज़ शोरगुल नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति थी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पहले से ही देशभर में 'चुनाव चोरी' का मुद्दा उठाती आ रही है। सचिन पायलट ने विधानसभा में इसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कुछ लोग बार–बार वोट चोरी कर सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

यह संदेश केवल राजस्थान की राजनीति तक सीमित नहीं है। कांग्रेस इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुई हार का राजनीतिक स्पष्टीकरण गढ़ना चाहती है।

कांग्रेस की आक्रामकता का जवाब भाजपा विधायकों ने भी उतनी ही तेज़ी से दिया। सदन में नारे लगे – गालीबाज राहुल गांधी। सरकारी मुख्य सचेतक जागेश्वर गर्ग ने मीडिया के सामने यह लाइन और सख़्त की – गालीबाज कांग्रेस है, इसका रिकॉर्ड है और वीडियो भी सबूत हैं।

यहां भाजपा की रणनीति साफ़ है – वह कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे चुनाव आयोग और वोट चोरी के सवाल को सीधे संबोधित नहीं कर रही, बल्कि राहुल गांधी की भाषा–शैली को ही मुद्दा बनाकर चर्चा को भावनात्मक और व्यक्तिगत स्तर पर मोड़ना चाहती है। स्पीकर वासुदेव देवनानी को बार–बार दोनों दलों को टोकना पड़ा। उनका कथन – यहां बाजार या चौराहे जैसी हरकतें नहीं हो सकतीं – विधानसभा की गिरती मर्यादा की ओर सीधा संकेत था। राजनीतिक विश्लेषण यह बताता है कि आज सदन का संचालन किसी भी स्पीकर के लिए आसान नहीं रह गया है। दोनों पक्ष अपनी–अपनी लाइन पर इतने अड़े रहते हैं कि विधायी कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ जाती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर हमला करते हुए पूछा कि झालावाड़ स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि क्यों नहीं दी गई?यहाँ कांग्रेस ने सत्ता पक्ष को संवेदनहीन बताने की कोशिश की। बड़ी घटनाओं और राष्ट्रीय स्तर पर हुई मौतों पर श्रद्धांजलि दी गई, लेकिन स्थानीय त्रासदी की अनदेखी पर सवाल खड़ा करना विपक्ष की रणनीति में मानवीय कोण जोड़ता है।

हंगामे के बीच भी विधानसभा में दूसरे स्वर गूंजे। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खेजड़ी संरक्षण कानून की मांग उठाई और पोस्टर तक लहराए। गृह राज्य मंत्री ने SI भर्ती पर कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि दोषियों पर कार्रवाई होगी, निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाएगा।

ये दोनों बिंदु बताते हैं कि जबकि सत्ता और विपक्ष का बड़ा नैरेटिव वोट चोरी बनाम गालीबाज पर टिका रहा, वहीं स्थानीय और प्रशासनिक मुद्दों को उठाने की कोशिश भी हुई। सत्र को पूरी तरह वोट चोरी और चुनाव आयोग की पक्षधरता जैसे मुद्दों पर केंद्रित करना। इससे वह भाजपा की जीत की वैधता पर लगातार सवाल उठाना चाहती है।राहुल गांधी की छवि को कमजोर करना और कांग्रेस को गालीबाज पार्टी साबित करना, ताकि असल आरोपों की चर्चा दब जाए।

सदन में नारेबाज़ी और हंगामा आमजन के लिए यह संकेत है कि आने वाले दिनों में विकास और विधायी कामकाज से ज़्यादा जोर राजनीतिक बयानबाज़ी पर रहेगा।मानसून सत्र का पहला दिन यह तय कर गया है कि आने वाले दिनों में सदन में बहस कम और हंगामा ज़्यादा होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपने–अपने पॉलिटिकल नैरेटिव फिक्स कर दिए हैं । बीच में चाहे खेजड़ी संरक्षण का सवाल हो, डख भर्ती का विवाद हो या झालावाड़ हादसे का दर्द, इन मुद्दों को कितना स्पेस मिलेगा, यह इस पर निर्भर करेगा कि दोनों बड़ी पार्टियां अपने शोर–शराबे से उन्हें कितना दबाती हैं या जगह देती हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल

पंजाब के सीएम भगवंत मान से बात कर बाढ़ पीड़ितों को दिया मदद का आश्वासन

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फाजिल्का और फिरोज़पुर ज़िलों में सतलज, व्यास और रावी नदियों के जलस्तर बढ़ने से आई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से फ़ोन पर बात कर राहत कार्यों के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में पड़ोसी राज्य के साथ खड़े रहना मानवीय कर्तव्य है और राजस्थान सरकार इस दिशा में पूरा सहयोग करेगी।

भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के सीमावर्ती ज़िलों–विशेषकर पंजाब से सटे क्षेत्रों–के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आपदा प्रबंधन में पंजाब प्रशासन को यथासंभव सहयोग प्रदान करें। उन्होंने मेडिकल टीमों को भी सतर्क रहने और ज़रूरत पड़ने पर तुरंत सहायता पहुँचाने के निर्देश दिए। सीमावर्ती ज़िलों के जनप्रतिनिधियों से बातचीत कर मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करने की अपील की। पंजाब के फाजिल्का और फिरोज़पुर ज़िले राजस्थान की सीमा से लगे हुए हैं, जहाँ बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

अधिकारियों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट जल्द पेश करे सरकार: हाईकोर्ट

झुंझुन, 01 सितंबर (एजेंसियां)। पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने झुंझनू जिले में हुई नियमविरुद्ध रजिस्ट्रियां और रजिस्ट्री शुल्क में चोरी के मामलों में अधिकारियों पर हुई कार्यवाही की रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, अभिनव भंडारी और डॉ टी एन शर्मा ने बताया कि सन 2018 से 2020 के मध्य झुनझुन जिले में बहुत सारी रजिस्ट्री नियम विरुद्ध की गई जिसमे राज्य सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व की हानि हुई। बहुत सारी संपत्ति जो व्यवसायिक थी उनको आवासीय बताते हुए पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने मिली भगत करके रजिस्ट्रियां करवा दी गई या संपत्तियों का मूल्य कम बताते हुए रजिस्ट्रियां कर दी गई और करोड़ो रुपए के राजस्व का राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाया।

इस विषय में याचिकाकर्ता के द्वारा सक्षम स्तर पर शिकायतें की गई जिस पर डीआईजी स्टांप अजमेर के जाँच अधिकारियों ने करोड़ो रूपए के राजस्व की हानि को प्रमाणित पाया और अधिकारियों को दोषी माना लेकिन लंबे समय तक उनके बीच कोई कार्यवाही नहीं की गई और ना उनको वहां से स्थानांतरित किया गया।

राज्य सरकार की तरफ़ से अतिरिक्त अधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि संबंधित कार्मिको के ख़िलाफ़ अन–ुशासनात्मक कार्यवाही की गई है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओ ने बताया की राज्य सरकार ने दोषी कार्मिको और अधिकारियों के ख़िलाफ़ कोई भी प्रभावी कार्यवाही नहीं की है यहां तक कि उनके वहां से स्थानांतरण भी नहीं किया गया और ना रूपों की वसूली की गई। सुनवाई के पश्चात राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर खंडपीठ के न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संजीत पुरोहित की पीठ ने राज्य सरकार ने सभी अधिकारियों के विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही का परिणाम कोर्ट में पेश करने के आदेश जारी किए और यह भी आदेश किया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में अगर मामला दर्ज किया है तो उसकी भी जानकारी कोर्ट में प्रस्तुत करे।

आरएसएस 2 अक्टूबर से मनाएगा संघ शताब्दी वर्ष

भीलवाड़ा, 01 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ – भीलवाड़ा महानगर द्वारा आगामी 02 अक्टुबर से 20 अक्टूबर विजयादशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाएगा। शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर तय कार्यक्रमों के आधार पर विशाल कार्यक्रम नही होकर समाज जागरण हेतु छोटे–छोटे आयोजनों व कार्यक्रमों के द्वारा संघ प्रत्येक परिवार तक अपना विचार लेकर जाएगा। इस अवसर पर बड़े कार्यक्रमों के बजाय छोटे–छोटे बस्ती–स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से संघ प्रत्येक घर तक पहुँचेगा। भीलवाड़ा महानगर की जानकारी देते हुए महानगर के मा. संघचालक कैलाश खोईवाल ने बताया कि भीलवाड़ा शहर को 50 बस्तियों में विभाजित किया गया है, और इन्हीं बस्तियों के अनुसार वर्षभर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों के प्रारंभ में भीलवाड़ा महानगर में लगने वाली प्रत्येक शाखा अपना–अपना शाखा संचलन वह अपने – अपने शाखा क्षेत्र में दिनांक 30 अगस्त शनिवार से 7 सितंबर रविवार के मध्य निकालेगी जिसकी तैयारी को लेकर सभी शाखों में कार्यकर्ता उत्साहित है प्रत्येक शाखा अपने शाखा क्षेत्र के प्रत्येक परिवारों में संपर्क कर उन्हें शाखा संचलन में आने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं व उनकी संघ की गणवेश पूर्ण करवा रहे हैं। संचलन को लेकर प्रत्येक शाखा अपने स्तर पर घोष के वादन की तैयारी भी कर रही है कार्यकर्ता रात्रि के समय प्रातः काल के समय घोष की स्वर लहरियो पर अपना अभ्यास कर रहे हैं।

हरियाणा के राष्ट्रीय राजमार्गों पर होगा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण: अनिल विज

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बताया है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। विज ने हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण को लेकर श्री गडकरी को पत्र लिखा था। केंद्रीय मंत्री ने इसके जवाब में कहा कि राजमार्गों के किनारों पर वृक्षारोपण और सौंदर्यकरण कार्य मानसून सत्र में एजेंसियों या राज्य के वन विभाग के माध्यम से किया जाएगा। इस वर्ष भी आगामी बारिश के दौरान बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण होगा और इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

विज ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के मार्गदर्शन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रयासों से हरियाणा में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है, जिनमें 152–डी, जम्मू–कटरा एक्सप्रेसवे, पानीपत–रोहतक, अंबाला–हिसार और पंचकूला–यमुनानगर मार्ग शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से प्रदेश की जनता को बहुत सुविधा मिली है और उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। विज ने यह भी कहा कि राजमार्गों के किनारों पर वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और सड़कों की सुंदरता भी बढ़ेगी।

प्रो. असीम कुमार घोष बने 'निक्षय मित्र', 5 टीबी रोगियों को अपनाया

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष एवं उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष ने सोमवार को राजभवन, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 5 टीबी रोगियों को 'निक्षय मित्र' के रूप में गोद लिया। इस अवसर पर उन्होंने रोगियों को पोषण संबंधी सहायता भी प्रदान की।

कार्यक्रम में राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश राजू और डब्ल्यूएचओ के नोमिनी डॉ. सुखवंत ने राज्यपाल को प्रदेश में चल रहे टीबी अभियान की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि वे हरियाणा को टीबी मुक्त राज्य बनाने के अभियान में हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस मुहिम में शामिल होने का

आह्वान करते हुए कहा– आइए, हम सब मिलकर एक टीबी मुक्त समुदाय का निर्माण करें।

उन्होंने बताया कि सामुदायिक सहायता कार्यक्रम 'निक्षय मित्र' को 9 सितम्बर 2022 को माननीया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य टीबी रोगियों को इलाज के दौरान पोषण, जांच और व्यावसायिक सहयोग उपलब्ध कराना है, ताकि उपचार के परिणाम बेहतर हो सकें। हरियाणा में यह पहल 17 सितम्बर 2022 से शुरू की गई थी और अब तक लगभग 2200 गांव टीबी मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से पूरा प्रदेश जल्द ही टीबी मुक्त हरियाणा बनेगा।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक की मधुबन में कानून व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण पर उच्च स्तरीय बैठक

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने मधुबन में आयोजित दो दिवसीय उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण से जुड़े मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और जनसेवा को लेकर कई अहम दिशा–निर्देश जारी किए और कहा कि पुलिसिंग का मूल उद्देश्य जनता को न्यायसंगत, पारदर्शी और प्रभावी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कपूर ने निर्देश दिए कि महिला विरुद्ध अपराधों का पर्यवेक्षण उच्च अधिकारी स्वयं करें और पीड़िताओं की काउंसलिंग सुनिश्चित की जाए । उन्होंने कहा कि यदि जेल से बाहर आने के बाद भी आरोपी महिला को परे–शान करता है तो इसे गंभीरता से लिया जाए।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025 में वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में बलात्कार, बलात्कार के प्रयास, अपहरण, छेड़छाड़ और दहेज हत्या जैसे सभी प्रमुख शीर्षकों में 16% से 25% तक की कमी आई है। इस उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने महिला सुरक्षा के प्रति पुलिसबल की प्रतिबद्धता की सराहना की और समर्पित प्रयासों से अपराध नियंत्रण करने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों का मनोबल बढ़ाया।

यह भी बताया गया कि डीएसआरएएफ के 46 वाहनों को डायल 112 के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, रोहतक के सुनारिया में एक

महिला पुलिस 'दुर्गा बटालियन' स्थापित की गई है, जिसमें कुल 540 महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके साथ ही, प्रदेश में महिलाओं से छेड़छाड़ वाले संवेदनशील क्षेत्रो में हॉटस्पॉट तथा हॉटरूट चिन्हित किए गए हैं जहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाये गए है तथा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है ताकि महिलाओ को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाया जा सके।

बैठक में हिंसक अपराधों की रोकथाम के लिए जिलों के सीलिंग प्लान का गहन अध्ययन करने और इन्हें और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही ईआरवी और पीसीआर पर जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया ताकि अपराधियो को अपराध करने से रोक जा सके एवं अपराध हो जाने के बाद उन्हें जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

बैठक में बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से अब तक हरियाणा पुलिस ने अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस अवधि में 110 मुठभेड़ों में 13 खूंखार अपराधी मारे गए और 156 घायल हुए। केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से 9 कुख्यात बदमाशों का प्रत्यर्पण कराया गया, 70 लुकआउट सर्कुलर और 27 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए। साथ ही 29 फर्जी पासपोर्ट मामलों में एफआईआर दर्ज कर 21 पासपोर्ट रद्द किए गए। संगठित अपराध और उसके ऑनलाइन महिमामंडन पर भी प्रभावी कार्रवाई की गई, जिसमें 54 आपत्तिजनक गाने और कई अपराधियों के सोशल मीडिया अकाउंट बंद कराए गए। डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हरियाणा पुलिस की टीम ने साहस और प्रतिबद्धता से अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर कानून व्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने पुलिस के जवानों को बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीजीपी कपूर ने सबसे पहले सूदखोरी की अमानवीय प्रथा पर कठोर रुख अपनाने

सात घंटे के अंदर लखनऊ में हुए दो धमाके

पुलिस के संरक्षण में चल रहा विस्फोटकों का धंधा

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

लखनऊ के गुडंबा इलाके में रविवार को सात घंटे के अंदर एक के बाद एक दो धमाके हुए। इन धमाकों में दो लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। गुडंबा के बेहटा गांव में रिहायशी इलाके में आलम के घर के अंदर पटाखे बनाने का कारोबार चल रहा था। बेहटा की घटना मात्र बानगी है। शहर और गांव में जगह-जगह अवैध रूप से पटाखे बनाने और उन्हें जमा रखने के मामलों में पुलिस-प्रशासन की असफलता राजधानी के लिए बड़े खतरे का संकेत है। हादसा होने के बाद अधिकारी कह रहे हैं कि आलम के पास लाइसेंस था या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। हालांकि सवाल उठने लगा है कि हादसे के बाद जांच से क्या होगा। अगर समय रहते ही जांच की गई होती तो शायद हादसा होने से बचाया जा सकता था। शहर में इस तरह की घटना कोई पहली बार नहीं है। पहले भी जिले में घरों में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं में कई लोग जान गंवा चुके हैं। हर घटना के धमाके से जिम्मेदारों की नींद टूटती है और जांच की बात कही जाती है।

बेहटा निवासी आलम के घर में हुए विस्फोट को लेकर पुलिस-प्रशासन की यही बयानबाजी सामने आई। डीसीपी ने दावा किया आलम की भाभी खातूना के नाम पर पटाखे बनाने का लाइसेंस है। खातूना के बेटे वारिस ने लाइसेंस के लिए आ-वेदन किया है। सवाल ये है कि यदि आलम की भाभी के नाम परलाइसेंस है तो आलम के घर में पटाखे क्यों मौजूद थे। रिहायशी इलाके में पटाखे बनाने और रखने का लाइसेंस दिया ही क्यों गया। उधर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने साफ कहा है कि आलम के घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। बेहटा गांव में सुबह व शाम को वहां से कुछ ही दूरी पर एक गोदाम में हुए विस्फोट के मामले में देर रात डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बेहटा चौकी इंचार्ज संतोष पटेल और सिपाही धर्मेंश चाहर को निलंबित कर दिया है।

गुडंबा के बेहटा गांव में सुबह हुए विस्फोट के सात घंटे के बाद घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूरी पर पटाखों के एक अवैध गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में एक गाय की मौत हो गई और एक भैंस घायल हो गई। धमाका इतना तेज था कि पूरा गोदाम ढह गया। ये गोदाम बेहटा गांव में सुबह हुए हादसे में मृत आलम के भतीजे शेरू का बताया गया है। चर्चा है कि आलम के घर में विस्फोट की खबर के बाद इस अवैध गोदाम को खाली करने का काम चल रहा था। इसी दौरान आग लगी और धमाके से इलाका गूंज उठा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेहटा गांव में रहने वाले आलम का भतीजा शेरू सेमरा गांव में पटाखों का एक गोदाम बना रहा था। गोदाम हजार स्क्वायर फीट का था। रविवार शाम साढ़े छह बजे शेरू के गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ और आग-धुएं का गुबार दूर तक देखा गया।

घटना के बाद मौके पर ईंटों का ढेर ही बचा। दूर तक पटाखे फैले नजर आए। विस्फोट की चपेट में आने से मिश्रपुर डिपो निवासी मुन्नू की गाय की मौत हो गई और भैंस घायल हो गई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह, एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह, एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंच पानी डालकर सुलग रहे पटाखों को निष्क्रिय किया।

सुबह के वक्त बेहटा गांव में हुए विस्फोट के मुकाबले शाम के वक्त शेरू के गोदाम में हुए धमाके की तीव्रता पांच गुना थी। लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज तीन से चार किलोमीटर दूर तक लोगों को सुनाई दी। इससे पूरा इलाका दहल गया। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकल आए। इस बीच पुलिस की साइयन बजाती गाड़ियां दौड़ने लगीं। कुछ देर के बाद ग्रामीणों को पता चला कि पटाखे के गोदाम में विस्फोट हुआ था।

बीते पांच वर्ष में इस गांव में छोटे-बड़े मिलाकर इस तरह के चार हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद घरों में पटाखे बनाने का धंधा बंद नहीं हुआ। बेहटा गांव में पटाखों में विस्फोट से जान गंवाने वाले आलम के घर से कुछ दूरी पर रामचंद्र का घर है। उन्होंने बताया कि इस रिहायशी इलाके में कई लोग काफी समय से घर में पटाखे बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में वर्ष 2020 से लेकर अब तक चार बार पटाखे के कारण घरों में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं। पहले भी एक महिला की जान जा चुकी है। ग्रामीण इदरीश ने बताया कि गांव में काफी समय से पटाखा बनाने का कारोबार हो रहा है। कई बार लोगों ने शिकायत भी की, मगर न पुलिस और प्रशासन ने कुछ नहीं किया। हर समय लोगों को अपनी जान जाने का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज दो लोगों की जान गई है। इसी तरह पटाखे बनते रहे तो और भी लोग हादसे के शिकार बन जाएंगे।

एससी-एसटी को 23 की जगह दे दिया 78% आरक्षण

सामान्य के हिस्से में आई सिर्फ नौ फीसदी सीटें

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज, अंबेडकरनगर, जालौन और सहारनपुर में एमबीबीएस के दाखिलों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति को 23 के बजाय 78 फीसदी आरक्षण दे दिया गया। वहीं अति पिछड़े वर्ग को 13 फीसदी और सामान्य का हिस्सा सिर्फ नौ फीसदी जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) का कोटा लागू ही नहीं किया। ऐसे में हाईकोर्ट ने नीट 2025 की काउंसिलिंग रद्द करने का आदेश दिया है। हालांकि अब चिकित्सा शिक्षा विभाग दोबारा अपील की तैयारी में जुटा है।

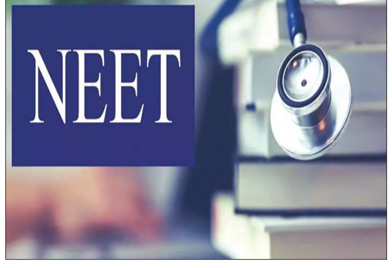

प्रदेश में अनुसूचित जाति को 21, अनुसूचित जनजाति को 2, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 और ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था है। मेडिकल कॉलेजों का निर्माण अलग-अलग समय पर हुआ है। कन्नौज, अंबेडकरनगर, जालौन और सहारनपुर स्थित मेडिकल कॉलेज के निर्माण के वक्त समाज कल्याण विभाग की ओर से विशेष घटक के तहत 70 फीसदी बजट दिया गया। जबकि 30 फीसदी बजट सामान्य था।

हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका में बताया गया कि इन कॉलेजों में दाखिला लेने वाले छात्रों को हॉस्टल में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चों को 70 फीसदी आरक्षण देना था, लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से इसकी गलत व्याख्या कर दी गई। इसके बाद एमबीबीएस के दाखिलों में अनुसूचित जाति और जनजाति को 23 फीसदी आरक्षण देने की जगह 78 फीसदी आरक्षण दे दिया गया। यह व्यवस्था कई साल से चल रही है। इस वर्ष की काउंसिलिंग में भी इसी व्यवस्था के तहत सीटें आवंटित की गई हैं। ऐसे में हाईकोर्ट ने काउंसलिंग को ही रद्द कर दिया है।

इन चारों कॉलेजों में एमबीबीएस की 100 सीटें हैं। जिसमें 15 फीसदी सीटें केंद्र के कोटे की हैं। बची 85 फीसदी सीटों में 78 फीसदी एससी-एसटी को दी गईं। बाकी सीटों पर पिछड़े व सामान्य वर्ग के अभ्यार्थियों को दाखिला दिया गया। खास बात यह है कि इन चारों कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस को एक भी सीट नहीं दी गई। हाईकोर्ट के आदेश को लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग दोबारा अपील की तैयारी में है। इसके लिए संबंधित कॉलेजों के निर्माण से जुड़े दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। उन दस्तावेजों की भी पड़ताल शुरू की गई है, जिसमें निर्माण के वक्त आरक्षण की बात कही गई है। विभाग के अधिकारी यह भी तर्क दे रहे हैं कि संबंधित कॉलेजों में पहले से ही इसी आरक्षण व्यवस्था के तहत एमबीबीएस की सीटें आवंटित होती रही हैं। यही वजह है कि इस वर्ष भी पूर्व में लागू व्यवस्था के तहत सीटें आवंटित की गई है। प्रथम चरण की काउंसलिंग रद्द किए जाने से सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों की सीट मैट्रिक प्रभावित होगी। खाली सीटों के आवंटन में भी दिक्कतें आएंगी।

व्यापारी बने अपराधी : 52 डेबिट कार्ड के साथ पांच व्यापारी गिरफ्तार

आगरा, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

पुलिस ने फर्नीचर और मूर्ति व्यापारी समेत पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरोह एटीएम पर आने वाले ग्राहकों को बातों में उलझाकर क्लोरोफॉर्म सुंघाकर बेहोश कर देता था और फिर डेबिट कार्ड बदलकर खाते से रकम निकाल लेता था।

गाजियाबाद के फर्नीचर और मूर्ति व्यापारी एटीएम में आने वाले ग्राहकों को बातों में उलझाकर बेहोश कर देते थे। डेबिट कार्ड बदलकर खाते से रकम निकाल लेते थे। पुलिस टीम ने दसवीं पास दो सरगना सहित पांच को पकड़ा है। उनके पास से अलग-अलग बैंकों के 52 डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि 5 अगस्त को रुनकता निवासी समीर भाभी के डेबिट कार्ड से रुपए निकालने के लिए सिकंदरा स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम गए थे। जब एटीएम से रुपए निकालने लगे, तो दो लोग आ गए। उन्होंने बातों में उलझाकर कुछ सुंघाकर बेहोश कर दिया। आरोपी डेबिट कार्ड बदलकर 20 हजार रुपए खाते से निकाल चुके थे। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में दो आरोपी स्कूटर से एटीएम के बाहर नजर आए।

स्कूटर की पहचान के आधार पर पांच आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी सोहिल और अमन मुख्य सरगना हैं। सोहिल का फर्नीचर और अमन का मूर्तियां बनाने का काम है। दोनों दसवीं तक पढ़े हैं। व्यापार से उनके खर्चे पूरे नहीं हो पाते हैं। इस कारण वारदात करते हैं। अपने पास क्लोरोफॉर्म रखते हैं। एटीएम आने वाले व्यक्ति को कपड़े में क्लोरोफॉर्म सुंघाकर बेहोश कर देते थे। उसके बाद डेबिट कार्ड बदल देते थे।

पुलिस को जानकारी मिली है कि आरोपियों ने दिल्ली एनसीआर में वारदात की है। इसके विषय में जांच जारी है। खालिद दूध, फराज की टैक्सी चलाने और हारुन कपड़ों पर प्रेस का काम करता है। वह कार से अलग-अलग जगह जाते थे। कम पढ़े लिखे लोगों को शिकार बना लेते थे। पुलिस ने गाजियाबाद निवासी सोहिल, अमन, खालिद, हारून और फराज को गिरफ्तार किया है। उनसे 52 डेबिट कार्ड, दो तमंचे, चार कारतूस, 5930 रुपए, चार मोबाइल और एक कार बरामद की गई है।

विमुक्त जाति दिवस समारोह में सीएम योगी का बड़ा ऐलान

घुमंतू जातियों के लिए गठित होगा बोर्ड

घुमंतू जातियों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की विमुक्त एवं घुमंतू जातियों के कल्याणार्थ आयोजित विमुक्त जाति दिवस समारोह में घोषणा की कि घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन किया जाएगा। इन जातियों के लोगों को कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने विमुक्त जाति दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियां देश की वह वीर जातियां हैं जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने इनके पराक्रम से भयभीत होकर वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया और इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को इससे मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि विमुक्त जाति दिवस उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब इन समुदायों को आजादी के मायने समझ आए। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार पूरी ईमानदारी से विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि 9 जनपदों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, दो आवासीय आश्रम पद्धति विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जबकि 101 आवासीय विद्यालय पहले से चल रहे हैं। यहां छात्रों को रहने, खाने से लेकर यूनिफॉर्म तक की व्यवस्था सरकार कर रही है। इसके अलावा 264 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में विमुक्त जातियों के बच्चों के लिए भी विशेष सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने वनटांगिया समाज का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने उन्हें राजस्व गांव का दर्जा दिया, मताधिकार का अधिकार दिया, उनके लिए घर, स्कूल और अस्पताल बनवाए। इसी तरह मुसहर, कोल, थारू, गौड़, चेरो और सहरिया जैसी जातियों के लिए भी योजनाएं संचालित की गईं। कुम्हार, निषाद और राजभर समाज को भी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है।

सीएम ने कहा कि अब विमुक्त और घुमंतू जातियों को भी जमीन के पट्टे और मतदान की सुविधा दी जाएगी। इस संबंध में उन्होंने समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से मंच से ही कहा कि घुमंतू जातियों के लिए बोर्ड का गठन किया जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जैसे शामली और वनटांगिया का मॉडल बना, उसी तरह घुमंतू जातियों के लिए भी योजनाएं लागू होंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश की पुलिस भर्ती में घुमंतू जातियों से जुड़े कई युवक-युवतियों का चयन हुआ है, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार बिना भेदभाव के सभी वर्गों को समान अवसर दे रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, मंत्री असीम अरुण, नरेन्द्र कश्यप, संजीव गौड़, बैजनाथ रावत, बेचन राम, जीत सिंह खरवार, विश्वनाथ प्रसाद, वाईपी सिंह, भगवान नाथ, डॉ. शोभा चौधरी सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा

संभल में हिंदू समुदाय हमेशा पीड़ित रहा

पृथ्वीराज चौहान ने बनवाया था हरिहर मंदिर बाबर ने मस्जिद बनाया

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संभल मुद्दे पर लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच आयोग ने रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। हम इसे कैबिनेट में ले जाएंगे, इसके उपरांत कार्रवाई के लिए उसे आगे भेजेंगे, फिर इस संदर्भ में बात करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि आज की बातचीत न जांच रिपोर्ट से प्रेरित है और न ही उसका संदर्भ लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और 2024 से लेकर कई बार संभल की चर्चा आई है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल में डेमोग्राफी बदलने के बारे में समय-समय पर मीडिया रिपोर्ट आती रहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार चर्चा करते हैं कि यूपी व अन्य राज्यों में डेमोग्राफी बदलने के लिए संगठित रूप से कुछ गिरोह विदेशी ताकतों के इशारे पर करते हैं। हमारी प्रतिबद्धता सभी को साथ लेकर चलने की है। हम किसी भी स्थिति में डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे और पूर्ववर्ती स्थिति मेंटेन करेंगे। पाठक ने कहा कि 1924 में संभल में दंगा हुआ था। कई हिंदु परिवारों को मौत के घाट उतार गया था। उस समय महात्मा गांधी ने जवाहर लाल नेहरू से कहा था कि आप वहां का दौरा कीजिए। 8-10 सितंबर1924 को जवाहर लाल नेहरू ने दौरा किया और 12 सितंबर को 13 पन्नों की रिपोर्ट महात्मा गांधी को सौंपी थी।

डिप्टी सीएम ने एक सदी पहले नेहरू की उस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि रिपोर्ट में स्पष्ट है कि संभल में हिंदू सदा पीड़ित रहे। तुष्टिकरण और समाज को बांटने वाली सरकारों ने जनसंख्या संतुलन को बिगड़ने दिया। उस पर कार्रवाई नहीं की, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। हमारी सरकार संभल सहित पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था को बरकरार रखेगी। पाठक ने कहा कि संभल में जो दंगा हुआ था, मुस्लिम समाज के उपद्रवियों ने मंदिरों को निशाना बनाया था। कई हिंदू परिवारों को मौत के घाट उतार दिया था। एक हिंदू को कुएं में धकेल कर असमय मौत के मुंह में फेंक दिया गया था। कई लोगों की हत्या हुई, कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। उस समय नेहरू जी ने रिपोर्ट में कहा था कि हरिहर मंदिर महाराज पृथ्वीराज चौहान ने बनवाया था। बाबर ने इसे मस्जिद में बदलने का कार्य किया। यह ऐतिहासिक दस्तावेज बताता है कि संभल में हिंदुओं की पीड़ा अचानक नहीं हुई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन परंपरा के धार्मिक ग्रंथों में जानकारी मिलती है कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होने वाला है, इसलिए हर भारतवासी के मन में संभल के प्रति अटूट आस्था रही है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय से लेकर अब तक संभल में एससी, एसटी समाज हो या रस्तोगी-दुबे परिवार के सदस्य, डेमोग्राफी बदलने में किसी को भी बख्शा नहीं गया। सबके खिलाफ हमेशा अत्याचार होते हुए सरकार चलाई गई। नतीजतन हिंदु भाई-बहनों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके घर-मकान छीन लिए गए। कानून व्यवस्था नाम मात्र की रह गई, लेकिन 2017 के बाद से संभल, शामली, कैराना, मुजफ्फरनगर में पूरी तरह से पलायन रूका है और लोग अपने घरों को लौट रहे हैं।

गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई के स्पष्ट नियम बनाने का निर्देश

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट तथा मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता जताई। सोमवार को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें अलग से आ-वेदन न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्राणघातक रोग से पीड़ित होने की आशंका वाले सिद्धदोष बंदी, जिसे मुक्त करने पर उसके स्वस्थ होने की उपयुक्त संभावना है तथा वृद्धावस्था, अशक्तता या बीमारी के कारण भविष्य में ऐसा अपराध करने में स्थायी रूप से असमर्थ बंदी, जिसके लिये वह दोषी ठहराया गया हो के साथ-साथ घातक बीमारी या किसी प्रकार की अशक्तता से पीड़ित सिद्धदोष बंदी जिसकी मृत्यु निकट भविष्य में होने की संभावना हो, के संबंध में प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेल मैनुअल में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहां से सामाजिक जोखिम न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हत्या, आतंकवाद, देशद्रोह, महिला और बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराध जैसे मामलों में रिहाई कतई नहीं की जानी चाहिए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के पुरस्कार में 4 गुना इजाफा, विजेता टीम को मिलेंगे 4.48 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट के इतिहास में नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना बढ़ोतरी की घोषणा की है।

भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को रिकॉर्ड 4.48 मिलियन डॉलर मिलेंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि यह घोषणा महिला क्रिकेट की यात्रा में ऐतिहासिक क्षण है। हमारी सोच स्पष्ट है कि महिला खिलाड़ियों को भी पुरुषों के बराबर सम्मान और अवसर मिलना चाहिए। यह कदम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगा।यह निर्णय महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और खेल में पे-परिटी (समान भुगतान) की नीति को आगे बढ़ाने के लिए लिया गया है। आईसीसी ने बताया कि इस बार कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर होगी, जो 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित पिछले संस्करण की 3.5 मिलियन डॉलर की राशि से लगभग 297 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह है कि यह राशि पुरुषों के 2023 विश्व कप (10 मिलियन डॉलर) से भी ज्यादा है। विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका के पांच स्थानों गुवाहाटी, इंदौर, नवी मुंबई, विशाखापट्टनम और कोलंबो में होगा।

पुरस्कार राशि का ब्योरा

विजेता टीम – 4.48 मिलियन डॉलर (2022 की तुलना में 239% अधिक)

उपविजेता – 2.24 मिलियन डॉलर (2022 में 600,000 डॉलर)

सेमीफ़ाइनल हारने वाली दोनों टीमें – 1.12 मिलियन डॉलर प्रत्येक (2022 में 300,000 डॉलर)

ग्रुप स्टेज की प्रत्येक जीत – 34,314 डॉलर

5वें और 6ठे स्थान पर रहने वाली टीमें – 700,000 डॉलर प्रत्येक

7वें और 8वें स्थान पर रहने वाली टीमें – 280,000 डॉलर प्रत्येक

सभी प्रतिभागी टीमों को न्यूनतम राशि – 250,000 डॉलर।

न्यूज ब्रीफ

जापान की अकाने यामागुची ने तीसरी बार जीता बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप खिताब

नई दिल्ली। पेरिस में खेले गए बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप के महिला एकल फाइनल में जापान की अकाने यामागुची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की पूर्व विश्व नंबर-1 चेन यूफेई को सीधे सेटों में 21-9, 21-13 से हराकर तीसरी बार विश्व खिताब अपने नाम किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त यामागुची ने महज 37 मिनट में मुकाबला समाप्त कर 2021 और 2022 के बाद अपना तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। मैच के दौरान वह पूरी तरह आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। चीन की टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय और मौजूदा चैम्पियन दक्षिण कोरिया की आन से-यंग को हराया था। हालांकि, इस दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी और फाइनल में उनकी मूवमेंट पर इसका असर साफ दिखाई दिया। यामागुची ने पहले गेम में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और दूसरे गेम में अंतराल के बाद लगातार अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित कर ली। यह चेन का दूसरा विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक है। इसी टूर्नामेंट में मलेशिया की चौथी वरीय जोड़ी चेन टांग जी और तोह ई वी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की दूसरी वरीय जोड़ी जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-15, 21-14 से मात देकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब अपने नाम किया।

यूपी टी20 लीग: मेरठ मैवरिक्स ने रिंकू सिंह और स्वस्तिक की तूफानी पारियों से नोएडा किंग्स को 8 विकेट से हराया

लखनऊ। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले गए यूपी टी20 लीग सीजन-3 के रोमांचक मुकाबले में मेरठ मैवरिक्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नोएडा किंग्स को 8 विकेट से मात दी। 201 रनों का विशाल लक्ष्य मैवरिक्स ने मात्र 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नोएडा किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 200/3 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कप्तान प्रशांत वीर ने 29 गेंदों पर 57 रन (8 चौके, 2 छक्के) की विस्फोटक पारी खेली, जबकि शिवम चौधरी ने नाबाद 85 रन (56 गेंद, 5 चौके, 6 छक्के) जड़े। रवि सिंह ने भी 21 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में मेरठ के लिए यश गर्ग (4 ओवर, 26 रन, 1 विकेट) सबसे किफायती रहे। 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ मैवरिक्स की शुरुआत जोरदार रही। स्वस्तिक छिकारा ने 38 गेंदों पर 64 रन (2 चौके, 7 छक्के) जड़कर पारी को रफ्तार दी। उनके साथ रितुराज शर्मा ने 56 रन (44 गेंद, 4 चौके, 3 छक्के) बनाए। अंत में कप्तान रिंकू सिंह ने केवल 12 गेंदों पर 37 रन (3 चौके, 3 छक्के) की धमाकेदार पारी खेली, जबकि माधव कौशिक ने 38 रन (19 गेंद, 1 चौका, 4 छक्के) जड़कर टीम को 18.3 ओवर में जीत दिला दी। मेरठ मैवरिक्स ने 202/2 रन बनाकर नोएडा किंग्स को 8 विकेट से हराया। इस जीत के साथ मेरठ मैवरिक्स ने अंकतालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

सैमसन की केसीएल में आक्रामक बल्लेबाजी, एलेप्पी के खिलाफ 41 गेंदों पर बनाये 83 रन

त्रिवेन्द्रीम । एशिया कप के ठीक पहले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का शानदार प्रदर्शन जारी है। सैमसन ने केरल प्रीमियर क्रिकेट लीग (केसीएल) में पारी की शुरुआत करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। केसीएल में कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए सैमसन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पांच पारियों में ही 355 रन बना दिये। इसमें उन्होंने 30 छक्के लगाये हैं। उन्होंने लगातार चार अर्धशतक लगाये। सैमसन ने एलेप्पी रिपल्स के खिलाफ मैच में आक्रामक पारी खेलकर 41 गेंदों पर ही 9 छक्के और 2 चौके लगाकर 83 रन बनाये। उन्होंने 202.44 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए दावेदारी की सैमसन ने 54 रन तो छक्कों से ही बना डाले। उनके इस प्रदर्शन से कोच्चि ब्लू टाइगर्स आसानी से 177 रन का लक्ष्य हासिल लिया। सैमसन ने केसीएल के इस सत्र में अभी तक पांच पारियों में 121 रन, 13, 89 रन, 62 रन और 83 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए सैमसन का चयन हुआ है पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिलने की संभावना कम ही है।

रोहित ने पास किया प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुए प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट को पास कर लिया है। इससे अब रोहित के अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलने को लेकर लगी सभी आशंकाएं समाप्त हो गयी हैं। इसी के साथ ही रोहित की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी भी तय हो गयी है। रोहित आईपीएल 2025 सत्र के बाद से ही मैदान से बाहर हैं। जिससे उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठते रहे हैं। वहीं अब रोहित ने फिटनेस टेस्ट पास कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। रोहित ने इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तभी से कहा जाने लगा था कि अब वह एकदिवसीय प्रारुप को भी अलविदा कह देंगे पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पुष्टि की थी कि वह एकदिवसीय कप्तान बने रहेंगे। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय दौरे के बाद 50 ओवर क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। रोहित ने हालांकि अभी तक इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रोहित के अनुसार उन्होंने अनिवार्य फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

ओवल इनविंसिबल्स ने तीसरी बार जीता द हंड्रेड खिताब

लंदन,01 सितंबर (एजेंसियां)।

ओवल इनविंसिबल्स ने लगातार तीसरी बार 'द हंड्रेड' का खिताब अपने नाम किया। रविवार रात खेले गए फाइनल में उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक रहे विल जैक्स (72 रन) और नाथन सोउटर (3/25), जिन्होंने निर्णायक प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इनविंसिबल्स ने 168/5 का स्कोर खड़ा किया। विल जैक्स ने 41 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए, जबकि जॉर्डन कॉक्स ने 40 रन जोड़े। दोनों के बीच 87 रनों की अहम साझेदारी हुई। हालांकि, आखिरी ओवरों में रॉकेट्स के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और सिर्फ 25 रन ही दिए, जिससे इनविंसिबल्स बड़ा स्कोर बनाने से चूक गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉकेट्स की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में उन्होंने 32 रन बनाए लेकिन नाथन सोउटर ने मिडिल ओवर्स में कहर ढा दिया। उन्होंने जो रूट (10) को आउट करने के बाद रेहान अहमद और टॉम बैंटन को भी चलता किया। इससे रॉकेट्स का स्कोर 37/3 हो गया।

इसके बाद डेविड विली और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को संभालने की कोशिश की। स्टोइनिस ने शानदार 64 रन (38 गेंद) बनाए और आखिरी तक जूझते रहे। रॉस व्हाइटली ने भी उनका साथ दिया और दोनों ने 38 रन की साझेदारी की, लेकिन रन रेट का दबाव भारी पड़ गया। आखिरी ओवर में 33 रन की दरकार थी, जो संभव नहीं हो सका और पूरी टीम 142/8 तक ही पहुंच सकी।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

ओवल इनविंसिबल्स: 168/5 (विल जैक्स 72, जॉर्डन कॉक्स 40; मैट कार्टर 2/24)

ट्रेंट रॉकेट्स: 142/8 (मार्कस स्टोइनिस 64; नाथन सोउटर 3/25, साकिब महमूद 2/22)

परिणाम: ओवल इनविंसिबल्स 26 रन से विजयी।

टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 : नीरज चोपड़ा भारत की 19 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे, अविनाश साबले बाहर

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने रविवार को टोक्यो में अगले महीने शुरू होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की अंतिम 19 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में 14 पुरुष और 5 महिला एथलीट शामिल हैं, जो 15 अलग-अलग स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे।

भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद एक बार फिर भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा होंगे, जो डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते वाइल्ड कार्ड एंट्री से सीधे क्वालीफाई हुए हैं। उनके अलावा तीन और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी—सचिन यादव, यश वीर सिंह और रोहित यादव—भी मैदान में उतरेंगे।

तीन एथलीट्स ने सीधे एंट्री स्टैंडर्ड पार कर क्वालीफाई किया है—गुलवीर सिंह (5000 मीटर), प्रवीण चित्रावल (ट्रिपल जंप) और पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज)। गुलवीर 10,000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेंगे, वहीं मिडिल डिस्टेंस धाविका पूजा 800 मीटर और 1500 मीटर दोनों स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी।

हालांकि, अविनाश साबले, नंदिनी आगरसरा और अक्षदीप सिंह ने क्वालीफाई किया था लेकिन मेडिकल कारणों से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली।

एएफआई के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने बताया कि 4 से 9 सितंबर तक टोक्यो में प्री-कम्पटीशन ट्रेनिंग कैंप होगा। 10 सितंबर को सभी खिलाड़ी आधिकारिक होटल में शिफ्ट होंगे। नीरज चोपड़ा 5 सितंबर को सीधे चेक गणराज्य से टीम से जुड़ेंगे।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में खेली जाएगी।

भारतीय टीम (विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025)

पुरुष:

- 1. नीरज चोपड़ा – भाला फेंक (वाइल्ड कार्ड)
- 2. गुलवीर सिंह – 5000 मीटर (एंट्री स्टैंडर्ड)
- 3. प्रवीण चित्रावल – ट्रिपल जंप (एंट्री स्टैंडर्ड)
- 4. अब्दुल्ला अबूबकर – ट्रिपल जंप (रैंकिंग 31/36)
- 5. सर्वेश कुशारे – हाई जंप (रैंकिंग 34/36)
- 6. अनीमेश कुजूर – 200 मीटर (रैंकिंग 42/48)
- 7. सचिन यादव – भाला फेंक (रैंकिंग 20/36)
- 8. यश वीर सिंह – भाला फेंक (रैंकिंग 30/36)
- 9. मुरली श्रीशंकर – लॉन्ग जंप (रैंकिंग 36/36)
- 10. सर्विन सेबेस्टियन – 20 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 34/50)
- 11. राम बाबू – 35 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 50/50)
- 12. गुलवीर सिंह – 10,000 मीटर (इन्विटेशन)
- 13. संदीप – 35 किमी रेस वॉक (इन्विटेशन)
- 14. रोहित यादव – भाला फेंक (इन्विटेशन)
- 15. तेजस शिर्से – 110 मीटर बाधा दौड़ (इन्विटेशन)

महिला:

- 1. पारुल चौधरी – 3000 मीटर स्टीपलचेज (एंट्री स्टैंडर्ड)
- 2. अन्नू रानी – भाला फेंक (रैंकिंग 22/36)
- 3. प्रियंका गोस्वामी – 35 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 33/50)
- 4. अंकिता – 3000 मीटर स्टीपलचेज (रैंकिंग 35/36)
- 5. पूजा – 1500 मीटर (रैंकिंग 49/56)
- 6. पूजा – 800 मीटर (इन्विटेशन)।

कप्तान नितीश राणा की ऑलराउंड चमक से वेस्ट दिल्ली लायंस ने जीता डीपीएल 2025 खिताब

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के रोमांचक फाइनल में वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टीम के कप्तान नितीश राणा एक बार फिर संकटमोचक बने और नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को विजेता बनाया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही। सिमरजीत सिंह और अरुण पुंडीर ने शुरुआती झटके देकर टीम को 48/3 पर पहुंचा दिया। दबाव के इस मौके पर कप्तान राणा ने जिम्मेदारी संभाली और पहले मयंक गुसाईं के साथ 42 रनों की साझेदारी की। गुसाईं (15 रन, 11 गेंद) तेजस बारोका का शिकार बने, लेकिन राणा तब तक मैच पर पकड़ बना चुके थे। इसके बाद राणा को रितिक शौकीन का साथ मिला और दोनों ने नाबाद साझेदारी कर जीत पक्की कर दी। शौकीन ने संयम से खेलते हुए 42* (27 गेंद) बनाए, जबकि राणा ने नियंत्रित आक्रामकता दिखाते हुए लगातार चौके-छक्कों से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। दोनों की अटूट साझेदारी ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया और टीम को खिताबी जीत दिलाई। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी कर 20 ओवरों में 173/7 रन बनाए। एक समय टीम 78/6 पर जूझ रही थी, लेकिन युगल सैनी और प्रांशु विजयरण ने 78 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया। युगल सैनी ने 65 (48 गेंद) की धैर्यपूर्ण पारी खेली, जबकि प्रांशु विजयरण ने मात्र 24 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोककर आखिरी ओवरों में धूम मचा दी। गेंदबाजी में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए मनन भारद्वाज ने 3 ओवर में 2/11 के आंकड़े के साथ शानदार प्रदर्शन किया। शिवांक वशिष्ठ ने भी 2 ओवर में 2/12 झटके। कप्तान नितीश राणा ने गेंद से भी योगदान दिया और 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF DOB

I, MINI BABU Spouse of Service No. 14597346K Nk BABU A D, Resident of House Name:Ambalathingal, Vill:Edampadam Varapuzha Landing, PO:Varapuzha, Teh:Varapuzha, Dist:Ernakulam, Kerala-683517 have changed my Date of Birth from 16-07-1978 to 16-02-1969 vide affidavit dt:01-09-2025 before G.Shoba, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB

I, MINI BABU Spouse of Service No. 14597346K Nk BABU A D, Resident of House Name:Ambalathingal, Vill:Edampadam Varapuzha Landing, PO:Varapuzha, Teh:Varapuzha, Dist:Ernakulam, Kerala-683517 have changed my Date of Birth from 16-07-1978 to 16-02-1969 vide affidavit dt:01-09-2025 before G.Shoba, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, No.15746208A L/Nk INDRAJIT KUMAR, Resident of Vill:Manikpur Sani, PO:Naubtpur, Teh and Dist:Chandauli, Uttar Pradesh-232110 that my father name is to be changed from RABINDRA MAURYA to RAVINDRA MAURYA and mother name is to be changed from VIDHAWATI DEVI to VIDYAVATI DEVI vide affidavit dt:01-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME AND DOB

I, RAVEENDRAN K K Father of No.JC 313325L Sub BIJU R, Resident of House Name:Karthika, Vill:Kumarapuram, PO:Thamallakkal, Teh:Karthikappally, Dist: Alappuzha, Kerala-690548 have changed my name and DOB from RAVEENDRAN, DOB:01-07-1951 to RAVEENDRAN K K, DOB:01-01-1944 vide affidavit dt:01-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, VS LIBI Spouse of No.JC 313325L Sub BIJU R, Resident of House Name:Karthika, Vill:Kumarapuram, PO:Thamallakkal, Teh:Karthikappally, Dist:Alappuzha, Kerala-690548 have changed my name from VS LIBI to V S LIBI vide affidavit dt:01-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, NISHAD BEGUM, Spouse of SC No.14847525M, Rank: NK/SHT. Name: SHAIK SHAKEEL PASHA R/o.HNo.13-139, Sudha Nagar, Srirampur Colony Mancherial, Adilabad- District 504303 Telangana India and I have change my name from NISHAD BE GUM to SHAIK NISHAD BEGUM Vide Affi: Dt: 01-09-2025 Notary by MOHD HAMEED KHAN Advocate.

CHANGE OF NAME AND DOB

I, SC No.JC-708813X, Rank: NB-SUB, Name: KILARI VENKATESWARLU R/O. H.No.3-47A, Mundlamuru, Prakasam District, Andhra Pradesh- 523265, India, and I have change my mother name from ANUSURAIAH to KILARI ANUSURYAMMA & my mother DOB from 01-07-1961 to 01-01-1963 in my service records

एयरटेल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने कर रही एआई का इस्तेमाल

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)। भारती एयरटेल अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने अपने 3.8 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के लिए खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर जैसी सेवाओं में काम आने वाले छह अलग-अलग एआई एजेंट तैयार किए हैं। पिछले 18 महीनों से एयरटेल एआई का परीक्षण कर रही थी और पिछले कुछ तिमाहियों में इसे अपने संचालन में शामिल किया है। ये छह एआई एजेंट कंपनी के एक्सटेल्फी नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तहत काम करेंगे।

खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर के लिए एआई एजेंट किए तैयार

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयरटेल का उद्देश्य एआई को अपनी सभी संचालन प्रक्रियाओं का मुख्य हिस्सा बनाना है। इसके साथ ही एयरटेल थैंक्स ऐप को सभी ग्राहक सवालों और सेवाओं का मुख्य माध्यम बनाया जाएगा। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि करीब छह महीने पहले एआई को संचालन का केंद्र बनाया गया है। इससे पहले कंपनी ने तीन हजार इंजीनियर और टेक्नोलॉजी स्टाफ का पुनर्गठन किया है।

कंपनी ने इसके ऊपर एक डेटा प्लेटफॉर्म तैयार किया है और इस पर छह एआई एजेंट-डेटा, खरीद, निर्माण, भुगतान, सेवा और चैनल प्लेटफॉर्म्स बनाए हैं। दूसरे अधिकारी ने बताया कि ये एआई एजेंट एक 'अमरीकृत एआई एजेंट' के तहत काम करेंगे, जो सभी ग्राहक सवालों का एक ही बिंदु होगा, बिल्कुल वैसे जैसे चैटजीपीटी या गिम्नी आज काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में एयरटेल थैंकस ऐप गूगल सर्च बार की तरह काम करेगा। ग्राहक किसी भी समस्या या खरीद के लिए सीधे पूछ सकेंगे, जैसे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग प्लान। एआई एजेंट आपस में बात करेंगे और समाधान प्रस्तुत करेंगे। एयरटेल ने कुछ साल पहले अपने आईटी संचालन, जिसमें ऑपरेशंस और बिलिंग सपोर्ट शामिल थे, आईबीएम से इनसोर्स कर लिए थे। एआई के आने के बाद कंपनी ने आईटी खर्च को अपने कुल राजस्व का सिर्फ 1.5 फीसदी कर दिया है, जबकि वैश्विक टेलिकॉम कंपनियों का औसत 5.5-6 फीसदी है। एक्सटेल्फी के जरिए एयरटेल अब अपनी एआई-संचालित प्लेटफॉर्म सेवाएं यूरोपीय और अन्य वैश्विक कंपनियों को भी पेश करेगी।

न्यूज ब्रीफ

रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेला

नई दिल्ली। अगस्त के महीने में भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पहली बार एथर एनर्जी ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेल दिया। जानकारों के मुताबिक, बजाज की चेतक इलेक्ट्रिक और गोगो 3डब्ल्यू की प्रोडक्शन चीन से आई सप्लाई चेन की रुकावट से बुरी तरह प्रभावित हुई। रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी को लेकर कंपनी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगस्त उनके लिए जीरो मंथ साबित हो सकता है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि सप्लाई जल्द सुधरेगी और बजाज अपनी पुरानी पोजिशन पर लौट आएगा। ओला इलेक्ट्रिक को अगस्त में एक तरफ पीएलआई स्कीम की मंजूरी मिली, जिससे कंपनी को 2028 तक 13-18प्रतिशत तक का इंसेंटिव मिलेगा, लेकिन दूसरी ओर मार्केट शेयर में गिरावट और ग्राहकों का घटता भरोसा अभी भी कंपनी के लिए चुनौती बना हुआ है। इसका असर इसके शेयर प्राइस पर भी दिखा, जो 76 रुपये से गिरकर 50.8 रुपये तक पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर एनर्जी ने अप्रत्याशित छलांग लगाई। मई में लिस्टेड हुई कंपनी का जून तिमाही में रेवेन्यू 79 प्रतिशत बढ़कर 644.6 करोड़ रुपये पहुंच गया। घाटा भी घटकर 178.2 करोड़ रह गया, जो पिछले साल से कुछ बेहतर स्थिति है। इस ग्रोथ ने एथर को ओला के ऊपर पहुंचा दिया है। उद्योग में चिंता का बड़ा कारण रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कमी बनी हुई है। ये मिनरल्स ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। चीन की सप्लाई कर्ब्स ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यही वजह है कि ओला समेत कई कंपनियां अब रेयर अर्थ-फ्री मोटर्स पर काम कर रही हैं, ताकि चीन पर निर्भरता कम की जा सके। अगस्त का यह उतार-चढ़ाव बताता है कि ईवी मार्केट सिर्फ प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सप्लाई चेन प्रबंधन का भी खेल है।

3नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर लॉन्च

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु और दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत) रखी गई है। यह स्कूटर स्मार्ट, स्टाइलिश और सस्टेनेबल अर्बन कम्यूट के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई है। नई टीवीएस ऑर्बिटर में 3.1 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 158 किमी की आईडीसी रेंज देने में सक्षम है। यानी रोजाना शहर में आने-जाने के लिए पेट्रोल स्कूटर को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। लंबी बैटरी लाइफ और बेहतर परफॉर्मेंस इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। इस ई-स्कूटर को कई ऐसे फीचर्स से लैस किया गया है, जो इसे प्रतियोगियों से अलग करते हैं। पहली बार किसी स्कूटर में 14-इंच का बड़ा फ्रंट व्हील दिया गया है, जिससे राइडिंग स्टेबिलिटी और कम्फर्ट बढ़ जाता है। इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट और 34 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज स्पेस जैसे एडवांस फीचर्स मौजूद हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

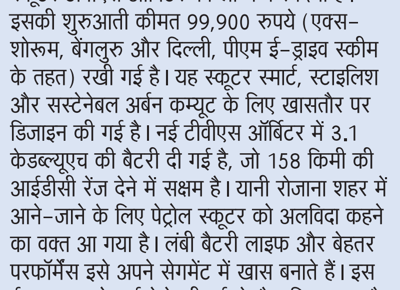

नई दिल्ली। देश में सोमवार को कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ीं हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं। दुनिया भर के बाजारों में कच्चे तेल के दाम बढ़कर 68 डॉलर पहुंच गये। इससे देश भर में तेल की कीमतें भी प्रभावित हुई हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे कम हुईं। इससे ये 94.87 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल की कीमतें भी 25 पैसे कम हुई हैं और 87.82 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 21 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.76 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 23 पैसे चढ़कर 87.52 रुपये लीटर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अफसरों को ...

(एक्यूआईएस) के सदस्य शामिल थे। जबकि भारत की खुफिया एजेंसी को मिली सूचना में मोड़ बस इतना था कि आतंकियों का निशाना अमेरिकी दूतावास के बजाय भारतीय उच्चायोग था। हमले की तैयारी कर रहे आतंकवादियों ने दूतावास-क्षेत्र में स्थित खुले मैदान में क्रिकेट खेल कर भारतीय उच्चायोग की रेकी की थी।

आतंकवाद-रोधी विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी एजेंसियों की कहानी जानबूझकर असली तथ्य को छिपाने और भारतीय एजेंसियों एवं बांग्लादेशी सुरक्षा अधिकारियों को गुमराह करने के लिए गढ़ी गई थी। ढाका में भारतीय दूतावास को निशाना बनाने की आतंकवादी साजिश के लीक होने के बाद, अमेरिका ने अपने बचाव में बांग्लादेश के स्पेशल प्रोग्राम फॉर एम्बैसी ऑगमेंटेशन एंड रेस्पॉन्स (स्पेयर) के साथ मिलकर दूतावास कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने पर चर्चा शुरू कर दी है। यह भी अमेरिका की नई चाल है। स्पेयर का संचालन और वित्तपोषण अमेरिकी विदेश विभाग की राजनयिक सुरक्षा सेवा (डीएसएस) के आतंकवाद-रोधी सहायता (एटीए) कार्यालय द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, भागीदार देशों के कानून प्रवर्तन अधिकारियों से एक 24 घंटे सक्रिय त्वरित प्रतिक्रिया बल (क्यूआरएफ) का गठन किया जाता है, जो अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन स्थितियों में मिनटों में प्रतिक्रिया देने में सक्षम होता है। एटीए इन बलों को प्रशिक्षण, उपकरण और सलाह प्रदान करता है। स्पेयर टीमों ने पहले ही विभिन्न देशों में आतंकवादी हमलों को विफल किया है, दूतावासों के पास होने वाले अपराधों को रोका है, आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान की है और कई लोगों की जान बचाई है।

इस साजिश के समय को बांग्लादेश की अस्थिर राजनीतिक वास्तविकताओं से अलग नहीं किया जा सकता। अगस्त 2024 में शेख हसीना के अपदस्थ होने से ढाका के शासन में एक शून्य पैदा हो गया। चार बार प्रधानमंत्री रहीं हसीना को भारत लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना सबसे विश्वसनीय सहयोगी मानता रहा। उनके नेतृत्व में, ढाका ने अनगिनत आतंकवादी नेटवर्कों को ध्वस्त किया, सीमा पार आतंकवाद पर नकेल कसी और यह सुनिश्चित किया कि बांग्लादेश भारत-विरोधी विद्रोहियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह न बने। लेकिन उनके जाने के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस के दलाल मोहम्मद यूनुस को लाकर बांग्लादेश की सत्ता पर बैठा दिया। जबकि यूनुस के पास राजनीतिक वैधता और जमीनी समर्थन, दोनों का अभाव था। यूनुस के अंतरिम शासन को अमेरिकी डीप स्टेट एक्सपेरिमेंट कहा जाता है।

अमेरिकी इशारे और पाकिस्तानी मदद से बांग्लादेश में इस्लामिक चरमपंथी समूहों को बढ़ावा मिला। जमातुल अंसार फिल हिंदाल शर्किया (जेएएचएस), हिज्ब उत-तहरीर और अंसार अल-इस्लाम (अल कायदा का स्थानीय गुट), जो वर्षों से भूमिगत थे, फिर से उभरने लगे। यूनुस और उनके सलाहकारों द्वारा किया गया तथाकथित शून्य-उग्रवाद का दावा जमीनी हकीकत में एक खतरनाक गलतबयानी माना जाने लगा। भारत के लिए, शेख हसीना का अपने क्षेत्र में अचानक निर्वासन बहुत बड़ा रणनीतिक महत्व रखता था। नई दिल्ली को न केवल उनकी सुरक्षा की गारंटी देनी थी, बल्कि उनके भारत समर्थक रुख का विरोध करने वाली ताकतों के संभावित हमले के लिए भी खुद को तैयार रखना था। वाशिंगटन के लिए हसीना एक बाधा थीं। चीन और रूस के साथ उनके मजबूत संबंधों और पश्चिमी हुक्मों की अवज्ञा ने लंबे समय से अमेरिकी डीप स्टेट को परेशान कर रखा था। हसीना के निर्वासन ने विदेशी ताकतों को क्षेत्र को अस्थिर करने का मकसद और मौका दोनों दिया।

इसी नाजुक राजनीतिक पृष्ठभूमि में ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास ने बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ अपनी साजिशी हरकतें (बैठकें) तेज कर दीं। हालांकि सार्वजनिक रूप से इन्हें सुरक्षा सहयोग के रूप में पेश किया गया, लेकिन अंदरूनी जानकारों का मानना है कि इन बैठकों ने एक ऐसा आवरण प्रदान किया जिसके तहत डीप स्टेट ढाका पर दबाव बना सके और साथ ही असली साजिश का पर्दाफाश होने पर अपनी भटकाने वाली कहानी के लिए जमीन तैयार कर सके। इस साजिश का सबसे खतरनाक पहलू इसमें शामिल हथियारों और रसद का पैमाना था। खुफिया एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है कि वर्ष 2023 के अंत से पाकिस्तान से गुप्त रास्तों के जरिए सैकड़ों अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी बांग्लादेश में की गई। इन खेपों में कथित तौर पर असॉल्ट राइफलें, स्नाइपर राइफलें, विस्फोटक, लड़ाकू वर्दी, सैटेलाइट फोन और नाइट-विजन दूरबीनें शामिल हैं।

कराची बंदरगाह और समुद्री तस्करी के जरिए लाए गए इन हथियारों को सीआईए और आईएसआई के तत्वों की जानकारी में बांग्लादेश पहुंचाया गया था। इस्लामी कट्टरपंथी झुकाव के लिए कुख्यात रिटायर बांग्लादेशी सैन्य अधिकारियों ने आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने और उन्हें ऑपरेशन के लिए तैयार करने में पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। यह योजना अपनी सटीकता में खौफनाक थी। आतंकवादी भारतीय उच्चायोग परिसर में मासूमियत भरे बहाने से घुसपैठ करते। बड़े समूह बगल के मैदान में क्रिकेट खिलाड़ी और दर्शक बनकर खड़े होते। एक बार नियंत्रण स्थापित हो जाने पर, पास के शहजादपुर और बड्डा इलाकों में खड़ी वैन के अंदर छिपे रिमोट-नियंत्रित कार बम परिसर में घुस जाते।

खतरे को और बढ़ाते हुए, साजिशकर्ताओं ने अपनी घेराबंदी का सीधा प्रसारण करने के लिए एक एफएम ट्रांसमीटर लाने की योजना बनाई थी। इसे जेएएचएस, हिज्ब-उत-तहरीर, अंसार-अल-इस्लाम और यहां तक कि हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे समूहों द्वारा नियंत्रित दर्जनों सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा बढ़ावा दिया जाना था। उनका लक्ष्य न केवल आतंकित करना था, बल्कि मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ना भी था, जिसमें भारत के अपमान और फिरौती में हसीना के संभावित प्रत्यर्पण का वृत्तांत प्रसारित किया जाता। यह अभियान सफल होता, तो परिणाम भयावह होते। भारतीय राजनयिकों को खतरे में डालने के अलावा, यह क्षेत्रीय संघर्ष को भड़का सकता था, जिससे भारत सीधे पाकिस्तान समर्थित नेटवर्कों के खिलाफ खड़ा हो सकता था और बांग्लादेश को अस्थिरता के एक अनियंत्रित चक्र में घसीट सकता था।

इस साजिश का प्रचारात्मक पहलू भी उतना ही ध्यान देने योग्य है। डीप स्टेट लंबे समय से अपने अभियानों को बढ़ाने के लिए सूचना युद्ध पर निर्भर रहा है। घेराबंदी का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करके, षड्यंत्रकारियों का इरादा दुनियाभर में चरमपंथियों की सहानुभूति जुटाना, मीडिया का ध्यान आकर्षित करना और भारत को प्रतिक्रियावादी रुख अपनाने के लिए मजबूर करना था। इसके अलावा, अमेरिकी दूतावास पर हमले की झूठी कहानी का पूर्व-प्रसार करना यह दर्शाता है कि कैसे वास्तविक लक्ष्य को छिपाने के लिए दुष्प्रचार को हथियार बनाया गया था। इस जानबूझकर की गई हेराफेरी ने न केवल वाशिंगटन के गुप्त हितों की रक्षा की, बल्कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को यह दावा करने का मौका भी दिया कि वह आतंकवाद के खिलाफ पश्चिमी शक्तियों के साथ सहयोग कर रही है। जबकि वास्तव में, यूनुस के शासन में आतंकवादी संगठन फिर से ताकत हासिल कर रहे हैं।

नाकाम साजिश शेख हसीना की सुरक्षा के भारत के संकल्प को मजबूत करती है। जब तक वह भारतीय धरती पर हैं, भारत शत्रुतापूर्ण दबाव में उनके अपहरण या जबरन प्रत्यर्पण का जोखिम नहीं उठा सकता। उनकी रक्षा करना न केवल एक दीर्घकालिक सहयोगी के लिए एक नैतिक दायित्व है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता भी है कि बांग्लादेश कट्टरपंथ और विदेशी हेरफेर की कक्षा में अपरिवर्तनीय रूप से न फंस जाए। ढाका में भारतीय उच्चायोग पर हमले की नाकाम साजिश इस बात की कड़ी याद दिलाती है कि पाकिस्तान की आईएसआई और स्थानीय आतंकवादी संगठनों की सहायता से वैश्विक डीप स्टेट अभिनेता अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किस हद तक जाने को तैयार हैं। यह केवल एक आतंकी साजिश नहीं थी, बल्कि यह भारत को ब्लैकमेल करने, बांग्लादेश को अस्थिर करने और अमेरिकी गुप्त अभियानों को जांच से बचाने के लिए रची गई एक भू-राजनीतिक चाल थी।

शांति प्रयासों के ...

रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है। उन्होंने कहा था कि मेरा मतलब है, यह मूलतः मोदी का युद्ध है, क्योंकि शांति का रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है। नवारो के इस बयान को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय मंच से धो डाला और कहा कि युद्ध के लिए जिम्मेदार वे शक्तियां हैं जो यूक्रेन को गलत तरीके से मदद पहुंचाती रही हैं और रूस के समक्ष खतरे पैदा करती रही हैं।

पहलगाम आतंकी...

पर जोर दिया कि किसी भी तरह से आतंकवादी, अलगाववादी या उग्रवादी समूहों का निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। सदस्य देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की और यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों में आतंकवाद से मिलकर लड़ें।

इसमें कहा गया कि यह घोषणा एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के संदेश को दोहराती है। सदस्य देशों ने 3 से 5 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में आयोजित 5वें एससीओ स्टार्टअप मंच के परिणामों का स्वागत किया, जिससे विज्ञान, तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग और गहरा हुआ है। सदस्य देशों ने 21-22 मई 2025 को नई दिल्ली में हुई 20वीं एससीओ थिंक टैंक मंच की बैठक को भी महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उन्होंने विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के तहत काम करने वाले एससीओ अध्ययन केंद्र की सराहना की, जिसने सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान को मजबूत किया है।

दादागीरी और ताकत...

बहुपक्षीय कार्रवाई शुरू की। हमने कानून व्यवस्था और सुरक्षा सहयोग को लगातार आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा, हमने कानून व्यवस्था और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाया, मतभेदों को सही तरीके से संभाला और सुलझाया, बाहरी दखल का स्पष्ट रूप से विरोध किया और क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखी। हमने सबसे पहले बेल्ट एंड रोड पहल की शुरुआत की। हम हमेशा अंतरराष्ट्रीय न्याय और निष्पक्षता के पक्ष में खड़े रहते हैं, सभ्यताओं के बीच समावेश और आपसी सीख को बढ़ावा देते हैं और प्रभुत्ववादी सोच और शक्ति की राजनीति का विरोध करते हैं।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा, भविष्य को देखते हुए हमें आज की चुनौतियों और बदलावों से भरी दुनिया में शंघाई-भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। हमें मजबूत कदमों के साथ आगे बढ़ना चाहिए और अपने संगठन की संभावनाओं का बेहतर उपयोग करना चाहिए। हमें मतभेदों को किनारे रखकर एकता की राह पकड़नी चाहिए, क्योंकि साझा लक्ष्य ही हमारी ताकत और लाभ का स्रोत हैं। मतभेदों के बीच समानता तलाशने की इच्छा, समझदारी और दूरदर्शिता को दर्शाती है। अपने भाषण में जिनपिंग ने कहा, एससीओ के सभी सदस्य देश एक-दूसरे के दोस्त और साझेदार हैं। हमें एक-दूसरे के मतभेदों का सम्मान करना चाहिए, रणनीतिक संवाद बनाए रखना चाहिए, आम सहमति बनानी चाहिए और एकता व सहयोग को मजबूत करना चाहिए। हमें सहयोग के दायरे को और बड़ा करना चाहिए और हर देश की विशेष क्षमताओं का पूरा उपयोग करना चाहिए, ताकि हम इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि के लिए अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा, दुनिया की स्थिति अब भी अस्थिर और अशांत बनी हुई है। हमें धमकाने की राजनीति को नकारना होगा, बाहरी दखल का विरोध करना होगा और सभी देशों के वैध विकास के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। जिनपिंग ने बहुपक्षीयता की पैरवी करते हुए संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बचाए रखने और वैश्विक व्यापार की अखंडता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम न्याय और समानता का समर्थन करते हैं और हठधर्मी ताकतों और शक्ति की राजनीति का विरोध करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में सम्मान पर आधारित रचनात्मक भागीदारी होनी चाहिए।

भारत जैसे देश को...

लेकिन भारत जैसे देश को, जो बाजारों और श्रम के लिए इतना महत्वपूर्ण है, उसे कमतर आंकना, मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। उन्होंने सुझाव दिया कि नई दिल्ली के पास इस धौंस जमाने वाले देश का सामना करने का अवसर है। टैंगन ने कहा कि पीएम मोदी और शी जिनपिंग की यह बैठक केवल भारत और चीन के बारे में नहीं थी, बल्कि कई देशों की चिंताओं के बारे में भी थी, जो अमेरिका के टैरिफ से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यह अहम पल है, जो वाशिंगटन को भारत के प्रति उसके मनमाने व्यवहार के लिए एक कड़ा संदेश देता है। टैंगन ने कहा, अमेरिका, भारत पर दबाव बनाना चाहता है। उसे चिंता है कि भारत गुटनिरपेक्ष दुनिया का नेतृत्व कर सकता है और अमेरिका को बता सकता है कि आप हमारे साथ औपनिवेशिक खेल नहीं खेल सकते और हमें चीन, रूस और कई अन्य देशों सहित एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खड़ा कर सकते।

दुनिया ने देखी एक...

25वें शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत रविवार रात राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा आयोजित एक भव्य भोज के साथ हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत अन्य नेता भी शामिल हुए। इस वर्ष का शिखर सम्मेलन एससीओ समूह का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन बताया गया है, क्योंकि इस वर्ष एससीओ के अध्यक्ष चीन ने एससीओ-प्लस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटारेस सहित 20 विदेशी नेताओं और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। सोमवार को विभिन्न नेताओं ने बैठक को संबोधित किया और संगठन के लिए अपने भविष्य के दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

कई राष्ट्राध्यक्षों से...

पीएम मोदी ने व्यक्तिगत रूप से एससीओ देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात कर आपसी रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया। इस मुलाकात से व्यापार, रक्षा, संपर्क, सांस्कृतिक संबंध समेत कई क्षेत्रों में दूरगामी परिणाम सामने आएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली से मुलाकात की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा कि नेपाल के साथ भारत के संबंध गहरे और बेहद खास हैं। पीएम मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने लिखा, तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से बातचीत की। मालदीव के साथ भारत का विकासात्मक सहयोग दोनों देशों के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है। पीएम मोदी ने मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबौली से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान उन्होंने कुछ साल पहले की अपनी मिस्र यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत-मिस्र मित्रता प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रही है। पीएम मोदी इसके बाद बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से मिले। उन्होंने ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान से भी बात की। मध्य एशिया के देश कजाकिस्तान के राष्ट्रपति तोकायेव से भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत रक्षा, व्यापार, हरित ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में वियतनाम के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए उत्सुक है। म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति, वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से भी पीएम मोदी ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, म्यांमार भारत की एक्ट ईस्ट और नेबरहुड फर्स्ट नीतियों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम दोनों इस बात पर सहमत हुए कि व्यापार, संपर्क, ऊर्जा, रेयर मिनरल्स और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण पूर्व एशियाई देश लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के प्रधानमंत्री थोंगलाउन सिसोउलिथ से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमारे देशों के बीच घनिष्ठ मित्रता, विशेष रूप से व्यापार और संस्कृति के क्षेत्र में, अत्यंत लाभकारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सरदार बर्दीमुहामेदोव से भी बातचीत की। उन्होंने अलग-अलग मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। अर्मेनिया के राष्ट्रपति निकोल पाशिनयान से मुलाकात को प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत अच्छी बातचीत कहा। उन्होंने कहा, भारत और आर्मेनिया के बीच मधुर और प्रगाढ़ संबंध हैं, जो मित्रता और आपसी सहयोग पर आधारित हैं। अमेरिका की मध्यस्थता से आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच हुए समझौते के बाद, यह भारत और आर्मेनियाई राष्ट्रपति के बीच पहली सीधी बातचीत थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव से भी अपनी मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया पर लिखा। उन्होंने लिखा, भारत और उज्बेकिस्तान एक अहम साझेदार हैं। ये संस्कृति, अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच संबंधों के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा, उन्होंने किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव से भी बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा, तिआनजिन में किर्गिज राष्ट्रपति सदिर जापारोव के साथ बहुत ही अहम बातचीत हुई। हमारे देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी है और हम अपने विकास के इस सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 02 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

मिधानि में मासिक हिंदी प्रतियोगिता एवं हिंदी दिवस–2025 का शुभारंभ

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आज मासिक हिंदी प्रतियोगिताओं और हिंदी दिवस–2025 समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री शशि कुमार द्विवेदी, महाप्रबंधक (अनुरक्षण सेवाएँ एवं एसबीडी) ने किया।

श्री द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी को राजभाषा के रूप में कार्यालयों में लागू करने और इसके लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करने में हिंदी प्रतियोगिताएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि हिंदी विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम न केवल हिंदी के प्रचार–प्रसार में सहायक हैं, बल्कि कंपनी में मैत्रीपूर्ण वातावरण बनाने में भी योगदान देते हैं। उन्होंने कर्मचारियों से सकारात्मकता के साथ इन आयोजनों में भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने अपने प्रारंभिक दिनों को याद करते हुए बताया कि वे प्रत्येक हिंदी प्रतियोगिता में पुरस्कार जीतते थे। बाद में उन्होंने और उनके साथी श्री अरुण कुमार शर्मा, वर्तमान महाप्रबंधक (विपणन), ने अन्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्वयं प्रतियोगिताओं में भाग लेना बंद कर दिया। यह परंपरा आज भी कायम है।

श्री द्विवेदी ने कहा, हिंदी केवल राजभाषा ही नहीं, बल्कि संवाद और संगठन की एकता का सशक्त माध्यम है।

राजभाषा हिंदी में कार्य करने से दक्षता, आत्मीयता और कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक हिंदी का उपयोग करने और प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की।

डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), ने बताया कि हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए सितंबर 2025 से जनवरी 2026 तक विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें हिंदी दिवस–2025 से संबंधित विशेष कार्यक्रम शामिल होंगे। आज आयोजित कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आगामी प्रतियोगिताओं में वाक् प्रतियोगिता, निबंध लेखन, शब्दावली, टिप्पणी एवं आलेखन, अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से, एक भारत–श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता, प्रश्नमंच, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, कराओके गायन, और अनुवाद शामिल हैं। इनका उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना है। विजेताओं को नकद पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभाग को मिधानि राजभाषा गरिमा पुरस्कार (रोलिंग ट्रॉफी) से सम्मानित किया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। हिंदी अनुभाग की देखरेख में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. बी. बालाजी ने सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक भागीदारी के साथ हिंदी दिवस समारोह–2025 को सफल बनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम और हिंदी टंकण प्रतियोगिता के सफल आयोजन में श्रीमती डी. वी. रत्नकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (हिंदी अनुभाग), श्री विकास कुमार आज़ाद, हिंदी अनुवादक, और डाक अनुभाग के कर्मचारी श्री नरेंद्र गांधी, श्री प्रेम, तथा श्री जयपाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चंदा नगर में संजयकुमार, विनिता विजयवर्गीय के निवास पर सुन्दरकांड का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार के सदस्य ने सुन्दरकांड का पाठ किया। इस अवसर पर भक्तों ने भगवान श्रीराम की जयकारे लगाए और सुख–समृद्धि की कामना की। इस आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल का संचार किया।

महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर भव्य बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के सहयोग से अग्रवाल फर्स्ट ग्रुप द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर हैदराबाद के हयात प्लेस में एक भव्य बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य व्यवसायियों और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करना था, जहाँ वे अपने विचार साझा कर सकें, नेटवर्किंग को बढ़ावा दे सकें और नए व्यापारिक अवसरों की खोज कर सकें। इस कार्यक्रम में लगभग 100 व्यवसायियों और उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की पूजा और आरती के साथ हुई, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। यह धार्मिक अनुष्ठान न केवल महाराजा अग्रसेन के प्रति सम्मान का प्रतीक था, बल्कि इसने व्यवसायिक समुदाय में एकता और सामाजिक मूल्यों को भी प्रोत्साहित किया। पूजा के पश्चात, मुख्य वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनमें व्यवसाय, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक विकास जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

इस बिजनेस मीट में कई प्रमुख हस्तियों ने अपने विचार साझा किए। मुख्य वक्ताओं में शामिल थे–

प्रेम अग्रवाल: उन्होंने व्यवसाय में नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

सुमित अग्रवाल: उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग और तकनीकी प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला।

रूपेश अग्रवाल (वाइस प्रेसिडेंट): उन्होंने संगठनात्मक एकता और नेटवर्किंग के लाभों पर चर्चा की।

विकाश केशन (सेक्रेटरी): उन्होंने सामुदायिक विकास और व्यापारिक सहयोग के लिए रणनीतियों पर विचार साझा किए।

मनीष अग्रवाल (आईपीपी): उन्होंने अग्रवाल समाज के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर जोर दिया।

अंजनी अग्रवाल (एडवाइज़र): उन्होंने व्यवसाय में नैतिकता और पारदर्शिता के महत्व पर बल दिया।

ललित अग्रवाल, शिवेश अग्रवाल, सीए ऋषभ अग्रवाल, रुषील धन्नावत, वीतेश दोचानिया, योगेश अग्रवाल, आशा गुप्ता, सुमित बंसल, संजय अग्रवाल: इन सभी ने अपने–अपने क्षेत्रों में अनुभव और नवाचारों पर विचार साझा किए।

अन्य वक्ताओं में कैलाश अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल आदि ने भी अपने अनुभव और व्यापारिक रणनीतियों पर चर्चा की।

इन वक्ताओं ने अपने अनुभवों और विशेषज्ञता के आधार पर व्यवसायियों को प्रेरित किया और उन्हें नए अवसरों की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस बिजनेस मीट में विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित किया।

इस बिजनेस मीट ने न केवल व्यवसायियों को एक–दूसरे के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान किया, बल्कि विभिन्न उद्योगों के बीच सहयोग और नवाचार को भी बढ़ावा दिया। महाराजा अग्रसेन जयंती के इस आयोजन ने अग्रवाल समाज की एकता और व्यापारिक उत्साह को दर्शाया। यह कार्यक्रम भविष्य में और अधिक ऐसे आयोजनों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा, जो सामुदायिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे।

राजस्थानी स्नातक संघ की मासिक भाषण माला सम्पन्न

ईबुलेटिन का विमोचन

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी स्नातक संघ ने रविवार को अग्रवाल समाज मीटिंग हॉल, राघव रत्ना टावर्स में अपनी पहली मासिक भाषण माला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम इंटेलिजेंस एक्सप्लोसिव विंग) श्री यू. राममोहन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत से हुई, जिसके बाद संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्था के उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

संघ के मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने इस वर्ष की गतिविधियों और आगामी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उपाध्यक्ष संपत दरक ने मुख्य वक्ता श्री यू. राममोहन का परिचय दिया, जिन्हें एक पुस्तक और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य वक्ता श्री यू. राममोहन ने साइबर स्मार्ट दुनिया में सुरक्षित जीवन विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध हमारे रोजमर्रा के जीवन में हो रहे हैं। उन्होंने एटीएम क्राइम, ऑनलाइन साइट्स (जैसे शादी, शेयर बाजार), पायरेटेड फिल्में, ऑनलाइन पार्सल और ऑनलाइन कॉल जैसे अपराधों से सावधान रहने के तरीके बताए।

इस अवसर पर राजस्थानी स्नातक संघ की पहली ई–बुलेटिन का भी विमोचन किया गया। अध्यक्ष मनोज गोयल ने इसके प्रकाशन में अरुण लाहोटी, शिल्पा मनुधाने और गिरधर अट्टल के प्रयासों की सराहना की।

साथ ही, आरजीए स्वर्ण जयंती शिक्षा न्यास के माध्यम से चलाए जा रहे कौशल विकास योजना (बैच–3) के विद्यार्थियों को श्री यू. राममोहन द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। न्यास के चेयरमैन नंद गोपाल भट्टड़ ने विद्यार्थियों के नाम घोषित किए।

कार्यक्रम में नए सदस्यों का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री ए.के. वाजपेयी ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष मनोज गोयल, कार्यक्रम के संयोजक ए.के. वाजपेयी, परामर्शदाता डॉ. महेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. मोहन गुप्ता, नंद गोपाल भट्टड़, द्वारका असावा, सुरेश काबरा, हरि किशन ओझा, पूर्व पदाधिकारी अनिल गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अमित झंवर, गोपाल सारडा, पूजा गुप्ता, शिल्पा मनुधाने, अरुण लाहोटी, सुनील भट्टड़, भगवान विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष संदीप झंवर, सह मंत्री कविता तोषनीवाल, मनीष अग्रवाल, अशोक बंसल, विजय ओझा और अन्य सदस्य उपस्थित थे। प्रमाण पत्र ग्रहण करने आये विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई।

श्री अन्न के सतत उत्पादन एवं मूल्य श्रृंखला पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप–भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के सहयोग से आज, 1 सितंबर 2025 को श्री अन्न के सतत उत्पादन एवं मूल्य शृंखला पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह चार दिवसीय कार्यक्रम 01 से 04 सितंबर 2025 तक भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उन्नत श्री अन्न उत्पादन तकनीकों, प्रसंस्करण, और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में किसानों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम पोषण सुरक्षा को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रशिक्षण में भारत के 13 राज्यों से कुल 30 प्रगतिशील किसान भाग ले रहे हैं, जो श्री अन्न की खेती और इसके व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित हैं।उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती उपस्थित रहीं। उनके साथ एफएओ के प्रतिनिधि श्री बो झो, श्री ताकायुकी हागिवारा, श्री लाबियोस रोमियो, श्री आशीष कुमार और श्री शोबन सज्जा, साथ ही इक्रिसेट के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में खाद्य और पोषण सुरक्षा में श्री अन्न की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं की उन पहलों पर भी प्रकाश डाला, जो श्री अन्न की खेती और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए की जा रही हैं।

एफएओ के प्रतिनिधियों ने श्री अन्न की सतत खेती को बढ़ावा देने और इसकी मूल्य शृंखला को विकसित करने में भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्री अन्न न केवल पोषण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकनीकी सत्र, व्यावहारिक प्रदर्शन, और अनुभव दौरे शामिल होंगे। ये गतिविधियाँ किसानों को आधुनिक उत्पादन प्रौद्योगिकियों, प्रसंस्करण तकनीकों, और श्री अन्न आधारित उत्पादों में उद्यमशीलता के अवसरों से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। कार्यक्रम का लक्ष्य किसानों को श्री अन्न के उत्पादन और विपणन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम का समन्वय पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्यरत डॉ. बी. गंगय्या और डॉ. ए श्रीनिवास द्वारा किया गया। उनके नेतृत्व में यह कार्यशाला श्री अन्न के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

यह राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला श्री अन्न की खेती और मूल्य शृंखला को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह न केवल किसानों को तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि पोषण सुरक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में भी योगदान देगा। भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं और एफएओ का यह संयुक्त प्रयास श्री अन्न को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

गणेशोत्सव के पावन अवसर पर, गणेश फ्रेंड्स सुभाष रोड और मनोकामना गणेश फ्रेंड्स सुभाष रोड ने मिलकर भाजपा नेता मुकेश कुमार को सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह सिकंदराबाद के सुभाष रोड पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर, चंदू भाई, संदीप वर्मा, नंदू भाई और आनंद व्यास सहित अन्य सदस्यों ने भाजपा नेता मुकेश कुमार को शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने समाज सेवा और सार्वजनिक कार्यों में उनके योगदान की सराहना की।

निजामाबद मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल के 94वें गणेशोत्सव का धूमधाम से ध्वजारोहण

निजामाबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी सेवा समाज संघ द्वारा संचालित मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल के 94वें गणेशोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश जी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में निजामाबाद शहर के प्रमुख व्यापारी, समाज सेवी एवं सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष रामस्वरूप डालिया के कर-कमलों से ध्वजारोहण किया गया।

ध्वजारोहण के पश्चात विराट सभा का आयोजन किया गया। राजस्थानी सेवा समाज संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण जाजू ने मुख्य अतिथि रामस्वरूप डालिया का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके बाद अध्यक्ष लक्ष्मण जाजू ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथिगणों का हार्दिक स्वागत किया।

संस्था के उपमंत्री नितिन पांडे ने संस्था के विगत वर्षों के कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा 94वें गणेशोत्सव में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक दिनेश पांडे ने गणेश उत्सव कार्यक्रम के डेकोरेशन एवं झांकियों का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामस्वरूप डालिया ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम उपस्थित सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गणेश जी विघ्नहर्ता हैं और सबसे पहले गणेश भगवान की पूजा की जाती है। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें, सनातन धर्म की शिक्षा दें और धर्म के बारे में बताएं। इसी क्रम में राजस्थानी समाज के गणमान्य व्यक्ति सीताराम पांडे एवं श्रीवल्लभ सारड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर 93वें गणेश-ोत्सव के कार्यक्रम संयोजकों एवं गठित समितियों के संयोजकों को कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राजस्थानी सेवा समाज संघ के उपाध्यक्ष बालकिशन बंग, उपमंत्री नितिन पांडे, कोषाध्यक्ष जुगलकिशोर जाजू, 94वें गणेशोत्सव के संयोजक दिनेश पांडे, भगवान उपाध्याय, नितिन दायमा सहित संस्था के अन्य गणमान्य सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन संस्था के सदस्य सतीश कुमार व्यास द्वारा किया गया।

बड़ीचौड़ी में श्री युवा गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री युवा गणेश उत्सव समिति द्वारा स्थापित भगवान गणेश जी की भव्य प्रतिमा की पूजा-अर्चना का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय भक्तजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस पावन अवसर पर नंदकिशोर देवड़ा, महेश भाई, निखिल, यशमित वर्मा एवं अन्य श्रद्धालु भक्तगण भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना करते हुए दिखाई दिए। सभी भक्तों ने पूर्ण श्रद्धा और भक्ति भावना के साथ विघ्नहर्ता गणेश जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री युवा गणेश उत्सव समिति के इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय के लोगों की व्यापक सहभागिता देखी गई। समिति द्वारा आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान गणेश चतुर्थी की पावन परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

घांसी बाजार स्थित गणेश पंडाल में महाबली युवा सेवा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को चारमीनार पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रशेखर, समाज सेवी अरुण डकोतिया, वैभव, अमन, मोहित, नीरव सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजित गणेश उत्सव समारोह में स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने गणेश पूजा और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिससे पंडाल में उत्सव का माहौल बना रहा।

कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

मदनूर, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को स्थानीय कर्मचारियों ने मदनूर तहसीलदार कार्यालय के सामने प्रदर्शन करके सीपीएस (कंट्रिब्यूटरी पेंशन स्कीम) को समाप्त करने तथा ओपीएस (पुरानी पेंशन प्रणाली) को बहाल करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां लेकर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की।

इस अवसर पर तहसीलदार एमडी मुजीब ने कर्मचारियों की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि पुरानी पेंशन प्रणाली कर्मचारियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करती थी, लेकिन सीपीएस के कारण कर्मचारियों और उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा समाप्त हो गई है।

तहसीलदार ने बताया कि 2004 के बाद सेवा में शामिल हुए कर्मचारियों को सीपीएस के तहत लाया गया था। उन्होंने इस व्यवस्था की निम्नलिखित समस्याओं को उजागर किया–

आर्थिक असुरक्षा: सेवानिवृत्त कर्मचारी की मृत्यु होने पर भी सरकार 40% राशि नकद नहीं दे सकती है, जो अनुचित है।

बाजार पर निर्भरता: पूरी कर्मचारी पेंशन शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करती है, जो चिंताजनक स्थिति है।

महंगाई भत्ता की समस्या: सीपीएस के कारण कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने के बाद महंगाई भत्ता (डीए) लागू नहीं होता है।

तहसीलदार ने सरकार से अपील की है कि वह आगामी विधानसभा सत्र में सीपीएस को समाप्त करके ओपीएस को पुनः लागू करने का प्रस्ताव तुरंत पारित करे। उन्होंने कहा कि यह कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

जियागुड़ा नगरसेविका बोहिनी दर्शन ने गणेश पूजा में भाग लिया

जयगुड़ा, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जियगुड़ा मंडल के इमामपुरा में, नव भारत संगम द्वारा स्थापित 18 फीट की विशाल गणेश मूर्ति के दर्शन के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जियागुड़ा नगरसेविका बोहिनी दर्शन ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

बोहिनी दर्शन ने भगवान गणेश की मूर्ति के दर्शन किए, विशेष पूजा और आरती में हिस्सा लिया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित अन्नदानम कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने सभी लोगों के लिए भगवान गणेश से आशीर्वाद और कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।

इस कार्यक्रम में नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण और सुधाकर पाटिल, नव भारत संगम के प्रतिनिधि डी. संतोष कुमार, जी. विनय कुमार, वाई. जसवंत कुमार, एम. महेश बाबू, जी. महेंद्र, सी. सत्यनारायण, दसारी धनराज और वरिष्ठ भाजपा नेता अन्नू यादव भी मौजूद थे।

जिल्लेलगुडा स्थित विवेक नगर कॉलोनी में कुलकर्णी परिवार के निवास स्थान पर स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा धूमधाम से सम्पन्न हुई। इस शुभ अवसर पर परिवार के सदस्य अरुण, राजलक्ष्मी, दीपाली और अक्षय उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा का हवन-पूजन कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना दिया है।

शिवाजी महाराज यूथ एसोसिएशन गौलीगुड़ा द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में गणेश जी की पूजा-अर्चना करते हुए रुषिकेश्वर, चिन्ना, सेट्टी, श्रीनु व अन्य।

श्री मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति हशमतगंज द्वारा अरुण डाकोतिया का सम्मान

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति हशमतगंज द्वारा आयोजित गणेश पंडाल में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी श्री अरुण डाकोतिया को सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह में श्रीनिवास लोहिया, सुमीत राठी, घनश्याम तोषनीवाल, राजेश मालपानी, रमेश तोषनीवाल, नारायण लोहियाउपस्थित थे।

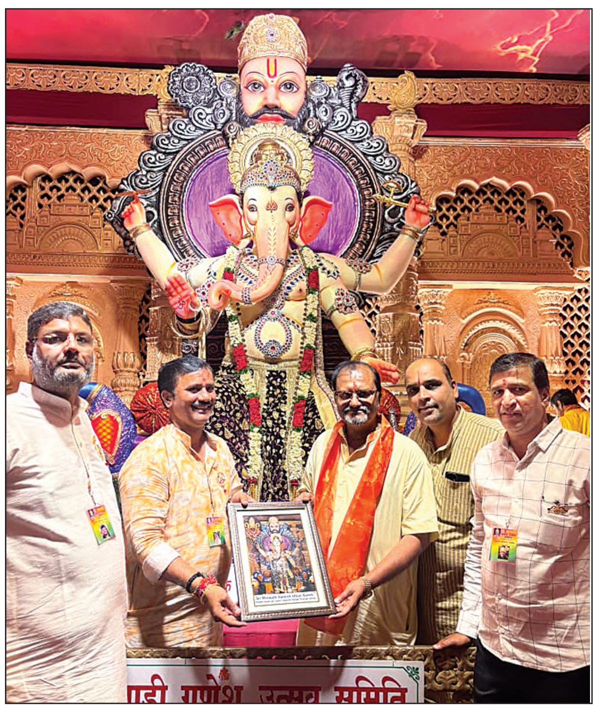

गणेश उत्सव के दौरान आयोजित यह सम्मान समारोह समुदाय की एकजुटता और सामाजिक सद्भावना का प्रतीक है। श्री मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति हशमत गंज के इस आयोजन में स्थानीय समुदाय के प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ाया।

यह समारोह गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर समाज सेवा और सामुदायिक भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

शालिवाहना नगर स्थित हनुमानप्रसाद राधेश्याम सिंघल बसईवाले के निवास स्थान पर विराजित गणेश महाराज की भव्य प्रतिमा । इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

गणपति पूजन करते हुए माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब के सदस्य

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब ने गणपति पूजन का आयोजन किया, जिसमें क्लब के कई गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया। इस शुभ अवसर पर गणपति की विशेष पूजा-अर्चना की गई।इस कार्यक्रम में क्लब की गवर्नर केबिनेट सलाहकार अरुणा गुप्ता, मालती गुप्ता, आकांक्षा, रविन्द्र गुप्ता, और मुरली सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

तमन्नाह गणेश असोसिएशन मूसारामबाग द्वारा गणेश विसर्जन समारोह का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा को भक्तों ने भव्य रूप से विसर्जित किया। इस दौरान श्रद्धालु शिवानेश, संतोष जायसवाल, अंचल, सुधीर, वीणा, शरत और अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजा-अर्चना की और विसर्जन प्रक्रिया में भाग लिया।

शिक्षा के साथ-साथ ईश्वर भक्ति भी जरूरी : प्रधानाचार्य गंगाकिशोर

मदनूर, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर स्थित तेलंगाना गुरुकुल बालक पाठशाला एंड जूनियर कॉलेज में स्थापित विनायक मूर्ति मंडप का पांच दिवसीय महोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नंदला गंगाकिशोर और प्रख्यात कवि एवं आध्यात्मिक भविष्यवक्ता डॉ. बी. वेंकट ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ हमें ईश्वर भक्ति का भी विकास करना चाहिए।

पांच दिनों तक चले इस महोत्सव में भक्तों ने सुबह-शाम भगवान विनायक की पूजा-अर्चना की और भजन प्रस्तुत किए। आज, शांतिपूर्ण वातावरण में, गणेश प्रतिमा को विशाल चक्रगा तालाब में विसर्जित किया गया। इस दौरान डॉ. बी. वेंकट कवि ने अष्टोत्तरशताब्दी नामावली और वैदिक मंत्रों के साथ भगवान विनायक की पूजा की।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा नृत्य, गायन और संगीत के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

वक्ताओं ने कहा कि भक्तों को स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक द्वारा शुरू की गई विनायक नवरात्रि से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को डीजे संगीत के बजाय अच्छे शहनाई संगीत को महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि देशभक्ति और ईश्वर भक्ति दोनों ही व्यक्ति को व्यापक और सकारात्मक भावनाओं से भर देती हैं।

किनवट में ज्येष्ठा गौरी की भक्तिमय स्थापना

किनवट, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर, किनवट शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्येष्ठा गौरी (महालक्ष्मी) का आगमन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। तीन दिवसीय इस महोत्सव में घर-घर में महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना और महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

महिलाओं ने सुबह से ही महालक्ष्मी की सजावट के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने साड़ियाँ पहनाने और मुखौटों को सजाने में अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न घरों में गौरी की मूर्तियों को धातु या मिट्टी के रूप में स्थापित किया गया। यह परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है और इस दौरान काम के सिलसिले में दूर रहने वाले परिवार के सदस्य भी इन तीन दिनों के लिए एक साथ आते हैं।

गणेशोत्सव के दौरान मनाया जाने वाला यह विशेष पर्व माता लक्ष्मी के स्वरूप ज्येष्ठा गौरी को समर्पित है, जिसे विवाहित महिलाएं विशेष श्रद्धाभाव से मनाती हैं। महिलाओं ने पारंपरिक वस्त्र धारण कर हल्दी-कुमकुम और अखंड ज्योति प्रज्ज्वलन जैसी परंपराओं का पालन करते हुए गौरी माता का श्रृंगार और पूजन किया।भक्तों ने गौरी माता को नैवेद्य में पारंपरिक पकवानों का भोग लगाया। इनमें फल, मिठाई, और केले के पत्तों पर सजाए गए सोलह तरह की सब्ज़ियाँ, चटनी, सलाद, कद्दू की सब्ज़ी, कढ़ी, भजिए, करंजी, लड्डू, मोदक और पूरन पोली जैसे व्यंजन शामिल थे।यह महोत्सव सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना के साथ मनाया गया। 2 सितंबर को गौरी का विसर्जन किया जाएगा।

निजामाबाद में महर्षि दधीची जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

निजामाबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाधीच सेवा समिति द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महान त्यागमूर्ति महर्षि दधीची का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय गंज शिवालय में आयोजित इस पावन अवसर पर समाज के सभी वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

दाधीच सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश आसोपा के अनुसार, महर्षि दधीची जन्मोत्सव में सर्वप्रथम दधिमती माता जी का मंगल पाठ, भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात दधिमती माता एवं महर्षि दधीची की पूजा-अर्चना करके आरती और महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दो विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किए गए। जिसमें-

व्यावसायिक उपलब्धि सम्मान: कमल किशोर दायमा को शंभुगुडी के डायरेक्टर बनने पर दाधीच सेवा समिति द्वारा पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता सम्मान: शैक्षणिक क्षेत्र में उत्तम अंक प्राप्त करने वाले चार मेधावी विद्यार्थियों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस महोत्सव में समाज के महिला, पुरुष एवं युवक-युवतियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता से आयोजकों ने संतुष्टि व्यक्त की और आने वाले वर्षों में भी इसी प्रकार के आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

किनवट में मनाया गया प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष का जन्मदिन

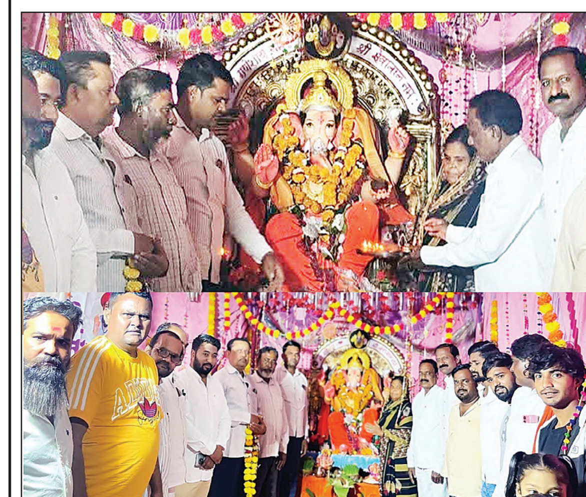

किनवट, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सफकाल के जन्मदिन के अवसर पर किनवट में कांग्रेस पार्टी द्वारा विभिन्न सामाजिक उपक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस ओबीसी जिला उपाध्यक्ष वसंत राठोड के नेतृत्व में किनवट स्थित श्री सेवालाल गणेश मंडप में विशेष महाआरती एवं प्रसाद वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

पूर्व नगराध्यक्ष मूर्ती अण्णा के कर-कमलों से आरती संपन्न हुई तथा प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सफकाल की दीर्घायु एवं सुस्वास्थ्य की कामना की गई।

इस अवसर पर कांग्रेस शहराध्यक्ष गिरीश नेमानीवार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिराज जिवाणी, शमशेर खिची, जवाद आलम, माधव खेडकर, पूर्व पार्षद यशोदा राठोड, दुर्गादास राठोड, बालाजी राठोड, गणेश राठोड, जाधव सहित अनेक कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता, युवा, महिला एवं नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजक वसंत राठोड ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों तथा कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कोयला खदानों में सुरक्षा को दी जाएगी सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएमडी बलराम

मंचेरियाल,01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी के सीएमडी बलराम नायक ने कहा कि कोयला खदानों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और वे दुर्घटना-मुक्त संगठन के लिए निरंतर काम करेंगे रविवार को खान सुरक्षा महानिदेशक उटवाल था की अध्यक्षता में मंचेरियाल जिले के कायतनपल्ली नगरपालिका के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एमएनआर गार्डन में 49वीं सुरक्षा त्रिपक्षीय समीक्षा आयोजित की गई इस अवसर पर मान्यता प्राप्त और प्रतिनिधि श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों ने सिंगरेनी के अधिकारियों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि सिंगरेनी कंपनी कोयला उत्पादन में एक उदाहरण के रूप में खड़ी है उन्होंने कहा कि प्रत्येक श्रमिक का जीवन बहुत मूल्यवान है और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे उन्होंने सभी श्रमिकों से सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने को कहा उन्होंने कहा कि महिला कर्मचारियों को सभी सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी बाद में ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने खदानों में सुरक्षा उपाय बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए उच्च गुणवत्ता वाले हेलमेट और जूते उपलब्ध कराए जाने चाहिए बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जानी चाहिए कैंटीनों में सभी सुविधाएँ प्रदान की जानी चाहिए और नई मशीनें खरीदी जानी चाहिए एटक यूनियन के अध्यक्ष वासीरेड्डी सीतारामैया, महासचिव राजकुमार, इंटक महासचिव जनक प्रसाद और अन्य नेताओं ने कई सुझाव दिए बाद में सुरक्षा की शपथ ली गई खान उपनिदेशक टी. आर. कन्नन और डीजीएमएस अधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए कंपनी के निदेशक (ई एंड एम) सत्यनारायण राव, (संचालन) एल. वी. सूर्यनारायण, (योजना एवं परियोजनाएं) के. वेंकटेश्वरलू, (पीए एंड डब्ल्यू) गौतम पोटरु आईएएस ने सुरक्षा उपायों पर बात की उन्होंने हाल ही में कई दुर्घटनाओं में मारे गए श्रमिकों के प्रति संवेदना व्यक्त की जीएम सेफ्टी कॉर्पोरेट चिंथला श्रीनिवास ने इस कार्यक्रम के लिए एक सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की कंपनी के निदेशकों पहचान और प्रतिनिधि संघों के नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

विवाहेतर संबंध में बाधा डालने पर प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

मदनूर, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली मंडल के सिरपुर गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर विवाहेतर संबंध में बाधा बन रहे अपने पति की हत्या कर दी। मदनूर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार देर रात बांसवाड़ा के डीएसपी विट्ठल रेड्डी, बिचकुंडा के सीआई रवि और मदनूर एसआई विजय कोंडा ने मदनूर पुलिस स्टेशन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस घटना का खुलासा किया।

डोंगली मंडल के सिरपुर गांव निवासी मगिरी रामुलू (35) की पत्नी मादाबाई के साथ कुछ समय पहले विवाह हुआ था। दंपति के तीन पुत्र हैं। रामुलू मछली पकड़कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था।

रामुलू 23 अगस्त से घर नहीं लौटा था, जिसके बाद उसकी बहन लक्ष्मीबाई ने हाल ही में पुलिस में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। 30 अगस्त को रामुलू का शव मंजीरा नदी में मिलने पर मदनूर पुलिस को इसकी जानकारी मिली।

पुलिस जांच के दौरान सिरपुर गांव का ही निवासी उस्कलवार शंकर और मृतक रामुलू की पत्नी मादाबाई बाइक से मदनूर जा रहे थे। पुलिस की नियमित वाहन जांच के दौरान दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकार की। मादाबाई का शंकर के साथ विवाहेतर संबंध था और वह रामुलू से छुटकारा पाना चाहती थी।

पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को शंकर ने रामुलू को शराब पिलाई और उसे सलूरा के मंजीरा पुल पर ले गया। वहां उसने रामुलू के शरीर पर चाकू से वार करके उसकी हत्या कर दी और शव को पुल से मंजीरा नदी में फेंक दिया।

पुलिस ने शंकर और मादाबाई दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

नकली डिटर्जेंट की तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

मंचेरियाल,01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने महाराष्ट्र में नकली डिटर्जेंट ले जाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया और एक लाख रुपये मूल्य का 15 क्विंटल डिटर्जेंट जब्त किया एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान महाराष्ट्र के चंद्रपुर के शिवाजी एन जावले और रामराव इंगले और आदिलाबाद के रूपेश अग्रवाल के रूप में की गई है एक गुप्त सूचना के बाद उन्हें आदिलाबाद से महाराष्ट्र डिटर्जेंट ले जाते समय पकड़ा गया जबकि अमरावती निवासी तीसरा आरोपी अप्सक सलाथ अभी भी फरार है पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने कथित तौर पर अमरावती से नकली डिटर्जेंट खरीदने और मुनाफे के लिए इसे महाराष्ट्र में तस्करी करने की कोशिश करने की बात कबूल की है आदिलाबाद खख टाउन इंस्पेक्टर के नागराजू सब-इंस्पेक्टर विष्णु प्रकाश और पुलिस कर्मचारियों ने ऑपरेशन में हिस्सा लिया।

श्री सरस्वती शिशु मंदिर आसिफाबाद स्कूल में ट्रेंड्स शॉपिंग मॉल के तत्वावधान में विनायक चतुर्थी के अवसर पर एक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शॉपिंग मॉल की ओर से विजेता छात्रों को 500 रुपये के उपहार कार्ड दिए गए। तिरुपति के स्टोर मैनेजर नरेश प्रधानाचार्य गुंडेटी कोटेश्वर राव ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

कांग्रेस सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए वादे पूरे नहीं किए : रघुनाथ

मंचेरियाल,01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला भाजपा अध्यक्ष नागुरी वेंकटेश्वर गौड़ के तत्वावधान में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने आयोजित धरने में मुख्य अतिथि के रूप में वेराबेली ने भाग लिया जिसमें मांग की गई कि चुनाव के दौरान किए गए वादों को लागू किया जाए इंदिराम्मा घर को योग्य गरीबों को दिया जाए एनटीआर नगर में डूबे घरों के बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए और उन किसानों को मुआवजा दिया जाए जिनकी फसल बाढ़ के कारण नष्ट हो गई थी।

सबसे पहले उन्होंने मंचेरियाल आईबी स्क्वायर से जिला कलेक्टर कार्यालय तक मार्च किया और फिर जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने बाढ़ पीड़ितों के साथ धरना दिया बाद में उन्होंने जिला कलेक्टर से मुलाकात की और एक याचिका सौंपी जिसमें मांग की गई कि कांग्रेस पार्टी चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करे और बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा प्रदान करे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के अवसर पर, कागज नगर, कोमुरम भीम, आसिफाबाद जिले में डीएसपी के रूप में कार्यरत बी. रामानुजम ने पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल आईपीएस से मुलाकात की और पुष्पगुच्छ भेंट किए। पुलिस अधीक्षक गारू ने उन्हें सिंह-शिखर का बैज प्रदान किया और बधाई दी। पुलिस महानिदेशक कार्यालय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामानुजम गारू को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में रिपोर्ट करने का आदेश जारी किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के निर्देश दिए

आसिफाबाद,01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम, आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में आज जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने प्रजावाणी कार्यक्रम के अंतर्गत शिकायतकर्ताओं की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को कानून के अनुसार उनके समाधान हेतु कई सुझाव दिए। सोमवार को जन-जागरण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से शिकायतकर्ताओं के आवेदन प्राप्त हुए और उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित क्षेत्र निरीक्षकों से फोन पर बात की गई तथा समस्या की स्थिति एवं समाधान हेतु सुझाव दिए गए। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला पुलिस विभाग का उद्देश्य लोगों को बिना किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी के स्वेच्छा से पुलिस सेवाओं का उपयोग करने में सहायता करना, उनकी समस्याओं का कानून के अनुसार समाधान करना, पुलिस को लोगों के करीब लाना और शांति एवं सुरक्षा की रक्षा करना है। कांतिलाल पाटिल आई.पी.एस. ने बताया कि हम हर सोमवार को जनता रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से जनता से जुड़ी समस्याओं पर सीधे शिकायतें प्राप्त कर उनका समाधान कर रहे हैं।

लोक प्रसारण आवेदनों का शीघ्रता से निपटारा किया जाए : वेंकटेश

आसिफाबाद,01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों की क्षेत्र स्तर पर जाँच की जाए और उनके शीघ्र समाधान के लिए कदम उठाए जाएँ। जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर भवन सभाकक्ष में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। आसिफाबाद मंडल के बरगुडा गाँव में एस. चिलारी कॉलोनी की शिल्पा रानी ने विकलांगता पेंशन दिए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। आसिफाबाद कस्बे के पाइकजी नगर निवासी नैथम मोहन ने अपनी बेटी राजेंद्रप्रसाद के साथ बी.एड. कॉलेज में पढ़ाई की है, इसलिए प्रमाण पत्र दिए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। आसिफाबाद मंडल केंद्र के पेफमांडल वेंकटेश ने जनकपुर उपनगर में अपनी ज़मीन के लिए पट्टा पासु पुस्तिका जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। आसिफाबाद मंडल के गोविंदपुर गाँव के विलास ने इंदिराम्मा आवास प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। आसिफाबाद मंडल जनकपुर की समीना बेगम ने इंदिराम्मा आवास प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

तिरयानी मंडल के तलंदी गाँव के पेताम राजलिंगु ने अपने पिता के नाम की ज़मीन के लिए पट्टा पासु पुस्तिका जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। कौटाला मंडल के कन्नेपल्ली गाँव के मोरले पांडु मेरा ने अपने पिता की मृत्यु के कारण उनके नाम की ज़मीन का उत्तराधिकार प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर, ज़िला कलेक्टर ने कहा कि लोक प्रसारण कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों की क्षेत्र स्तर पर जाँच कर उनका शीघ्र समाधान किया जाए और आवेदन लंबित न रहें।इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और आवेदकों ने भाग लिया।

कोमुरमभीम-आसिफाबाद जिले में पुलिस अधिनियम 30 का क्रियान्वयन : पाटिल

आसिफाबाद,01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 1 सितंबर से 30 सितंबर तक जिले भर में पुलिस अधिनियम 30 के प्रावधान लागू रहेंगे, उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी यह बात जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने कही।जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस गारू ने आज एक बयान में कहा कि कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए, जिले में 1 सितंबर से 30 सितंबर तक पुलिस अधिनियम 30 लागू रहेगा। जिले में पुलिस अधिनियम-1861 की धारा 30 लागू है।उन्होंने कहा कि डीएसपी/एएसपी या उच्च पुलिस अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी धरना, खुली बैठक आदि आयोजित नहीं की जानी चाहिए। लोगों का कोई भी जमावड़ा। हथियारों पर प्रतिबंध, कहा गया है कि ऐसे कोई भी हथियार नहीं ले जाना चाहिए जिनका इस्तेमाल दुर्भावनापूर्ण इरादे से अपराध करने के लिए किया जा सकता हो। सार्वजनिक सभाओं में खलल डालना, लोगों का जमावड़ा जिससे उपद्रव हो, सार्वजनिक जीवन में परेशानी हो, पूरी तरह से प्रतिबंधित है।पुलिस अधिनियम 1861 की धारा 30 के तहत अगर कोई कानून द्वारा जारी आदेशों का उल्लंघन करता है तो उसे दंडित किया जाएगा। सभी को प्रतिबंध में निहित नियमों का पालन करना होगा। किसी भी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पहले से अनुमति लेने और आवेदन करने की सलाह दी जाती है।

श्री गिरधरलाल जी कृपा उत्सव : बांके बिहारी जी के प्रसंग से भक्त हुए भावविभोर

गौ सेवार्थ समर्पित कथा में भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद के एस.एस. कन्वेंशन में शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज और ओम शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल द्वारा आयोजित श्री गिरधरलाल जी कृपा उत्सव के अंतर्गत गौ सेवार्थ समर्पित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन सोमवार को कथा वाचक पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय ने श्री बांके बिहारी जी और अंग सेवी शिब्लू गोस्वामी के प्रसंग को अत्यंत भक्ति भाव से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पंडित जी ने बांके बिहारी जी के महत्व को विस्तार से समझाया, जिसने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के प्रति भक्ति की गहन अनुभूति में डुबो दिया।

पंडित इंद्रेश जी ने अपने प्रवचन में कहा, श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण ठाकुर जी की परम कृपा का द्वार खोलता है। यह कथा न केवल आत्मा को शुद्ध करती है, बल्कि गौ माता की सेवा के प्रति भी प्रेरित करती है। उनके शब्दों ने श्रोताओं के हृदय में भक्ति और गौ सेवा के प्रति समर्पण की भावना जागृत की।

पंडित इंद्रेश जी ने कि श्री बांके बिहारी जी, वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध ठाकुर जी, भगवान श्रीकृष्ण का एक मनमोहक स्वरूप हैं। उनका नाम बांके उनकी आकर्षक त्रिभंगी मुद्रा (तीन स्थानों पर झुकी हुई काया) से लिया गया है, जो भक्तों को मोहित करता है। बांके बिहारी मंदिर, जो स्वामी हरिदास जी की साधना से स्थापित हुआ, भक्ति और संगीत की परंपरा का प्रतीक है। पंडित इंद्रेश जी ने बताया कि बांके बिहारी जी की कृपा से भक्तों को जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।सोमवार को वृंदावन से पधारे पूज्य गोस्वामी जी ने श्रीमद् भागवत कथा में भाग लिया और भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उनकी उपस्थिति ने आयोजन को और भी आध्यात्मिक और भव्य बना दिया। भक्तों ने उनके दर्शन और आशीर्वाद को प्राप्त कर स्वयं को धन्य माना।आयोजन की भव्यता में यजमानों और सहयोगियों की उपस्थिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख यजमानों में रोशनलाल राजेश कुमार अग्रवाल, श्याम सुंदर रामेश्वर डालिया, माणकचंद नरेश कुमार नालपुरिया, घीसाराम जगदीश प्रसाद अग्रवाल, ताराचंद शैलेश सोनी, भंडारा सहयोगी प्रभुदयाल पंच परिवार (टीबा बसई वाले), मोहनलाल सुशील कुमार अग्रवाल, भरत भूषण राहुल अग्रवाल, गुलाबचंद बैजनाथ सिग्नोड़िया, गजानंद सुरेश कुमार नालपुरिया, गुलाबचंद वासुदेव पोद्दार, जयनारायण शीतल पांडेय, रमेशचंद अग्रवाल, मिल्लुराम रमेशचंद पोद्दार, राजेश अग्रवाल, बनवारीलाल विजय कुमार, परसराम सिंघानिया, हनुमान प्रसाद बाबूलाल सिंघानिया, शिवप्रकाश बंसल, जतिन बंसल, नितिन बंसल, श्री भवानी ज्वेलर्स, पुरुषोत्तम भगेरिया, विकास अग्रवाल, संतोष नरेड़ी, रतन केड़िया, रोहित केड़िया, मनोहरलाल राकेश अग्रवाल नालपुरिया, विष्णु दयाल हितेश गुप्ता, रितेश संघी, गोपाल अग्रवाल, बद्रीप्रसाद ज्योति प्रसाद, नाथूलाल सत्यनारायण, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, जय जैन, बृजमोहन संतोष कुमार चौखानी, महेश अग्रवाल, मातादीन सुरेश कुमार गोयल, प्रभातीलाल मुसद्दीलाल, मुन्नालाल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, घीसालाल गोवर्धनदास तापड़िया, डालचंद लक्ष्मीप्रसाद सूरज प्रसाद डोकानिया, नागनाथ राजेश माशेट्टे, चन्द्रमोहन पंकज अग्रवाल, और महावीर प्रसाद सतीश अग्रवाल शामिल थे। इन सभी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। जिससे कथा का प्रभाव और भी गहरा हुआ।यह श्रीमद् भागवत कथा पूर्णतः गौ सेवार्थ समर्पित थी, जो इस आयोजन की विशेषता रही। शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज और ओम शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कथा ने गौ माता की सेवा और संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। कथा के माध्यम से भक्तों को गौ सेवा के प्रति जागरूक किया गया और सामाजिक कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी गई। मंगलवार, 02 सितंबर 2025 को श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा। इस दिन प्रातः 9:00 बजे हवन आयोजित होगा, जिसके बाद 11:00 से 1:00 बजे तक कथा होगी। तत्पश्चात पूर्णाहुति और भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय का शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल में शुभ आगमन होगा, जो भक्तों के लिए एक विशेष अवसर होगा।

श्री गिरधरलाल जी कृपा उत्सव के छठवें दिन की श्रीमद् भागवत कथा ने भक्तों को भक्ति, ज्ञान और गौ सेवा के प्रति प्रेरित किया। बांके बिहारी जी और शिब्लू गोस्वामी के प्रसंगों ने श्रोताओं के हृदय में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना को और गहरा किया। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक उत्थान का माध्यम बना, बल्कि गौ माता की सेवा के प्रति समाज को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र और जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने पेतला बुर्ज, हैदराबाद में भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। श्री शांति मंडली नव युवा संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।इस पूजन समारोह में अमर सिंह (कारवां से पूर्व विधायक प्रत्याशी), स्वरूप जायसवाल, वेंकट रमना, सुरेंद्र, राम नेतिकर सहित कई वरिष्ठ नेता और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-शांति की कामना की।

फतेह दरवाज़ा स्थित हनुमान मंदिर में गणेश पूजा और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन नागेश्वर राव और शोभा पांडे द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन से समाज में एकता और सद्भाव का संदेश जाता है। इस शुभ अवसर पर, मंदिर के महंत दर्शन दास जी महाराज का भी विशेष सम्मान किया गया। उन्होंने आयोजनकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की और सभी भक्तों को अपना आशीर्वाद दिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नित्य अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा भाद्रपद मास की नवमी तिथि के अवसर पर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा पब्लिक गार्डन (पिलर--1265), नामपल्ली और बेगम बाजार (पुल की माता, गौशाला के पास) में सुबह 7:01 बजे संपन्न हुई।यह अन्नप्रसाद सेवा स्वर्गीय श्रीमती सिंधु देवी जी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्री हरिशंकर जी, जगदीश प्रसाद जी चूड़ीवाले परिवार और राधे राधे परिवार द्वारा आयोजित की गई।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, रितेश गुप्ता, राजेश सर योगा, गोविंद राम जी, शिव भगवान, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, आशीष, किशन पाल और अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना और समाज सेवा को बढ़ावा देना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.